SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY, VERAVAL - 362 265.

Periodical

Record Register

Title आगरिका Periodical

Publishers

Subscription and date foundation

Subscription No. per annum (From to) per volume issue(s)

Source Order No. Dt.

Bill No. Amount Paid on

Sr. No.	Date	Month	Year	Volume	Number	Missing Issue	Date of Receipt	Librarian's Initials	REMARKS
1			1962	01		02			वि.सं.2019
2			1962	01	02				वि.सं.2019
3			1962	01		03			वि.सं.2019
4			1962	01		04			वि.सं.2019
5			1963	02	01				वि.सं.2020
6			1963	02	01				वि.सं.2020
7			1964	03	02				वि.सं.2021
8			1964	03		02			वि.सं.2021
9			1964	03	03				वि.सं.2021
10			1964	03		04			वि.सं.2021
11			1965	04		01			वि.सं.2022
12			1965	04		02			वि.सं.2022
13			1965	04	04				वि.सं.2022
14			1966	05	01				वि.सं.2023
15			1966	05	02				वि.सं.2023
16			1966	05	03				वि.सं.2023
17			1966	05	04				वि.सं.2023
18			1967	06	01				वि.सं.2024
19			1967	06		02			वि.सं.2024
20			1967	06	03				वि.सं.2024
21			1967	06	03				वि.सं.2024
22			1967	06	04				वि.सं.2024
23			1968	07		01			वि.सं.2025
24			1968	07	02				वि.सं.2025
25			1968	07	03				वि.सं.2025
26			1968	07	04				वि.सं.2025
27			1969	08		01			वि.सं.2026
28			1969	08		02			वि.सं.2026
29			1969	08	03				वि.सं.2026
30			1969	08	03				वि.सं.2026
31			1969	08		04			वि.सं.2026
32			1970	09	01				वि.सं.2027
33			1970	09		02			वि.सं.2027
34			1970	09	3 and 4				वि.सं.2027
35			1971	10	01				वि.सं.2028
36			1971	10	02				वि.सं.2028
37			1971	10	03				वि.सं.2028
38			1971	10	04				वि.सं.2028
39			1971	10		03			वि.सं.2028
40			1971	10	04				वि.सं.2028
41			1972	11	01				वि.सं.2029
42			1972	11	02				वि.सं.2029
43			1972	11	03				वि.सं.2029
44			1972	11	04				वि.सं.2029
45			1973	12	1 and 2				वि.सं.2030
46			1973	12	03				वि.सं.2030
47			1973	12	04				वि.सं.2030
48			1974	13		01			वि.सं.2031
49			1974	13		02			वि.सं.2031
50			1974	13		03			वि.सं.2031
51			1974	13		04			वि.सं.2031
52			1975	14	01				वि.सं.2032
53			1975	14	02				वि.सं.2032
54			1975	14	03				वि.सं.2032
55			1975	14		01			वि.सं.2032
56			1976	15		02			वि.सं.2033
57			1976	15		03			वि.सं 2033
58			1976	15		04			वि.सं.2033
59			1976	15	04				वि.सं.2033
60			1977	16		02			वि.सं.2034
61			1977	16		03			वि.सं.2034
62			1977	16		03			वि.सं.2034
63			1977	16		04			वि.सं.2034
64			1978	17		01			वि.सं.2035
65			1978	17		02			वि.सं.2035
66			1978	17		03			वि.सं.2035
67			1978	17		04			वि.सं.2035
68			1979	18		01			वि.सं.2036
69			1979	18		02			वि.सं.2036
70			1979	18		03			वि.सं.2036
71			1979	18		04			वि.सं.2036
72			1980	19		01			वि.सं.2037
73			1980	19		02			वि.सं.2037
74			1980	19		03			वि.सं.2037
75			1980	19	04				वि.सं.2037

Librarian
Shree Somnath Sanskrit University,
Veraval, Dist. Gir Somnath-362265.

REGISTRAR,
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval, Dist. Gir Somnath (Gujarat)

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY, VERAVAL - 362 265.

Periodical

Record Register

Title सामवेदिका Periodical

Publishers

Subscription and date foundation

Subscription No. per annum (From to) per volume issue(s)

Source Order No. Dt.

Bill No. Amount Paid on

Sr. No.	Date	Month	Year	Volume	Number	Missing Issue	Date of Receipt	Librarian's Initials	REMARKS
77			1981	20		02			वि.सं.2038
78			1981	20		03			वि.सं.2038
79			1981	20		04			वि.सं.2038
80			1982	21	01				वि.सं.2039
81			1982	21		02			वि.सं.2039
82			1982	21		03			वि.सं.2039
83			1982	21		04			वि.सं.2039
84			1983	22		01			वि.सं.2040
85			1983	22		02			वि.सं.2040
86			1983	22	03				वि.सं.2040
87			1983	22	04				वि.सं.2040
88			1984	23	01				वि.सं.2041
89			1984	23		02			वि.सं.2041
90			1984	23		03			वि.सं.2041
91			1984	23	04				वि.सं.2041
92			1985	24	01				वि.सं.2042
93			1985	24	02				वि.सं.2042
94			1985	24	03				वि.सं.2042
95			1985	24	04				वि.सं.2042
96			1986	25	01				वि.सं.2043
97			1986	25	02				वि.सं.2043
98			1986	25	03				वि.सं.2043
99			1986	25	03				वि.सं.2043
100			1988	25/26	04 and 01				वि.सं.2045
101			1988	26		02			वि.सं.2045
102			1988	26	03				वि.सं.2045
103			1988	26	04				वि.सं.2045
104			1989	27	01				वि.सं.2046
105			1989	27	02				वि.सं.2046
106			1989	27	03				वि.सं.2046
107			1989	27	04				वि.सं.2046
108			1990	28	01				वि.सं.2047
109			1990	28	2 and 3				वि.सं.2047
110			1990	28		04			वि.सं.2047
111			1990	29	01				वि.सं.2048
112			1990	29		02			वि.सं.2047

Sr. No.	Date	Month	Year	Volume	Number	Missing Issue	Date of Receipt	Librarian's Initials	REMARKS
115			1992	30		01			वि.सं.2048
116			1992	30	02				वि.सं.2048
117			1993	30	3 and 4				वि.सं.2050
118			1994	31		01			वि.सं.2051
119			1994	31		02			वि.सं.2051
120			1994	31		03			वि.सं.2051
121			1994	31		04			वि.सं.2051
123			1994	32	01				वि.सं.2052
124			1995	32		02			वि.सं.2052
125			1995	32		03			वि.सं.2052
126			1995	32	04				वि.सं.2052
127			1995	33	1 and 2				वि.सं.2053
128			1996	33		03			वि.सं.2053
129			1996	33		04			वि.सं.2054
130			1997	34		01			वि.सं.2055-56
131			1998-99	34	02				वि.सं.2056
132			1999	34	03				वि.सं.2056
133			1999	34	04				वि.सं.2057
134			2000	35	01				वि.सं.2057
135			2000	35	02				वि.सं.2057
136			2000	35		03			वि.सं.2057
137			2000	35		04			वि.सं.2058
138			2001	35	01				वि.सं.2058
139			2001	36	02				वि.सं.2058
140			2001	36	3 and 4				वि.सं.2059
141			2002	37		01			वि.सं.2059
142			2002	37		02			वि.सं.2059
143			2002	37		03			वि.सं.2059
144			2002	37		04			वि.सं.2062
145			2005	38	01				वि.सं.2062
146			2005	38	02				वि.सं.2062
147			2005	38		03			वि.सं.2062
148			2005	38	04				वि.सं.2063
149			2006	39	01				वि.सं.2064
150			2007	39	02				वि.सं.2065
151			2008	39	03				वि.सं.2066
152			2006	39	04				

Librarian
Shree Somnath Sanskrit University,
Veraval. Dist. Gir Somnath-362265.

REGISTRAR,
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval, Dist. Gir Somnath (Gujarat)

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY, VERAVAL - 362 265.

Periodical Record Register

Title सागरीका Periodical

Publishers

Subscription and date foundation

Subscription No. per annum (From to) per volume issue(s)

Source Order No. Dt.

Bill No. Amount Paid on

Sr. No.	Date	Month	Year	Volume	Number	Missing Issue	Date of Receipt	Librarian's Initials	REMARKS
154			2008-09	40	2 and 3				वि.सं.2065-66
155			2009	40	04				वि.सं.-2066
156			2009-10	41	1 and 2				वि.सं.2066-67
157			2010	41	03				वि.सं.2067
158			2010	41	04				वि.सं.2067
159			2011	42	1 and 2				वि.सं.2068
160			2011	42	3 and 4				वि.सं.2068
161			2012	43		01			वि.सं.2069
162			2012	43		02			वि.सं.2069
163			2012	43	3 and 4				वि.सं.2069
164			2013	44	1 and 2				वि.सं.2070
165			2013	44	3 and 4				वि.सं.2070
166			2014	45	1 and 4				वि.सं.2071
167			2014	45		3 and 4			वि.सं.2071
168			2015	46	1 and 2				वि.सं.2072
169			2015	46	3 and 4				वि.सं.2072
170			2016	47	1 and 2				वि.सं.2073
171			2016	47		2 and 3			वि.सं.2073
172			2017	48	1 and 2				वि.सं.2074
173			2017	48	03				वि.सं.2074
174			2017	48	04	Combam issue.			वि.सं.2074
175			2018	49	01				वि.सं.-2075
176			2018	19	02				

Librarian
Shree Somnath Sanskrit University,
Veraval. Dist. Gir Somnath-362265.

REGISTRAR,
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval, Dist. Gir Somnath (Gujarat)

Sag-1964
3/1

सागरिका

त्रैमासिकी



तृतीयवर्षे प्रथमाङ्कः

२०२१ वि० स०

पूर्णांक

प्रकाशिका

संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् (म० प्र०)

सागरिका

त्रैमासिकी



तृतीयवर्षे प्रथमाङ्कः

२०२१ वि० स०

पूर्णाङ्कः ७

प्रकाशिका

संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् (म० प्र०)

प्रकाशिकाः
संस्कृतपरिषद्
विश्वविद्यालयः, सागरम् (म० प्र०)

सागरिकासम्पादनसमितिः

सम्पादकः—डा० रामजी उपाध्यायः
कोषाध्यक्षः – डा० वनमाला भवालकरः
मन्त्री—डा० विश्वनाथभट्टाचार्यः

मुद्रक :—
अमलकुमार वसु
इंडियन प्रेस, (प्रा०) लिमिटेड
वाराणसी शाखा।

सूचीपत्रम्

विषयः	लेखकः	पृष्ठसंख्या
१—भारतदैवतो जवाहरलालः	....	१
२—सुसंहतभारतम्—पुल्लेल श्रीरामचन्द्रुडु	....	१
३—सर्वतन्त्रस्वतन्त्रकवितार्किकचक्रवर्ती श्रीमन्महादेव शास्त्री—रामर्मूतित्रिपाठी....		७५
४—संस्कृत-पत्रकारिता—रामगोपालमिश्रः	....	८५

Sag-1964
0313

सागरिका

त्रैमासिकी



तृतीयवर्षे तृतीयाङ्कः

माघ २०२१ वि० स०

January 1965

पूर्णाङ्कः ९

प्रकाशिका

संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् (म० प्र०)

सागरिका

त्रैमासिकी



तृतीयवर्षे तृतीयाङ्कः

माघ २०२१ वि० स०

January 1965

पूर्णाङ्कः ९

प्रकाशिका

संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् (म० प्र०)

वार्षिकमूल्यम् ६ रु०] [प्रत्यङ्कम् २ रु०

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

मुद्रक
अमलकुमार बसु,
इंडियन प्रेस (प्राइवेट) लिमिटेड,
वाराणसी-शाखा ।

सागरिकासम्पादनसमितिः
सम्पादकः—डा० रामजी उपाध्यायः
कोषाध्यक्षः—डा० वनमाला भवालकरः
मन्त्री—डा० विश्वनाथभट्टाचार्यः

सूचीपत्रम्

१. राजतरङ्गिणी—डा० रामजी उपाध्यायः १९३

२. कुन्तकस्य वक्रोक्तिप्रस्थानं व्यञ्जना च—डा० रविशंकरनागरः २०२

३. कारणत्वं स्वभावधादश्च—शिवचन्द्रभट्टाचार्यः २२३

४. भारतीयसंस्कृतेर्वैशिष्ट्यानि—डा० रामजी उपाध्यायः २२९

५. कर्णपूरस्याप्रस्तुतविधानपाटवम्—गौतमप्रसादमिश्रः २३३

६. सप्तदशशतकस्य रूपकत्रयम्—शंकरलालः स्वर्णकारः २४७

७. अष्टादशशतकस्य त्रयो भाणाः—विहारीलालःनागार्चः २५३

८. ऊनविंशशतकस्य नाटकत्रयम्—शिवदर्शनतिवारी २७५

९. विंशशताब्द्या नाटकेषु राष्ट्रजागरणम्—गुलाबचन्द्रजैनः २९०

१०. वसन्तवर्णनम्—पुल्लेलश्रीरामचन्द्रुडुः २९८

११. काव्येष्वलङ्कारः—भूपतिभट्टः ३०३

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्
सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

देयम्

प्रत्यङ्कम्	३–०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१०–०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	१५०–०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम् आषाढा-श्विन-पौष-चैत्र- [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च-] मासेषु

सूच्यम् : आजीवनग्राहकेभ्यः सागरिकायाः प्राचीना अपि सर्वेऽङ्का सवस्त्र-पुटबन्धा निश्शुल्कमुपहियेरन् ।

मुद्रक
विद्याविलास प्रेस
के. ३७/१०८, गोपाल मन्दिर लेन
वाराणसी–२२१००१ (उ० प्र०)
फोन ५२९३९

विषय-सूची

१. त्रयोदशसंस्कृत-रूपकाणां भासकर्तृत्वे शङ्का	रसिकविहारी जोशी	३३७
२. महाकवेर्बाणभट्टस्य रचनाचातुरी	रसिकविहारी जोशी	३६९
३. भासनाटचस्य कतिपयवैशिष्ट्यानि	रामजी उपाध्यायः	३८५
४. नवीनं खगोलीयशास्त्रम् विश्वरूपञ्च	B. अर्कसोमयाजी	३९३
५. मूलाविद्या भाष्यवार्तिकसंमता	श्री. के० कृष्णजोयिसरः	४००

1965
4

Sag - 1965
414

सागरिका

त्रैमासिकी



चतुर्थवर्षे चतुर्थाङ्कः

संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् (म० प्र०)

सागरिका

त्रैमासिकी



चतुर्थवर्षे चतुर्थाङ्कः

२०२२ वि० स०

पूर्णाङ्कः १४

प्रकाशिका

संस्कृतपरिषद् सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् (म० प्र०)

वार्षिकमूल्यम् ६ रु०] १९६५-'६६ ई० [प्रत्यङ्कम् २ रु०

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

सम्पादन-समितिः
सम्पादकः : डा० रामजी उपाध्यायः
कोषाध्यक्षः : डा० वनमाला भवालकरः
मन्त्री : डा० विश्वनाथ भट्टाचार्यः

मुद्रक
सम्मेलन मुद्रणालय
प्रयाग

सूचीपत्रम्

	पृ० सं०
१. ब्रह्माद्वैत विज्ञानवादयोः साम्यवैषम्यम्—आचार्यः जगन्नाथ उपाध्यायः	३०७
२. भारतस्यैतिह्यम् अभ्युदयः, संस्कृतविद्या च—डा० विश्वनाथो भट्टाचार्यः	३१९
३. मेघदूतस्यैकं पद्यम्—डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी	३२७
४. व्यंजना-विषये भट्टनायकमतसमीक्षा—डा० रविशंकरो नागरः	३३१
५. अभिनवराघव-नाटकम्—शिवदर्शनः तिवारी	३४५
६. गंगासागरीयम्— श्रीमती निर्मला उपाध्यायः	३५५
७. यतीन्द्रविमल-चतुर्धुरीणस्य कृतित्वम्—सुश्री मनोरमा सक्सेना	३६१
८. ग्रन्थ-परिचयः	३६८
९. सूचना	३७७

1966
1

सागरिका

sag-1966
05/1

त्रैमासिकी

पंचमवर्षे प्रथमाङ्कः

सागरिका-समितिः, सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

सम्पादकः प्रो० रामजी उपाध्यायः, एम० ए०, डी० लिट्०
संस्कृत-विभागाध्यक्षः

सागरिका

त्रैमासिकी

पंचमवर्षे प्रथमाङ्कः

२०२३ वि० स०

पूर्णाङ्कः १५

वार्षिकमूल्यम् ६ रूपकाः]

[प्रत्यङ्कम् २ रूपकाः

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः, सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

मुद्रक
सम्मेलन मुद्रणालय
प्रयाग

लेख-सूची

पृष्ठ संख्या

१. वैदिककालीनं शिल्पम्: डा० रामजी उपाध्यायः १
२. कालिदासीयं नाट्यजगत्: डा० विश्वनाथ भट्टाचार्यः ५
३. मदालसाचम्पूकर्त्ता त्रिविक्रमभट्टः म. म. डा० वामन विष्णु मिराशी १७
४. ऋग्वैदिक चरित्रनिर्माणम्: डा० रामजी उपाध्यायः २३
५. कालिदास-भारतीः डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी २९
६. अलङ्कारप्राधान्यवादिनां ध्वनिविरोधस्तत्खण्डनञ्चः
डा० रविशंकर नागर ३९
७. स्वातन्त्र्योत्तरकाले संस्कृत-साहित्यम्: श्रीमती निर्मलोपाध्यायः ५९
८. धर्मविजयनाटकम्: शंकरलाल स्वर्णकारः ६३
९. अष्टादशशतकस्य प्रहसनद्वयम्: विहारीलालः नागार्चः ७१
१०. ऊनविंशशतकस्य गीतकाव्यम्: कु० कृष्णा खरे ८५
११. गीतकाव्यम् कण्टकाञ्जलिः कु० माया तिवारी ८९
१२. सागरविश्वविद्यालयस्य संस्कृतविभागे पाठ्यक्रमः शोध प्रवृत्तिश्चः
भूपति भट्टः ९७
१३. ग्रन्थ समालोचनम् १०१
१४. अस्मत् प्रकाशनानि १०७

-1966
2

सा ग रि का

त्रैमासिकी

Sag-1966
05/2

पञ्चमवर्षे द्वितीयाङ्कः

सागरिका-समितिः, सागर-विश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

सा ग रि का

त्रैमासिकी

पञ्चमवर्षे द्वितीयाङ्कः
२०२३ वि० स०
पूर्णाङ्क : १६

सम्पादकः
प्रो० रामजी उपाध्यायः एम० ए०, डी० लिट०
संस्कृत - विभागाध्यक्षः

प्रकाशिका
संस्कृत-परिषद्
सागरिका-समितिः
सागर-विश्वविद्यालयः, सागरम्

देयम्
प्रत्यङ्कम् २ रूपकाः
वार्षिकम् ६ रूपकाः
वस्त्रावरणसंहितवार्षिकचतुरङ्कानाम् ८ रूपकाः
आजीवनग्राहकस्य १०० रूपकाः
अङ्कनिर्गमनम् आषाढाश्विन-पौष-चैत्रमासेषु

मुद्रक
सागर विश्वविद्यालय मुद्रणालय
सागर

विषयानुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
१. राजशेखरस्यावन्तिप्राकृतम् — डा० भास्कराचार्य त्रिपाठी	११३
२. व्यञ्जनायाः स्वरूपं विकासश्च — डा० रविशंकर नागर	११९
३. कविकलानिधिः — श्रीकृष्णभट्टः तस्य सुन्दरी-स्तवराजश्च — डा० प्रभाकर शास्त्री	१५१
४. आदर्श-दम्पती-उपन्यासिका — श्री पुष्करशर्मा	१६१
५. ऊनविंशशताब्द्या एकाङ्करूपकाणि — श्री शिवदर्शनतिवारी	१७३
६. मेलनतीर्थ-भारतम् — सुश्री मनोरमा सक्सेना	१७९
७. भारतीय-संस्कृति-दर्शनम् — डा० रामजी उपाध्याय	१८९
८. ग्रन्थ-समीक्षणम्	२१५

1966
3

सागरिका

त्रैमासिकी

sag-1966
05/3

पंचमवर्षे तृतीयाङ्कः

सागरिका-समितिः, सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

सम्पादकः प्रो० रामजी उपाध्यायः, एम० ए०, डी० लिट्०
संस्कृत-विभागाध्यक्षः

सागरिका

त्रैमासिकी

पंचमवर्षे तृतीयाङ्कः

२०२३ वि० स०

पूर्णाङ्कः १७

[वार्षिकमूल्यम् ६ रूपकाः]

[प्रत्यङ्कम् २ रूपका

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः, सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

मुद्रक
सम्मेलन मुद्रणालय
प्रयाग

विषयानुक्रमणिका

कालिदास-भारती—डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी	२१७
अष्टादशशतकस्य तिस्रो वीथ्यः—श्री विहारीलाल नागार्च	२२७
ऊनविंशशतकस्य रूपकाष्टकम्—शिवदर्शन तिवारी	२४७
रणेन्द्रनाथगुप्तस्य हरिश्चन्द्र-चरितम्—श्री गुलाबचन्द्र जैन	२६५
अमरमीरम्—सुश्री मनोरमा सक्सेना	२७३
राजवैद्यः श्रीकृष्णरामभट्टः तस्य कृतयश्च—डा० प्रभाकरशास्त्री	२८१
वसुमती-चित्रसेनीयम्—श्री शंकरलाल स्वर्णकारः	२९१
जागरणम्—श्रीमती माया पाठक	२९९
कामस्य रसरूपेण प्रथमः समुल्लासः—श्री रमाशंकर जैतली	३०७
तैत्तिरीय संहिता ५।६।१।१-२ मन्त्रस्य विनियोगः—डा० कृष्णलाल	३१३
ग्रन्थ-समीक्षणम	३१७

9-1966
4

सा ग रि का

त्रैमासिकी

Sag-1966
05/4

पञ्चमवर्षे चतुर्थाङ्कः

सागरिका-समितिः, सागर-विश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

सा ग रि का

त्रैमासिकी

पञ्चमवर्षम्, २०२३ वि० सं०

चतुर्थाङ्कः

पूर्णाङ्कः १८

सम्पादकः

प्रो० रामजी उपाध्यायः एम० ए०, डी० लिट्०

संस्कृतविभागाध्यक्षः

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्
सागरिका-समितिः
सागर विश्वविद्यालयः सागरम्

देयम्

प्रत्यङ्कम्	२ रूपकाः
वार्षिकम्	६ रूपकाः
वस्त्रावरणसंहितवार्षिकचतुरङ्काणाम्	८ रूपकाः
आजीवनग्राहकस्य	१०० रूपकाः
अङ्कनिर्गमनम्	आषाढ़-आश्विन-पौष-चैत्रमासेषु (जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च)

मुद्रकः
श्री नरहरि गोविन्द बेडेकरः
सागर-विश्वविद्यालय-मुद्रणालयः
सागरम्

विषयानुक्रमणिका

१.	भारतीय-संस्कृति-दर्शनम्	डा. रामजीउपाध्यायः ३२३
२.	कालिदास-भारती-५	डा. रेवाप्रसादद्विवेदी ३३९
३.	यायावरविप्रो राजशेखरः	डा. भास्कराचार्य त्रिपाठी ३६१
४.	कालिदासस्य भौगोलिकं विज्ञानम्	श्री रामचन्द्रुडुः ३६९
५.	भारत-जनकम्	कु. मनोरमा सक्सेना ३७५
६.	अश्रु-विसर्जनम्	स्व.म.म. यादवेश्वरतर्करत्नः ३८३
७.	ग्रन्थसमीक्षणम्	४३५
८.	संस्कृतवृत्तम्	डा. विश्वनाथ भट्टाचार्यः ४४१
९.	पञ्चमवर्ष-सूची	ग
१०.	ऐषमो लेखकपरिचयः	ङ

Sag-1967
0612

सा ग रि का

त्रैमासिकी

Sag-1967
06/1

षष्ठवर्षे प्रथमाङ्कः

सागरिका-समितिः, सागर-विश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

सा ग रि का

त्रैमासिकी

षष्ठवर्षम्, २०२४ वि० सं०

षष्ठवर्षे प्रथमाङ्कः

सम्पादकः

प्रो० रामजी उपाध्यायः एम० ए०, डी० लिट्०

संस्कृत-विभागाध्यक्षः

प्रकाशिका
संस्कृत-परिषद्
सागरिका-समितिः
सागर-विश्वविद्यालयः, सागरम्

देयम्

प्रत्यङ्कम्	२ रूपकाः
वार्षिकम्	६ रूपकाः
वस्त्रावरणसंहितवार्षिकचतुरङ्काणाम्	८ रूपकाः
आजीवनग्राहकस्य	१०० रूपकाः
अङ्कनिर्गमनम्	आषाढाश्विन–पौष–चैत्रमासेषु (जून-सितम्बर-दिसम्ब-मार्च)

मुद्रकः
नरहरी गोविन्द बेडेकरः
सागर-विश्वविद्यालय-मुद्रणालयः
सागरम् (म. प्र.)

विषयानुक्रमणिका

		पृष्ठसंख्या
१.	विदेशेषु संस्कृताध्ययनम् — डा० रसिकविहारी जोशी	१
२.	कलचुरिकविर्मायुराजः — डा० वा० वि० मिराशी	३३
३.	अलंकारसर्वस्वे संशोधनम् — डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी	३९
४.	अभिनेयं बालरामायणम् — डा० भास्कराचार्य त्रिपाठी	४३
५.	मेघदूतीयं पद्यम् — श्री शिवचन्द्रभट्टाचार्यः	४९
६.	रामनाथः तस्य आर्यालहरी विलापलहरी च — डा० रामजी उपाध्याय	५५
७.	पर्वणीकरा नारायणभट्टाः तेषां कृतित्वञ्च — डा० प्रभाकर शास्त्री	६७
८.	धर्मसूरिः तस्य साहित्यरत्नाकरश्च — श्री के० राजन्नशास्त्री	७५
९.	चित्रकाव्येषु गतिचित्राणां विकास-परम्परा — श्री रुद्रदेव त्रिपाठी	८९
१०.	मेधाव्रतशास्त्री तस्य प्रकृतिसौन्दर्यञ्च — कु० माया परमहंस	९९
११.	संस्कृत-साहित्यं संरक्षणीयम्	१०५
१२.	सागर-विश्वविद्यालये संस्कृतानुसन्धानस्य प्रगतिः	१०६

9-1967
13

सा ग रि का

त्रैमासिकी

Sag-1967
06/3

षष्ठवर्षे तृतीयाङ्कः

सागरिका-समितिः, सागर-विश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

सा ग रि का

त्रैमासिकी

षष्ठवर्षम्, २०२४ वि० सं०

षष्ठवर्षे तृतीयाङ्कः

सम्पादकः

प्रो० रामजी उपाध्यायः एम० ए०, डी० लिट्०

संस्कृत-विभागाध्यक्षः

प्रकाशिका
संस्कृत-परिषद्
सागरिका-समितिः
सागर-विश्वविद्यालयः, सागरम् (म. प्र.)

देयम्

प्रत्यङ्कम्	२ रूपकाः
वार्षिकम्	६ रूपकाः
वस्त्रावरणसंहितवार्षिकचतुरङ्काणाम्	१० रूपकाः
आजीवनग्राहकस्य	१०० रूपकाः
अङ्कनिर्गमनम्	आषाढाश्विन–पौष–चैत्रमासेषु (जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च)

चेकद्वारा सम्प्रदानार्थं देयेषु उपर्युक्तधनेषु अपरं रूप्यकमेकं संयोजनीयम्।

मुद्रकः
नरहरी गोविन्द बेडेकरः
सागर-विश्वविद्यालय-मुद्रणालयः
सागरम् (म. प्र.)

सूचीपत्रम्

१.	अनूपसिंहस्तस्य संस्कृत-संवर्धनञ्च	डा० रामजी उपाध्याय	२११
२.	कालिदास-भारती-६	डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी	२३५
३.	उद्दण्डिकवेर्मल्लिकामारुतम्	डा० वा० वि० मिराशी	२५५
४.	काव्यगौरवे कालिदासकाव्यम्	डा० विश्वनाथ भट्टाचार्य	२६७
५.	जयपुरीय-शतक-काव्य-परम्परा	डा० प्रभाकर शास्त्री	२८३
६.	अष्टादशशतकीयं केरलप्रदेशीयं नाटकत्रयम्	श्री विहारीलाल नागार्च	२९५

Ved Prakash Pandey

-1967

3

सा ग रि का

त्रैमासिकी

Sag-1967
0613

षष्ठवर्षे तृतीयाङ्कः

सागरिका-समितिः, सागर-विश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

सा ग रि का

त्रैमासिकी

षष्ठवर्षम्, २०२४ वि० सं०

षष्ठवर्षे तृतीयाङ्कः

सम्पादकः

प्रो० रामजी उपाध्यायः एम० ए०, डी० लिट्०

संस्कृत-विभागाध्यक्षः

प्रकाशिका
संस्कृत-परिषद्
सागरिका-समितिः
सागर-विश्वविद्यालयः, सागरम् (म. प्र.)

देयम्

प्रत्यङ्कम्	२ रूपकाः
वार्षिकम्	६ रूपकाः
वस्त्रावरणसंहितवार्षिकचतुरङ्काणाम्	१० रूपकाः
आजीवनग्राहकस्य	१०० रूपकाः
अङ्कनिर्गमनम्	आषाढाश्विन–पौष–चैत्रमासेषु (जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च)

चेकद्वारा सम्प्रदानार्थं देयेषु उपर्युक्तधनेषु अपरं रूप्यकमेकं संयोजनीयम्।

मुद्रकः
नरहरी गोविन्द बेडेकरः
सागर-विश्वविद्यालय-मुद्रणालयः
सागरम् (म. प्र.)

सूचीपत्रम्

१.	अनूपसिंहस्तस्य संस्कृत-संवर्धनञ्च	डा० रामजी उपाध्याय	२११
२.	कालिदास-भारती-६	डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी	२३५
३.	उद्दण्डिकवेर्मल्लिकामारुतम्	डा० वा० वि० मिराशी	२५५
४.	काव्यगौरवे कालिदासकाव्यम्	डा० विश्वनाथ भट्टाचार्य	२६७
५.	जयपुरीय-शतक-काव्य-परम्परा	डा० प्रभाकर शास्त्री	२८३
६.	अष्टादशशतकीयं केरलप्रदेशीयं नाटकत्रयम्	श्री विहारीलाल नागार्च	२९५

g-1967
:14

सा ग रि का

त्रैमासिकी

sag-1967
0614

७७४वर्षे चतुर्थाङ्कः

सागरिका-समितिः, सागर-विश्वविद्यालयः
सागरम् (म. प्र.)

सागरिका

त्रैमासिको

षष्ठवर्षम्, २०२४ वि० सं०

चतुर्थाङ्कः

पूर्णाङ्कः २२

सम्पादकः

प्रो० रामजी उपाध्यायः एम० ए०, डी० लिट्०

सागरविश्वविद्यालये

संस्कृतविभागाध्यक्षः

ठ संख्या

३१५

३२१

३४३

३४५

३५१

३५७

३६२

३७१

३७७

३८०

३८२

३८६

४००

ग

ङ

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्
सागरिका–समिक्षिः
सागर-विश्वविद्यालयः सागरम् (म० प्र०)

देयम्

प्रत्यङ्कम्	२	रूपकाः
वार्षिकम्	८	रूपकाः
वस्त्रावरणसंहितवार्षिकचतुरङ्काणाम्	१६	रूपकाः
आजीवनग्राहकस्य	१००	रूपकाः

अङ्कनिर्गमनम् आषाढाश्विन-पौष-चैत्रमासेषु
(जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च)

मुद्रकः—
पं० सुन्दरलाल गंगेले
श्री० सुन्दर मुद्रणालयः सागरम्
(म. प्र.)

विषयानुक्रमणिका

		पृष्ठ संख्या
१. कालिदासकाव्येषु कलायाः प्रकृतिप्रभावौ	डा० कु० मिनति चक्रवर्ती	३१५
२. कर्णपूरः तस्य चैतन्यचन्द्रोदयं नाटकञ्च	श्री गणेश प्रसाद मिश्रः	३२१
३. मुक्तक प्रबंधगतरसचर्वणयोरन्तरमस्ति वा न वा	डा० रामर्मूति त्रिपाठी	३४३
४. सभेदार्या-सप्तसती	डा० प्रभाकर शास्त्री	३४५
५. मांङोट्टश्शेरि-कृष्णनम्पूतिरिपादः		३५१
६. संस्कृतसाहित्ये श्लेषमूलक-परिसंख्या	श्री महेन्द्रप्रताप थापरः	३५७
७. यक्षगानम्-संस्कृतभाषायां तेलुगुनाट्यप्रयोगः	डा० सीताराम दांतरे	३६२
८. पण्डितराज-पद्यपूर्ति-संशोधनम्	डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी	३७१
९. उत्तररामचरिते हास्यरसः	श्री दिव्याक्षकुमार पण्ड्या	३७७
१०. परस्मैपदविधायकसूत्रेषु कश्चन विचारः	श्री शिवनारायण शास्त्री	३८०
११. रसाचार्यः रुद्रटः	श्री कृष्णकुमार लालः	३८२
१२. मेघदूतस्य रूपान्तराणि	श्री प्रह्लादकुमारः	३८६
१३. अथर्ववेदेऽग्नितत्त्वम्	श्री नन्हेंप्रसाद द्विवेदी	४००
१४, पञ्चमवर्ष-सूची		ग
१५. ऐषमो लेखकपरिचयः		ङ

3-1967
14

सा ग रि का

त्रैमासिकी

Sag-1967
06/4

षष्ठवर्षे चतुर्थाङ्कः

सागरिका-समितिः, सागर-विश्वविद्यालयः
सागरम् (म. प्र.)

सागरिका

त्रैमासिको

षष्ठवर्षम्, २०२४ वि० सं०

चतुर्थाङ्कः

पूर्णाङ्कः २२

सम्पादकः

प्रो० रामजी उपाध्यायः एम० ए०, डी० लिट्०

सागरविश्वविद्यालये

संस्कृतविभागाध्यक्षः

पृष्ठ संख्या

ननति चक्रवर्ती	३१५
प्रसाद मिश्रः	३२१
ति त्रिपाठी	३४३
र शास्त्री	३४५
	३५१
ाप थापरः	३५७
म दांतरे	३६२
ाद द्विवेदी	३७१
कुमार पण्ड्या	३७७
ायण शास्त्री	३८०
र लालः	३८२
कुमारः	३८६
द द्विवेदी	४००
	ग
	ङ

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्
सागरिका-समितिः
सागर-विश्वविद्यालयः सागरम् (म० प्र०)

देयम्

प्रत्यङ्कम्	२ रूपकाः
वार्षिकम्	८ रूपकाः
वस्त्रावरणसंहितवार्षिकचतुरङ्काणाम्	१० रूपकाः
आजीवनग्राहकस्य	१०० रूपकाः

अङ्कनिर्गमनम् आषाढाश्विन-पौष-चैत्रमासेषु
(जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च)

मुद्रकः—
पं० सुन्दरलाल गंगेले
प्रो० सुन्दर मुद्रणालयः सागरम्
(म. प्र.)

विषयानुक्रमणिका

		पृष्ठ संख्या
१. कालिदासकाव्येषु कलायाः प्रकृतिप्रभावौ	डा० कु० मिनति चक्रवर्ती	३१५
२. कर्णपूरः तस्य चैतन्यचन्द्रोदयं नाटकञ्च	श्री गणेश प्रसाद मिश्रः	३२१
३. मुक्तक प्रबंधगतरसचर्वणयोरन्तरमस्ति वा न वा	डा० रामसूर्ति त्रिपाठी	३४३
४. सभेदार्या-सप्तसती	डा० प्रभाकर शास्त्री	३४५
५. मांङ्गोट्टश्शेरि-कृष्णनम्पूतिरिपादः		३५१
६. संस्कृतसाहित्ये श्लेषमूलक-परिसंख्या	श्री महेन्द्रप्रताप थापरः	३५७
७. यक्षगानम्-संस्कृतभाषायां तेलुगुनाट्यप्रयोगः	डा० सीताराम दांतरे	३६२
८. पण्डितराज-पद्यपूर्ति-संशोधनम्	डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी	३७१
९. उत्तररामचरिते हास्यरसः	श्री दिव्याक्षकुमार पण्ड्या	३७७
१०. परस्मैपदविधायकसूत्रेषु कश्चन विचारः	श्री शिवनारायण शास्त्री	३८०
११. रसाचार्यः रुद्रटः	श्री कृष्णकुमार लालः	३८२
१२. मेघदूतस्य रूपान्तराणि	श्री प्रह्लादकुमारः	३८६
१३. अथर्ववेदेऽग्नितत्त्वम्	श्री नन्हेंप्रसाद द्विवेदी	४००
१४, पञ्चमवर्ष-सूची		ग
१५. ऐषमो लेखकपरिचयः		ङ

Sag-1968
712

सा ग रि का

त्रैमासिकी

Sag-1968
712

सप्तमवर्षे द्वितीयाङ्कः

सागरिका-समितिः, सागर-विश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

सा ग रि का

त्रैमासिकी

सप्तमवर्षम् , २०२५ वि० स०

सप्तमवर्षे द्वितीयाङ्कः

सम्पादकः

रामजी उपाध्यायः, एम. ए., डी. लिट्.,

संस्कृत विभागाध्यक्षः

प्रकाशिका
संस्कृत-परिषद्
सागरिका-समितिः,
सागर विश्वविद्यालयः,
सागर (म० प्र०)

देयम्

प्रत्यङ्कम्	२ रूपकाः
वार्षिकम्	८ रूपकाः
वस्त्रावरणसंहितवार्षिकचतुरङ्काणाम् (पुराणानामपि)	१० रूपकाः
आजीवनग्राहकस्य	१०० रूपकाः

अङ्कनिर्गमनम्
आषाढाश्विन–पौष–चैत्रमासेषु
(जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च)
चेकद्वारा सम्प्रदानार्थं देयेषु उपर्युक्तधनेषु
अपरं रूप्यकमेकं संयोजनीयम्

मुद्रकः
नरहरि गोविन्द वेडेकरः
सागर-विश्वविद्यालय-मुद्रणालयः
सागरम् (म० प्र०)

सूचीपत्रम्

१.	रसस्य शाब्दत्वम्	डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी	१
२.	महर्षिवाल्मीकेराश्रमस्य स्थानम्	डॉ० वा० वि० मिराशी	
३.	चित्रबन्धसाहित्ये कमलबन्धाः	डॉ० रुद्रदेव त्रिपाठी	
४.	शरभनृपः तस्य कुमारसंभवचम्पूश्च	डॉ० सीताराम दांतरे	१२३
५.	अर्थविज्ञानम्	सत्यव्रतः	१२८
६.	महामहोपाध्यायशङ्करलालशास्त्री तस्य रूपकाणि च	डॉ० शिवदर्शन तिवारी	१३९
७.	जगद्विजयच्छन्दस्याधिकरणम्	डॉ० रामजी उपाध्यायः	१५५
८.	संस्कृतायतिः	डॉ० भास्कराचार्यः	१६३
९.	रसादिध्वनेः असंलक्ष्यक्रमता-विचारः	डॉ० पुल्लेल श्रीरामचन्द्रुडुः	१६७
१०.	वैदिकी वर्णव्यवस्था	श्री राधावल्लभः त्रिपाठी	१७५
११.	महाभारतानुसारमुपायदर्शनम्	श्री गोपीकृष्ण द्विवेदी	१८१
१२.	अभिनव साहित्य समीक्षा		१८९
१३.	संस्कृतविभागीयं वृत्तम्		१९७

19-1968
713

सा ग रि का

त्रैमासिकी

Sag-1968
07/3

सप्तमवर्षे द्वितीयाङ्कः

सागरिका-समितिः, सागर-विश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

सा ग रि का

त्रैमासिकी

सप्तमवर्षम् , २०२५ वि० स०

सप्तमवर्षे द्वितीयाङ्कः

सम्पादकः

रामजी उपाध्यायः, एम. ए., डी. लिट्.,

संस्कृत विभागाध्यक्षः

प्रकाशिका
संस्कृत-परिषद्
सागरिका-समितिः,
सागर विश्वविद्यालयः,
सागर (म० प्र०)

देयम्

प्रत्यङ्कम्	२ रूपकाः
वार्षिकम्	८ रूपकाः
वस्त्रावरणसंहितवार्षिकचतुरङ्काणाम् (पुराणानामपि)	१० रूपकाः
आजीवनग्राहकस्य	१०० रूपकाः

अङ्कनिर्गमनम्
आषाढाश्विन–पौष–चैत्रमासेषु
(जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च)
चेकद्वारा सम्प्रदानार्थं देयेषु उपर्युक्तधनेषु
अपरं रूप्यकमेकं संयोजनीयम्

मुद्रकः
नरहरि गोविन्द वेडेकरः
सागर-विश्वविद्यालय-मुद्रणालयः
सागरम् (म० प्र०)

सूचीपत्रम्

१.	रसस्य शाब्दत्वम्	डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी	१
२.	महर्षिवाल्मीकेराश्रमस्य स्थानम्	डॉ० वा० वि० मिराशी	
३.	चित्रबन्धसाहित्ये कमलबन्धाः	डॉ० रुद्रदेव त्रिपाठी	
४.	शरभनृपः तस्य कुमारसंभवचम्पूश्च	डॉ० सीताराम दांतरे	१२३
५.	अर्थविज्ञानम्	सत्यव्रतः	१२८
६.	महामहोपाध्यायशङ्करलालशास्त्री तस्य रूपकाणि च	डॉ० शिवदर्शन तिवारी	१३९
७.	जगद्विजयच्छन्दस्याधिकरणम्	डॉ० रामजी उपाध्यायः	१५५
८.	संस्कृतायतिः	डॉ० भास्कराचार्यः	१६३
९.	रसादिध्वनेः असंलक्ष्यक्रमता-विचारः	डॉ० पुल्लेल श्रीरामचन्द्रुडुः	१६७
१०	वैदिकी वर्णव्यवस्था	श्री राधावल्लभः त्रिपाठी	१७५
११.	महाभारतानुसारमुपायदर्शनम्	श्री गोपीकृष्ण द्विवेदी	१८१
१२.	अभिनव साहित्य समीक्षा		१८९
१३.	संस्कृतविभागीयं वृत्तम्		१९७

368

सागरिका

त्रैमासिकी

549-1968
07/4

सप्तमवर्षे चतुर्थाङ्कः
२०२६ वि. सं.

संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् [म. प्र.]

सागरिका

त्रैमासिकी

★

सप्तमवर्षे चतुर्थाङ्कः
२०२६ वि. सं.

★

संपादकः
डॉ. रामजी उपाध्यायः
संस्कृतविभागाध्यक्षः

—

सागर - विश्व - विद्यालयः
सागरम् [म. प्र.]

वार्षिकमूल्यम् ८ रु०] [प्रत्यङ्कम् २रु०

प्रकाशिका :
संस्कृतपरिषद् सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् (म. प्र.)

—❀—

मुद्रक :
सांखला प्रिन्टर्स
इन्दौर म. प्र.

लेखसूची

१	जयरथमते काव्यस्यार्थकृत्त्वम्	डा. रेवाप्रसादद्विवेदी	२६४
२	बाणभट्टनिर्दिष्टाः कतिपय उत्कृष्टकाव्यधर्मा	श्री अमरनाथपाण्डेयः	२६६
३	ध्वनिलक्षणसमन्वयः	डा. रविशङ्करनागरः	२७०
४	कुमारसंभवस्योपजीव्यानुसन्धानम्	डा. रामजी उपाध्यायः	२९४
५	ऋग्वेदव्याख्याया उद्भवो विकासश्च	डा. सिद्धनाथशुक्लः	३०२
६	काव्यविवेचने ध्वनिसिद्धान्तः	डा. विश्वनाथभट्टाचार्यः	३१७
७	श्र्यङ्कमहाकाव्यम्	श्रीकन्हैयापाण्डेयः	३२७
८	पर्यायविवेकः	श्रीसत्यव्रतः	३३४
९	ऋग्वेदेऽग्ने राष्ट्रियं स्वरूपम्	श्री नन्हेप्रसादद्विवेदी	३४२
१०	भावोत्कर्षे दृष्ट्यभिनयः	श्री राजमूर्तिपाण्डेयः	३५०

Sag-1969
0813

सागरिका

त्रैमासिकी

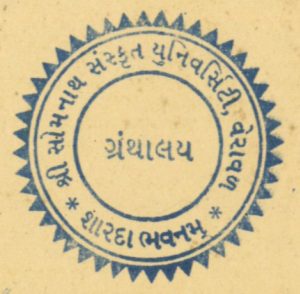

अ. सवर्षे तृतीयाङ्कः
२०२६ वि. सं.

संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् [म. प्र.]

सागरिका

त्रैमासिकी



★

अष्टमे वर्षे तृतीयोऽङ्कः

★

संपादकः

डॉ० रामजी उपाध्यायः

संस्कृतविभागाध्यक्षः

सागर-विश्व-विद्यालये

सागरम् [म. प्र.]

वार्षिकं मूल्यम् ८ रु०]

[प्रत्यङ्कम २ रु०

प्रकाशिका :
संस्कृतपरिषद् सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् [म. प्र.]

देयम्

प्रत्यङ्कम्	२ रु०
वार्षिकम	८ रु०
सवस्त्रावरणवार्षिकचतुरङ्काणाम्	१० रु०
आजीवनग्राहकस्य	१०० रु०

चेकद्वारा प्रेष्येषु राशिषु रूप्यकमेकमधिकं योज्यम् ।

अङ्कप्रकाशनम्
आषाढाश्विन-पौष-चैत्र-मासेषु
[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च-मासेषु]
भवति

मुद्रक :
गीताधर्ममुद्रणालयः
मिश्रपोखरा,
वाराणसी–१

लेखसूची

			पृष्ठ
१	काशिकायां पाणिनीयेतरव्याकरणानां प्रभावः	श्रीमहेशदत्तशर्मा	१
२	मेघदूतानुशीलनम्	डॉ० रामजी उपाध्यायः	२२
३	मीमांसकाभिमतं देवतातत्त्वम्	श्रीरामप्रकाशदासः	४१
४	औचित्य-ध्वनि-विवेदकः	डॉ० रविशङ्करनागर	४६
५	कालिदासस्यवीररसानुशीलनम्	श्रीराघावल्लभत्रिपाठी	६१
६	शास्त्रिणो विद्याधरस्य व्यक्तित्वं कृतित्वश्च	श्रीदिवाकरशर्मा	६६
७	कुलशेखरस्य पद्मनाभशतकम्	कु० कृष्णाखरे	८३
८	संस्कृतसमीक्षासिद्धान्तानां प्रसङ्गानुकूलत्वम्	डॉ० रमाशङ्करचैतली	६१
९	ग्रन्थसमीक्षणम्		१०१

9-1970
.17

सागरिका

त्रैमासिकी

Sag-1970
091I

नवमे वर्षे प्रथमोऽङ्कः
२०२७



प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् [म. प्र.]

सागरिका

त्रैमासिकी



नवमे वर्षे प्रथमोऽङ्कः

संपादकः

डॉ० रामजी उपाध्यायः

सागरविश्वविद्यालये संस्कृतविभागाध्यक्षः

सागरम्

मूल्यम् ८ रु० वार्षिकम्]

[प्रत्यङ्क–२ रु०

प्रकाशिका :
संस्कृतपरिषद् सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् [म. प्र.]

देयम्

प्रत्यङ्कम्	२ रु०
वार्षिकम्	८ रु०
सवस्त्रावरणवार्षिकचतुरङ्काणाम्	१० रु०
आजीवनग्राहकस्य	१०० रु०

चेकद्वारा प्रेष्येषु राशिषु रूप्यकमेकमधिकं योज्यम् ।

अङ्कप्रकाशनम्
आषाढाश्विन-पौष-चैत्र-मासेषु
[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च-मासेषु]
भवति

मुद्रक :
गीताधर्ममुद्रणालयः
मिश्रपोखरा.
वाराणसी–१

लेखसूची

		पृ०
१. भोजदेवस्य ध्वनिसंबन्धिनो विचाराः	डॉ० रेवाप्रसादद्विवेदी	१-३२
२. साहित्यतत्त्वविमर्शः	डॉ० रेवाप्रसादद्विवेदी	३३-७५
३. कालिदासभारती–७	डॉ० रेवाप्रसादद्विवेदी	७६-८६
पं० गजाननरामचन्द्रकरमलकरशास्त्रिणो व्यक्तित्वं कृतित्वं च	श्रीराधावल्लभः त्रिपाठी	८७-१०८
५. अद्वैतवेदान्तेऽध्यासवादः	श्रीकेशवप्रसादपाठकः	१०९-११२

370
.4

सागरिका

संस्कृति-विशेषांकः

(नवमवर्षे)

Sag -1970
09/3,4



डा० रामजी उपाध्यायः

सागरिका

संस्कृति-विशेषांकः

(नवमवर्षे ३-४)



रामजी उपाध्यायः

अनुक्रमणिका

१.	आमुखम्	१–१५
२.	संस्कारः	१६–३२
३.	आश्रम-व्यवस्था	३३–८३
४.	सामाजिकसंस्थानम्	८४-१३५
५.	उपभोग्यानि	१३६–१७१
६.	व्यवसायाः	१७२–२०२
७.	मनोविनोदाः	२०३–२३१
८.	राजतन्त्रम्	२३२–२६५
९.	दार्शनिकप्रवृत्तयः	२६६–२८८
१०.	धार्मिकप्रवृत्तयः	२८९–३२६
११.	शिल्पसाधना	३२७–३५३
१२.	विज्ञानम्	३५४–३७३
१३.	काव्यसाधना	३७४–३८८
१४.	वैदेशिकोऽनुबन्धः	३८९–४०५
१५.	उपसंहारः	४०६
१६.	शब्दानुक्रमणिका	४०७–४११

विशेषाङ्कमूल्यम् अष्ट रूपकाः

प्रकाशिका :
सागरिका समितिः
विश्वविद्यालयः
सागरः

मुद्रक :
बाबूलाल जैन फागुल्ल
महावीर प्रेस
भेलूपुर, वाराणसी-१

Sag-1972
10/1

सागरिका

त्रैमासिकी

दशमवर्षे प्रथमाङ्कः
२०२८

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् [म. प्र.]

सागरिका

त्रैमासिकी

दशमवर्षे प्रथमाङ्कः

२०२८

संपादकः

डॉ० रामजी उपाध्यायः

सागरविश्वविद्यालये

संस्कृतविभागस्य प्राध्यापकाध्यक्षः

मूल्यं रु० ८-०० वार्षिकम्]　　[मू० प्रत्यङ्कं रु० २-००

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्
सागरविश्वविद्यालयः,
सागरम् [म० प्र०]

देयम्

प्रत्यङ्कम्	२ रूपकौ:
वार्षिकम्	८ रूपकाः
वस्त्रावरणसंहितवार्षिकचतुरङ्काणाम्	१० रूपकाः
आजीवनग्राहकस्य	१०० रूपकाः
अङ्कनिर्गमनम्	आषाढ-आश्विन-पौष-चैत्रमासेषु (जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च)

मुद्रकः
श्री शिवनारायण उपाध्यायः
नयासंसारमुद्रणालयः
भदैनी
बाराणसी-५

विषयसूची

१. आत्मनो विभुत्ववादो गौतमसम्मतः	डॉ० गजाननशास्त्री मुसलगाँवकरः	१
२. जयपुरे संस्कृतसाहित्यसंवर्धनम्	श्रीराधावल्लभत्रिपाठी	७
३. भारते शवस्य भूमिशयनं वा दाहो वा	श्रीशिवनारायणशास्त्री	३१
४. माधवीयनामानुक्रमणीपाठविचारः	श्रीशुचिव्रतोलक्ष्मणपालशास्त्री	३९
५. ज्ञानदेवस्य शब्दार्थविचारः	डॉ० दा० ल० अडोणी	५१
६. गुणविधेर्मत्वर्थलक्षणाभावविमर्शः	डॉ० रामशरणशास्त्री	६१
७. वर्णविषयिणी व्याकरणशास्त्रीया मान्यता	डॉ० गङ्गाराम पाण्डेयः	७९
८. कुमारसंभवरघुवंशयोः पौर्वापर्यम्	डॉ० रामजीउपाध्यायः	८५
९. गुमानिकवेः काव्यसाधना	श्रीजनार्दनशास्त्रीपाण्डेयः	९१
१०. महाकविर्मालवीयः तत्काव्यं च	श्रीरहसविहारीद्विवेदी	९७
११. पाणिनिप्रयुक्ता इच्छार्थकाः केचन शब्दाः	डॉ० जानकीप्रसादद्विवेदी	१०५

19-1971
L014

सागरिका

Sag-1971
1014

विश्वसंस्कृतसम्मेलनविशेषांकः

वि० सं० २०२९

सागरविश्वविद्यालयः, सागरम्

मध्यप्रदेशः [भारतम्]

सागरिका

त्रैमासिकी

[दशमवर्षे चतुर्थाङ्कः]

२०२९

विश्व-संस्कृतसम्मेलन-विशेषाङ्कः

संपादकः

डॉ० रामजी उपाध्यायः

सागरविश्वविद्यालये

संस्कृतविभागस्य प्राध्यापकाध्यक्षः

[भारतवर्षम्]

मूल्यं १० रूप्यकाणि

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्
सागरविश्वविद्यालयः,
सागरम् [म० प्र०]

देयम्

प्रत्यङ्कम्	३ रूपकाः
वार्षिकम्	१० रूपकाः
वस्त्रावरणसहितवार्षिचतुरङ्काणाम्	१२ रूपकाः
आजीवनग्राहकस्य	१५० रूपकाः
अङ्कनिर्गमनम्	आषाढ-आश्विन-पौष-चैत्र- (जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च) मासेषु

मुद्रकः
श्रीशिवनरायण उपाध्यायः
नयासंसारमुद्रणालयः
भदैनी
वाराणसी–५

अभिनन्दनम्

अस्मिन्नङ्के

१. छायानाटकम्	डा० रामजी उपाध्यायः	१
२. महाकविहरिचन्द्रस्य धर्मशर्माभ्युदयम्	श्रीपन्नालालः	६
३. पद्यद्वयमीमांसा	श्रीसुदर्शन शर्मा	३७५
४. मेघदूतेऽभिव्यक्तिदोषाः	डॉ० रेवाप्रसादद्विवेदी	३८३
५. कालिदासस्य काव्ये राष्ट्रियभावना सांस्कृतिकचेतना च	डॉ० कैलाशनाथद्विवेदी	३९७
६. भारतीयदर्शनानि तेषामाविर्भावक्रमश्च	म.म. गिरधरशर्मा चतुर्वेदी	४०३
७. भवभूतिनाटकेषु कालप्रियनाथः	म.म. डॉ० वा० वि. मिराशी	४३७
८. मध्यप्रदेशीयसंस्कृतसाहित्यसंवर्धनम्	डॉ०श्रीमतीवनमालाभवालकरः	४४१
९. आचार्यरामचन्द्रशुक्लानां रस-विमर्शविवेकः	डॉ० बच्चूलालः अवस्थी	४६७
१०. वाल्मीकेर्गोत्रं स्वभावः समयश्च	डॉ० पुरुषोत्तमलालभार्गवः	४७५
११. भगवतो बुद्धस्य चत्वारि आर्यसत्यानि	कु० विमला कर्नाटकः	४७९
१२. अक्षरविवेचने ऋकारलृकारौ	श्रीविश्वनाथमिश्रः	४८५
१३. आधुनिके युगे तर्कशास्त्रस्य परमोपयोगिता	डॉ० गजाननशास्त्री मुसलगाँवकरः	४९१
१४. अपभ्रंशभाषा	डॉ० देवेन्द्रकुमारशास्त्री	४९९
१५. रसगङ्गाधरे रत्नाकरस्य सन्दर्भाः	विहारिलाल शर्मा	५११
१६. कालिदासस्योपमा बिम्बश्च	अयोध्याप्रसादद्विवेदी	५१७
१७. सागरविश्वविद्यालये संस्कृतसेवा	डा० रामजी उपाध्यायः	५२९
१८. सागरिकायां १० वर्षैः प्रकाशिता लेखाः		

———

2972
11

सागरिका

त्रैमासिकी

Sag-1972
11/1

एकादशे वर्षे प्रथमोऽङ्कः

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद् सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् [म० प्र०]

सागरिका

त्रैमासिकी

एकादशे वर्षे प्रथमोऽङ्कः

२०२९

संपादकः

डॉ० रामजी उपाध्यायः

सागरविश्वविद्यालये

संस्कृतविभागस्य प्राध्यापकाध्यक्षः

मूल्यं रु० १०-०० वार्षिकम्] [मू० रु० ३-०० प्रत्यङ्कम्

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्
सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् [म० प्र०]

देयम्

प्रत्यङ्कम् ३–०० रूप्यकाणि
वार्षिकम् १०–०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य १५०–०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः प्रतिवर्षं आषाढा-श्विन-पौष-चैत्र-
[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च-] मासेषु

सूच्यम् : आजीवनग्राहकेभ्यः सागरिकायाः प्राचीना अपि सर्वेऽङ्काः सवस्त्र-पुटबन्धा निश्शुल्कमुपह्रियेरन् ।

मुद्रकः
अरुण प्रेस,
तिलभाण्डेश्वर,
वाराणसी

विषय-सूची

१. उपमोत्प्रेक्षाकलकलः	श्री केदारनाथ ओझा	१
२. रूपके दृश्यसूच्यानुसंधानम्	डा० रामजी उपाध्यायः	१३
३. इस्लामधर्मानुयायिनां संस्कृतसेवा	डा० श्रीमती वनमाला भवालकरः	१७
४. संस्कृतरूपकेषु एकोक्तिः	डा० रामजी उपाध्यायः	२७
५. श्रीमहेश्वरानन्दस्वामिनां स्तोत्राणि	डा० कामेश्वरनाथ मिश्रः	३३
६. आनन्दवर्द्धनमते भावयित्र्याः स्वरूपम्	डा० राममूर्ति त्रिपाठी	४१
७. कारकीया विवक्षा	डा० जानकीप्रसाद द्विवेदः	४३
८. प्रकाश्यमानाः संस्कृतपत्रपत्रिकाः	य० कृष्णशर्मा	४९
९. संस्कृतसाहित्येऽभिनवोन्मेषः	श्रीराधावल्लभः त्रिपाठी	८७
१०. लौकिकसंस्कृतस्य प्राकृतत्वम्	डा० देवेन्द्रकुमार शास्त्री	१०५
११. ग्रन्थसमीक्षणम्	श्री वैनयिकः	१११

-1992

सागरिका

त्रैमासिकी

549-1972
11/2

एकादशे वर्षे द्वितीयोऽङ्कः

प्रकाशिका

संस्कृतपरिषद् सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् [म० प्र०]

सागरिका

त्रैमासिकी

एकादशे वर्षे द्वितीयोऽङ्कः
२०२९

संपादकः
डॉ० रामजी उपाध्यायः
सागरविश्वविद्यालये
संस्कृतविभागस्य प्राध्यापकाध्यक्षः

[मूल्यं रु० १०–०० वार्षिकम्]　　[मू० रु० ३–०० प्रत्यङ्कम्

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्
सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् [म० प्र०]

देयम्

प्रत्यङ्कम्	३–०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१०–०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	१५०–०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षं आषाढा-श्विन-पौष-चैत्र- [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्चं-] मासेषु

सूच्यम् : आजीवनग्राहकेभ्यः सागरिकायाः प्राचीना अपि सर्वेऽङ्काः सवस्त्र-पुटबन्धा निश्शुल्कमुपह्रियेरन् ।

मुद्रकः
अरुण प्रेस,
तिलभाण्डेश्वर,
वाराणसी

विषय-सूची

१.	बौद्धवैष्णवयोर्भक्तिसाम्यम्	श्री जगन्नाथ उपाध्यायः	११३
२.	छलितरामस्य कृत्यारावणस्य च नाम्नी	डा० रामजी उपाध्यायः	१२१
३.	कालिदासस्य चान्द्रबिम्बाः	प्रा० अयोध्याप्रसाद द्विवेदी	१२५
४.	काव्ये लक्षणा	श्री शिवदत्त चतुर्वेदः	१४३
५.	श्रुतिसर्वस्वं रघुवंशम्	डा० अमरनाथ पाण्डेयः	१५३
६.	काव्यबोधेऽनुकृतिवादः	डा० बच्चूलालः अवस्थी	१५९
७.	सुधीसुधानिधे रुक्मिणीहरणम्	प्रा० रहसविहारी द्विवेदी	१६९
८.	संस्कृतोच्चारणे दोषा गुणाश्च	डा० गङ्गाराम पाण्डेयः	१८३
९.	वेणीसंहारनाटकस्य नायकः	डा० रमाशङ्कर त्रिपाठी	१९७
१०.	भाषायाः प्रयोजनं रूपञ्च	डा० श्रीनारायणमिश्रः	२०३
११.	अर्कसोमयाजी	श्री जयप्रसादवार्ष्णेयः	२०९
१२.	भास-नाटकेषु समुदाचारः	सुश्री-गायत्री देव	२१५
१३.	योगशास्त्रविषये किञ्चिन्निवेदनम्	कु० विमला कर्नाटकः	२२३

9-1972
.13

सागरिका

त्रैमासिकी

549-1972
II/3

एकादशे वर्षे तृतीयोऽङ्कः

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद् सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् [म०प्र०]

सागरिका

त्रैमासिकी

एकादशे वर्षे तृतीयोऽङ्कः

२०२९

संपादकः

डॉ रामजी उपाध्यायः

सागरविश्वविद्यालये

संस्कृतविभागस्य प्राध्यापकाध्यक्षः

मूल्यं रु० १०-०० वार्षिकम्] [मू० रु० ३-०० प्रत्यङ्कम्

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्
सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् [म० प्र०]

देयम्

प्रत्यङ्कम्	३–०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१०–०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	१५०–०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम् आषाढ़ा-श्विन-पौष-चैत्र- [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च-] मासेषु

सूच्यम् : आजीवनग्राहकेभ्यः सागरिकायाः प्राचीना अपि सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धा निश्शुल्कमुपहियेरन् ।

मुद्रकः
रमापति प्रेस
जंगमबाड़ी,
वाराणसी ।

विषय-सूची

१. अप्राप्त-संस्कृतरूपकाणि	डा० रामजी उपाध्यायः	२२५
२. राजशेखरवर्णितो विवाहविधिः	डा० राधावल्लभः त्रिपाठी	२६५
३. लौकिकच्छन्दःसु वैदिकच्छन्दसां प्रभावः	डा० पारसनाथद्विवेदी	२६९
४. पुराण-समीक्षा	श्रीमती कमला पाण्डेयः	२७३
५. स्फोटप्रकाशः	श्रीचन्द्रभानुत्रिपाठी	२८३
६. इन्दुमतीस्वयंवरप्रसङ्गविश्लेषणम्	डा० अमरनाथपाण्डेयः	२८९
७. मीमांसादर्शने मोक्षः	डा० गजाननशास्त्री	२८५
८. संगीतं काव्यञ्च	डा० सुभद्राचौधरी	२९८
९. चार्वाकसिद्धान्ताः	डा० विमला कर्नाटकः	३०५
१०. लोके संज्ञानां व्यवहारः	डा० जानकीप्रसादद्विवेदः	३०९
११. पण्डितराजश्रीसोमनाथशर्मा	श्रीडिल्लीरामः तिमसिनिया	३१५
१२. आन्ध्रभाषायां संस्कृतभाषायाः प्रभावः	कालूरि हनुमन्तरावः	३२१
१३. काव्यसंस्तवः	श्रीरहसविहारी द्विवेदी	३२५
१४. शोधनवनीतम्	डा० राधावल्लभः त्रिपाठी	३३१
१५. काशी सागरिकामभिनन्दति		३३५

9.1972
L14

सागरिका

त्रैमासिकी

549-1972
77/4

एकादशे वर्षे चतुर्थोऽङ्कः

प्रकाशिका

संस्कृतपरिषद् सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् [म० प्र०]

सागरिका

त्रैमासिकी

एकादशे वर्षे चतुर्थोऽङ्कः

२०२९

सम्पादकः

डॉ० रामजी उपाध्यायः

सागरविश्वविद्यालये

संस्कृतविभागस्य वरिष्ठप्राध्यापकाध्यक्षः

मूल्यं रु० १०-०० वार्षिकम्] [मू० रु० ३-०० प्रत्यङ्कम्

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्
सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् [म० प्र०]

देयम्

प्रत्यङ्कम्	३—०० रुप्यकाणि
वार्षिकम्	१०—०० रुप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	१५०—०० रुप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षं अषाढा-श्विन-पौष-चैत्र [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च-]-मासेषु

सूच्यम् : आजीवनग्राहकेभ्यः सागरिकायाः प्राचीना अपि सर्वेऽङ्काः सवस्त्र पुटबन्धा निश्शुल्कमुपहियेरन् ।

मुद्रकः
बैजनाथ जायसवाल
अरुण प्रेस,
बी १७/२ तिलभाण्डेश्वर,
वाराणसी

विषय-सूची

१. कवी रसं स्वदते न वा	डा० रेवाप्रसादद्विवेदी	३३७
२. काव्यीया दुरूहता	डा० जनार्दन उपाध्यायः	३४७
३. रसनिष्पत्तेः शास्त्रीयं विवेचनम्	कु० विमला कर्णाटकः	३५७
४. श्रीमदमर्सिंहप्रणीतं नामलिङ्गानुशासनम्	डा० गजाननशास्त्री-मुसलगांवकरः	३६७
५ ऊनविंशतकस्य संस्कृतमहाकाव्यानि	श्रीकन्हैयापाण्डेयः	३७७
६ प्रकाश्यमानाः संस्कृतपत्रिका	य० कृष्णशर्मा	३९५
७. प्राचीननगरी कालपी	डा० कैलाशनाथद्विवेदी	४०५
८. व्याकरणदर्शने आख्यातार्थ-मीमांसा	श्रीकेशवप्रसादपाठकः	४११
९. साहित्यशास्त्रे गुणतत्त्वविमर्शः	डा० रविशङ्करनागरः	४१५
१०. रत्नावलीपद्यविवक्षा	डा० सुदर्शनशर्मा	४२५
११. संस्कृत-महाकवीनां काव्यतत्त्व-दर्शनम्	डा० राधावल्लभत्रिपाठी	४३७
१२. ग्रन्थसमीक्षणम्	डा० राधावल्लभत्रिपाठी	४५५

1973
1,2

सागरिका

त्रैमासिकी

Sag-1973
12/1,2

त्रयोदशे वर्षे प्रथमोऽङ्कः

२०३१

कालिदासविशेषाङ्क (१२।१-२) परिशिष्टम्



संपादकः

डॉ० रामजी उपाध्यायः

सागरविश्वविद्यालये

संस्कृतविभागस्य प्राध्यापकाध्यक्षः

प्रकाशकः

संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् (म० प्र०)

मूल्यं रु० १०-०० वार्षिकम्]

[मू० रु० ३-०० प्रत्यङ्कम्

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्
सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

देयम्

प्रत्यङ्कम्	३–०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१०–०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	१५०–०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम् आषाढा-श्विन-पौष-चैत्र- [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च-] मासेषु

सूच्यम् : आजीवनग्राहकेभ्यः सागरिकायाः प्राचीना अपि सर्वेऽङ्का सवस्त्र-पुटबन्धा निश्शुल्कमुपह्रियेरन् ।

मुद्रक
विद्याविलास प्रेस
के. ३७/१०८, गोपाल मन्दिर लेन
वाराणसी–२२१००१ (उ० प्र०)
फोन ५२९३९

विषय-सूची

१. सौन्दर्यशास्त्री महाकविः कालिदासः	डॉ० रसिकविहारी जोशी	१
२. शाकुन्तलस्य नाटचशास्त्रीयानुशीलनम्	डॉ०श्रीमती वनमाला भवालकरः	१७
३. कालिदासस्य दार्शनिकभूमिका	डॉ० राधावल्लभ-त्रिपाठी	६१
४. भारविः कालिदासमनुसरति	डॉ० अमरनाथ-पाण्डेयः	७०
५. कालिदासीयरूपकेषु समुदाचारसमुन्मेषः	कु० गायत्री देवः	७५
६. महाकविकालिदासस्य दार्शनिकदृष्टिः	पं० केदारनाथ-त्रिपाठी	८५
७. कालिदासीयो बिम्ब-विन्यासः	डॉ० जनार्दन उपाध्यायः	९१
८. कालिदासस्य शब्दयोजना	पं० शिवदत्त-शर्मा चतुर्वेदः	१०१
९. रघुवंशत्रयोदशे नर्मनिकषः	डा० भास्कराचार्य त्रिपाठी	१०५
१०. अस्मदीयम्	डॉ० रामजी उपाध्यायः	१०९
११. ग्रन्थ-समीक्षा		११३

1973
3

सागरिका

त्रैमासिकी

549-1973
12/3



द्वादशे वर्षे तृतीयोऽङ्कः

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् [म० प्र०]

सागरिका

त्रैमासिकी

द्वादशे वर्षे तृतीयोऽङ्कः

२०२६

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

सम्पादकः

डॉ० रामजी उपाध्यायः

सागरविश्वविद्यालये

संस्कृतविभागस्य वरिष्ठप्राध्यापकाध्यक्षः

मूल्यं रु० १०–०० वार्षिकम्] [मू० रु० ३–०० प्रत्यङ्कम्

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्
सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् [म० प्र०]

देयम्

प्रत्यङ्कम्	३–०० रुप्यकाणि
वार्षिकम्	१०–०० रुप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	१५०–०० रुप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षं अषाढा-श्विन-पौष-चैत्र [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च-:]-मासेषु

सूच्यम् : आजीवनग्राहकेभ्यः सागरिकायाः प्राचीना अपि सर्वेऽङ्काः सवस्त्र-पुटबन्धा निश्शुल्कमुपह्रियेरन् ।

मुद्रकः
बैजनाथ जायसवाल
अरुण प्रेस,
तिलभाण्डेश्वर,
वाराणसी

विषय-सूची

१.	बौद्धवैष्णवयोर्भक्तिदर्शन-साम्यम्	प्रा० जगन्नाथ उपाध्यायः	२२५
२.	संघरक्षितः, तदीयः सुबोधालंकारश्च	डा० ब्रह्ममित्रः अवस्थी	२३३
३.	अकथिताकर्मकशब्दौ	डा० जानकीप्रसादद्विवेदी	२३९
४.	लक्षणावृत्तिः	श्रीवायुनन्दनपाण्डेयः	२४५
५.	नैषधे गर्भसन्धिः	डा० सुषमा कुलश्रेष्ठः	२६१
६.	भारवेर्जीवनदृष्टिः	डा० राधावल्लभः त्रिपाठी	२७५
७.	नन्दिकेश्वरस्य नाट्यशास्त्रे योगदानम्	डा० पारसनाथद्विवेदी	२८५
८.	पारिजातहरणपर्यालोचनम्	श्रीमती कमलापाण्डेयः	३०३
९.	उपपुराणादीनां पर्यालोचनम्	श्रीकृष्णमणित्रिपाठी	३२१
१०.	कालिदासस्यादर्शः समाजवादश्च	डा० नन्हेप्रसादद्विवेदी	३३१

-1973
14

सागरिका

बैमासिकी

Sag -1973
22/4

द्वादशे वर्षे चतुर्थोऽङ्कः



प्रकाशिका

संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् (म० प्र०)

सागरिका

त्रैमासिकी

द्वादशे वर्षे चतुर्थोऽङ्कः

२०३१



संपादकः

डॉ० रामजी उपाध्याय

सागरविश्वविद्यालये

संस्कृतविभागस्य प्राध्यापकाध्यः

प्रकाशकः

संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् (म० प्र०)

मूल्यं रु० १०-०० वार्षिकम्]

[मू० रु० ३-०० प्रत्यङ्कम्

प्रकाशिका
संस्कृतपरिषद्
सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

देयम्

प्रत्यङ्कम्	३–०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१०–०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	१५०–०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम् आषाढा-श्विन-पौष-चैत्र- [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च-] मासेषु

सूच्यम् : आजीवनग्राहकेभ्यः सागरिकायाः प्राचीना अपि सर्वेऽङ्का सवस्त्र-पुटबन्धा निश्शुल्कमुपहियेरन् ।

मुद्रक
विद्याविलास प्रेस
के. ३७/१०८, गोपाल मन्दिर लेन
वाराणसी–२२१००१ (उ० प्र०)
फोन ५२९३९

विषय-सूची

१. त्रयोदशसंस्कृत-रूपकाणां भासकर्तृत्वे शङ्का	रसिकविहारी जोशी	३३७
२. महाकवेर्बाणभट्टस्य रचनाचातुरी	रसिकविहारी जोशी	३६९
३. भासनाटचस्य कतिपयवैशिष्ट्यानि	रामजी उपाध्यायः	३८५
४. नवीनं खगोलीयशास्त्रम् विश्वरूपञ्च	B. अर्कसोमयाजी	३९३
५. मूलाविद्या भाष्यवार्तिकसंमता	श्री. के० कृष्णजोयिसरः	४००

Sag-1975
14/1

Sag-1975
14/1

सागरिका

त्रैमासिकी

चतुर्दशवर्षे प्रथमाङ्कः

फा॰ सं॰ 2032



प्रकाशिका

संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् (म॰ प्र॰)

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

देयम्

प्रत्यङ्कम् ३-०० रूप्यकाणि
वार्षिकम् १०-०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य १५०-०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः प्रतिवर्षम् आषाढाश्विन-पौष-चैत्र-
[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च-] मासेषु

सूच्यम् : आजीवनग्राहकेभ्यः सागरिकायाः प्राचीना अपि सर्वेऽङ्काः सवस्त्र-पुटबन्धा निश्शुल्कमुपह्रियेरन् ।

मुद्रकः
विद्याविलास प्रेस
के. ३७/१०९, गोपाल मन्दिर लेन
वाराणसी-२२१००१ (उ० प्र०)
फोन ५२९३९

विषय-सूची

१. श्रीकण्ठचरितस्य रचनाकालः	श्रीबंकिमचन्द्रमण्डलः	१
२. रसतत्त्वम्	श्रीबालशास्त्री	९
३. सांख्यदर्शनस्य प्रयोजनम्	ठाकुरदत्तजोशी	१९
४. शुद्धाद्वैतवेदान्ते ज्ञानविमर्शः प्रमाणमीमांसा च	डा० राधारानी सुखवालः	२९
५. वसुमतीपरिणयम्	डा० रामजी उपाध्यायः	६३
६. पञ्चमहाकाव्येषु चन्द्रः	डा० श्रीमती वनमाला-भवालकरः	६९
७. ययातिवादः	जगद्गुरुशङ्कराचार्यश्रीमन्महेश्वरानन्दसरस्वतीपादाः	१०५

549-1975
4/3

सागरिका

त्रैमासिकी

549-1975
14/3

चतुर्दशवर्षे तृतीयोऽङ्क

वि.सं.2032



संपादकः

डॉ० रामजी उपाध्यायः

सागरविश्वविद्यालये

संस्कृतविभागस्य प्राध्यापकाध्यक्षः

प्रकाशकः

सागरिका-समितिः, सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् (म० प्र०)

मूल्य रु० १०-०८ वार्षिकम्] [मू० रु० ३-०० प्रत्यङ्कम्

सागरिका

त्रैमासिकी

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

चतुर्दशवर्षे प्रथमाङ्कः

संपादकः

डॉ० रामजी उपाध्यायः

सागरविश्वविद्यालये

संस्कृतविभागस्य प्राध्यापकाध्यक्षः

प्रकाशकः

संस्कृतपरिषद्, सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् (म० प्र०)

मूल्य रु० १०–०० वार्षिकम्]　　[मू० रु० ३–०० प्रत्यङ्कम्

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

देयम्

प्रत्यङ्कम्	३-०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१०-०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	२००-०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम् आषाढाश्विन-पौष-चैत्र- [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च-] मासेषु

सूच्यम् : आजीवनग्राहकेभ्यः सागरिकायाः प्राचीना अपि सर्वेऽङ्काः सवस्त्र-पुटबन्धा निश्शुल्कमुपह्रियेरन् ।

मुद्रक :
विद्याविलास प्रेस
के. ३७/१०९, गोपाल मन्दिर लेन
वाराणसी-२२१००१ (उ० प्र०)
फोन ५२९३९

विषय-सूची

१. कातन्त्रव्याकरणे चर्करीत-(यङ्लुक्) प्रयोगविचारः	डॉ० जानकीप्रसादद्विवेदी	२२५
२. शाकुन्तलीयं पद्यमेकम्	डॉ० राधावल्लभः त्रिपाठी	२३३
३. महाभारतीयानि तीर्थानि	श्री इन्द्रमोहनसिंहः	२४१
४. संस्कृतनाट्यं नृत्यञ्च	सुश्री अनूपा देवी	२५१
५. अष्टादशशतकस्य संस्कृतरूपकाणि	श्रीरविनन्दनत्रिपाठी	२५५
६. अष्टादशशतकस्यान्येषां रूपकाणां परिचयः	श्रीरविनन्दनत्रिपाठी	३०५
७. भाषावैज्ञानिकगुरुः महर्षियास्कः	डॉ० गजाननशास्त्री मुसलगाँवकरः	३२५
८. मुक्तितत्त्वविमर्शः	सुधांशुशेखरशास्त्री	३३३
९ वेदानां सामवेदोऽस्मि	परड्डी मल्लिकार्जुनः	३३९
१०. प्राकृते नाटकचर्चा नट्धातुश्च	कपिलदेवगिरिः	३४३

-1976
514

सागरिका

S49-1976
15/4

पञ्चदशवर्षे अङ्कः चतुर्थः

सम्पादकः
डॉ० रामजी उपाध्यायः
सागरविश्वविद्यालये
संस्कृतविभागस्य प्राध्यापकाध्यक्षः



प्रकाशकः
सागरिका-समितिः, सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)
फोन :२७०९

सागरिका

पञ्चदशवर्षे अङ्कः चतुर्थः



सम्पादकः

डॉ० रामजी उपाध्यायः

सागरविश्वविद्यालये

संस्कृतविभागस्य प्राध्यापकाध्यक्षः

प्रकाशकः

सागरिका-समितिः, सागरविश्वविद्यालयः

सागरम् (म० प्र०)

प्रकाशिका
सागरिका–समितिः
सागरविश्वविद्यालयः
सागरम् (म० प्र०)

देयम्

प्रत्यङ्कम्	३–०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१०–०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	२००–०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम् आषाढाश्विन-पौष-चैत्र- [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च-] मासेषु

सूच्यम् : आजीवनग्राहकेभ्यः सागरिकायाः प्राचीना अपि सर्वेऽङ्काः सवस्त्र-पुटबन्धा निश्शुल्कमुपहिर्येरन् ।

मुद्रकः
विद्याविलास प्रेस
के. ३७/१०९, गोपालमन्दिर लेन
बाराणसी–२२१००१ (उ० प्र०)
फोन ५२९३९

विषय-सूची

१. अन्नदाचरणस्य कृतित्वम्	डॉ० राधावल्लभः त्रिपाठी	११५
२. संस्कृत-वृत्तम्	डॉ० राधावल्लभः त्रिपाठी	१२३
३. कालिदासरूपकेषु नान्दिश्लोकाः	कु० कुसुम भूरिया	१२९
४. मेघदूते नगरीचित्रम्	श्रीविश्वनाथ मुखोपाध्यायः	१३३
५. पञ्चीकरण-प्रकारः	बाबूलाल शर्मा	१३७
६. सप्तदशशतकस्य संस्कृतरूपकाणि	रविनन्दन त्रिपाठी	१४१
७. सप्तदशशताब्द्या अपराणि रूपकाणि	,,	१८३
८. इन्दुराजस्य काव्यतत्त्वविवेचनं इन्दुराजयोरैक्यञ्च	डॉ० दशरथ द्विवेदी	१९१
९. प्राध्यापकानां प्रकाशिताः कृतयः		२११
१०. सागरिका–लेखानुक्रमणिका (प्रथमवर्षतः पंचदशवर्षपर्यन्तम्)		२१७

-1980
549 - 1980
19/4

सागरिका

ऊनविंश-वर्षे चतुर्थोऽङ्कः

२०३७ विक्रम-संवत्सरे

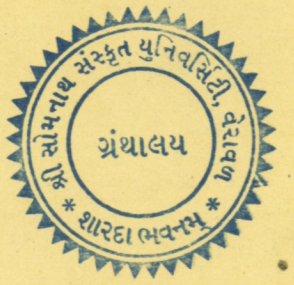

प्रकाशकः

सागरिका-समितिः, गौरनगर

सागर (म० प्र०)

सागरिका

ऊनविंश-वर्षे चतुर्थोऽङ्कः

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

सम्पादकः

डॉ० रामजी उपाध्यायः (प्रधानः)
डॉ० राधावल्लभ त्रिपाठी
डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी
डॉ० रामगोपाल मिश्रः

व्यवस्था-कार्यालयः
सागरिका-समितिः,
गौरनगर
सागर (म० प्र०)

सम्पादन-कार्यालयः
भारतीय-संस्कृति-संस्थान
नारीबारी
इलाहाबाद

डा० राधावल्लभ त्रिपाठी
अध्यक्षः
सागरिका-समितिः
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्	४.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१५.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः	
Cloth BoundVols.	५००.०० रूप्यकाणि
वर्षे १-५ प्रत्यङ्कम्	७.००रूप्यकाणि
वर्षे ६-१० ,,	६.०० रूप्यकाणि
वर्षे ११-१५ ,,	५.० रूप्यकाणि
वर्षे १६-१९ ,,	४.०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम् आषाढाश्विन-पौष-चैत्र मासेषु
	[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च

मुद्रकः
हनुमान मुद्रण यन्त्र
पियरीकलाँ वाराणसी

विषयानुक्रमणिका

क्रमाङ्काः	लेखाः लेखकाश्च	पृष्ठाङ्काः
१	व्यञ्जनाविषये राजशेखरः — डॉ० रेवा प्रसादः द्विवेदी	१–७
२	काव्ये वाच्चार्थव्यतिरेकः — डॉ० राममूर्त्ति त्रिपाठी	८–१२
३	राष्ट्रस्य शिक्षानीतौ संस्कृतस्य स्थानम् — डॉ० प्रभुदयाल अग्निहोत्री	१३–२३
४	वाल्मीकेर्वर्णरचनाप्रकर्षः — डॉ० श्री अयोध्याप्रसादः द्विवेदी	२३–३१
५	सूत्रधारः एको वा द्वावपि वा — ओम्प्रकाशराजपाली	३२–३४
६	कालदासीया दायव्यवस्था — कु० सुशीला वत्स शोधछात्रा	३५–३६
७	सप्तदशशताब्दिक–संस्कृतमहाकाव्यानि– — श्री रामलखनपाण्डेयः	३९–४६
८	आद्यशंकराचार्यस्य तर्कगवेषणा — गणेशीलालः सुथारः	४६–५५
९	भासस्य वारिणकबिम्बानि — डॉ० अयोध्या प्रसाद द्विवेदी	५६–६१
१०	दशरूपकावलोकयोः समीक्षा– — रामलखनपाण्डेयः	६२–७१
११	ग्रन्थ समीक्षणम् — डॉ० राधावल्लभः, क्षेत्रवासी च	७२–८०
१२	महाराष्ट्र-पतञ्जलिः — पण्डित दीवि श्रीनिवासदीक्षितः	८१–८५
१३	वैदिक साहित्ये अश्विनौ — डॉ नेति अनन्तरामशास्त्री	८६–८८

1987
1

सागरिका

549-1981
20/1

•

विंश-वर्षे प्रथमोऽङ्कः

२०३८ विक्रम-संवत्सरे

•

प्रकाशकः
सागरिका-समितिः, गौरनगर
सागरम् (म० प्र०)

सागरिका

विंश-वर्षे प्रथमोऽङ्कः
२०३८ विक्रम संवत्सरे

१
६
१४
२२
३७
५०
६२
६८
७६
८१
८५
८८

सम्पादकाः

डा० रामजी उपाध्यायः (प्रधानः)
डा० रेवा प्रसादः द्विवेदो
डा० राधावल्लभः त्रिपाठी
डा० रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
१२/११५, भेलूपुर, वाराणसी

संस्थापिका प्रचारिका च-
सागरिका समितिः
गौरनगरम्, सागरम् ४७०००३ (म० प्र०)

देयम्

प्रत्यङ्कम्	४·०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१५·०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	२००·०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः (Cloth Bound Vols.)	५००·०० रूप्यकाणि
आजीवन-ग्राहकाणां कृते सर्वेऽङ्काः	२००·०० रूप्यकाणि
वर्षे १-५ प्रत्यङ्कम्	७·०० रूप्यकाणि, वार्षिकाङ्कः ३५·०० रूप्यकाणि, वार्षिकाङ्काः
वर्षे ६-१० ,,	६·०० रूप्यकाणि ३०·०० रूप्यकाणि, वार्षिकाङ्काः
वर्षे ११-१५ ,,	५·०० रूप्यकाणि २५·०० रूप्यकाणि, वार्षिकाङ्काः
वर्षे १६-१८ ,,	४·०० रूप्यकाणि २०·०० रूप्यकाणि, वार्षिकाङ्काः
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम् आषाढ़ाश्विन-पौष-चैत्र [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च] मासेषु

पत्रव्यवहारः शुल्कप्रेषणं च सागरिका-समितिः, गौरनगरम्, सागरम् ४७०००३ इति संकेतेन विधेयम् ।

मुद्रक :
एकेडमी प्रेस
दारागंज, प्रयाग

विषय-सूची

संस्कृत साहित्य-वैशिष्ट्यम् १
डॉ० विद्यानिवास मिश्रः
राजचूडामणि दीक्षितस्य महाकाव्य-द्वयम् ६
रामलखन पाण्डेय
संस्कृतरूपकेषु पताकास्थानकम् १४
क्षेत्रवासी पण्डा
सप्तदशशताब्दे: संस्कृतमहाकाव्यानि २२
रामलखन पाण्डेय
भट्ट श्रीमथुरानाथ शास्त्रिणो व्यक्तित्वं कृतित्वं च ३७
विन्ध्येश्वरी प्रसाद मिश्रः
सूत्रपूर्वं न्यायशास्त्रम् न्यायसूत्रकारश्च ५०
कु० नवलता
अभिज्ञान शाकुन्तलस्य नाट्यशास्त्रीयमनुशीलनम् ६२
रामजी उपाध्यायः
डॉ० वेङ्कटरामराघवस्योपलब्धयः ६८
आशा सरवटे
भाणेऽभिनयो लास्याङ्गानि च ७६
रामजी उपाध्यायः
विशाखदत्तस्य अर्थशास्त्रोपजीव्यत्वम् ८१
सनत्कुमारः
रसविषये कुन्तकः ८५
परमानन्द मिश्रः
ग्रन्थ समीक्षणम् ८८

———

1987
1

सागरिका

549-1981
20/1

•

विंश-वर्षे प्रथमोऽङ्कः

२०३८ विक्रम-संवत्सरे

•

प्रकाशकः
सागरिका-समितिः, गौरनगर
सागरम् (म० प्र०)

सागरिका

विंश-वर्षे प्रथमोऽङ्कः
२०३८ विक्रम संवत्सरे

१
६
१४
२२
३७
५०
६२
६८
७६
८१
८५
८८

सम्पादकाः

डा० रामजी उपाध्यायः (प्रधानः)
डा० रेवा प्रसादः द्विवेदो
डा० राधावल्लभः त्रिपाठी
डा० रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
१२/११५, भेलूपुर, वाराणसी

संस्थापिका प्रचारिका च-
सागरिका समितिः
गौरनगरम्, सागरम् ४७०००३ (म० प्र०)

देयम्

प्रत्यङ्कम्	४·०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१५·०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	२००·०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः (Cloth Bound Vols.)	५००·०० रूप्यकाणि
आजीवन-ग्राहकाणां कृते सर्वेऽङ्काः	२००·०० रूप्यकाणि
वर्षे १-५ प्रत्यङ्कम्	७·०० रूप्यकाणि, वार्षिकाङ्कः ३५·०० रूप्यकाणि, वार्षिकाङ्काः
वर्षे ६-१० ,,	६·०० रूप्यकाणि ३०·०० रूप्यकाणि, वार्षिकाङ्काः
वर्षे ११-१५ ,,	५·०० रूप्यकाणि २५·०० रूप्यकाणि, वार्षिकाङ्काः
वर्षे १६-१८ ,,	४·०० रूप्यकाणि २०·०० रूप्यकाणि, वार्षिकाङ्काः
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम् आषाढ़ाश्विन-पौष-चैत्र [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च] मासेषु

पत्रव्यवहारः शुल्कप्रेषणं च सागरिका-समितिः, गौरनगरम्, सागरम् ४७०००३ इति संकेतेन विधेयम् ।

मुद्रक :
एकेडमी प्रेस
दारागंज, प्रयाग

विषय-सूची

संस्कृत साहित्य-वैशिष्ट्यम् १
डॉ० विद्यानिवास मिश्रः
राजचूडामणि दीक्षितस्य महाकाव्य-द्वयम् ६
रामलखन पाण्डेय
संस्कृतरूपकेषु पताकास्थानकम् १४
क्षेत्रवासी पण्डा
सप्तदशशताब्दे: संस्कृतमहाकाव्यानि २२
रामलखन पाण्डेय
भट्ट श्रीमथुरानाथ शास्त्रिणो व्यक्तित्वं कृतित्वं च ३७
विन्ध्येश्वरी प्रसाद मिश्रः
सूत्रपूर्वं न्यायशास्त्रम् न्यायसूत्रकारश्च ५०
कु० नवलता
अभिज्ञान शाकुन्तलस्य नाट्यशास्त्रीयमनुशीलनम् ६२
रामजी उपाध्यायः
डॉ० वेङ्कटरामराघवस्योपलब्धयः ६८
आशा सरवटे
भाणेऽभिनयो लास्याङ्गानि च ७६
रामजी उपाध्यायः
विशाखदत्तस्य अर्थशास्त्रोपजीव्यत्वम् ८१
सनत्कुमारः
रसविषये कुन्तकः ८५
परमानन्द मिश्रः
ग्रन्थ समीक्षणम् ८८

———

सागरिका

एकविंशवर्षे

प्रथमोऽङ्कः

विक्रम-संवत्सरे २०३९

सम्पादकाः

डा० रामजी उपाध्यायः (प्रधानः)

डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी

डा० राधावल्लभः त्रिपाठी

डा० रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी,

वाराणसी-५ (B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च
सागरिका-समितिः
गौरनगर, सागर

मुद्रकः
देववाणी प्रेस
बड़ी मलदहिया, सी. ३०/३६
वाराणसी

विषय-सूची

विषय	लेखकः	पृष्ठ-संख्या
१. इटावाजनपदे विरचितं संस्कृत-साहित्यम्	डॉ० कैलासनाथ द्विवेदी	१–२२
२. अधुना बाणस्य प्रासंगिकता	डॉ० वनेश्वर पाठक	१३–१७
३. महाभारते छायातत्त्वम्	डॉ० रामजी उपाध्याय	१९–३०
४. पाणिनिसमये प्रकृतिः	गोपबन्धु मिश्रः	३१–३३
५. शब्दशास्त्रे संज्ञापदार्थः संज्ञाज्ञानस्य नान्तरीयकत्वम्	डॉ० जानकी प्रसाद द्विवेदी	३५–४१
६. वेणीसंहारे विडम्बना	क्षेत्रवासी पण्डा	४३–४८
७. विष्णुधर्मोत्तरपुराणस्यालङ्कार-विवेचनवैशिष्ट्यम्	परमानन्दमिश्रः	४९–५३
८. आधुनिकसंस्कृतसाहित्ये सामाजिकी चेतना	डा० वेदकुमारी घई	५५–५९
९. श्रीकृष्णकर्णामृतं काव्यं तस्य कर्ता च	डा० राजेन्द्र त्रिवेदी	६१–६४
१०. कालिदास-कृतिषु नृत्यकला	डॉ० सुषमाकुल श्रेष्ठ	६५–७२
११. संस्कृत-विकास-प्रचार-प्रसाराणामुपायाः	डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी	७३–८१
१२. संस्कृतगद्यकाव्यस्य प्रबन्ध—शिल्पम्	डॉ० विजयलक्ष्मी द्विवेदी	८३–८८
१३. शंकरस्य प्रच्छन्नबौद्धता-निरासः	अवस्थी आद्यादत्तः	८९–९५

-1982
1
Sag-1982
211

सागरिका

एकविंशवर्षे

प्रथमोऽङ्कः

विक्रम–संवत्सरे २०३९

S19-1983
2213

सागरिका

द्वाविंशे वर्षे

तृतीयोऽङ्कः

विक्रम-संवत्सरे २०४०

सागरिका

द्वाविंशेवर्षे
तृतीयोऽङ्कः
विक्रम-संवत्सरे २०४०

सम्पादकाः

डा० रामजी उपाध्यायः (प्रधानः)
डा० राधावल्लभः त्रिपाठी
डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी
डा० रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
महामनापुरो,
वाराणसी--५ (B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च

सागरिका-समितिः

गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्	४.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१५.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः	
Cloth Bound Vols.	५००.०० रूप्यकाणि
वर्षे १-५ प्रत्यङ्कम्	७.०० रूप्यकाणि
वर्षे ६-१० ,,	६.०० रूप्यकाणि
वर्षे ११-१५ ,,	५.०० रूप्यकाणि
वर्षे १६-२१ ,,	४.०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम् आषाढाश्विन-पोष-चैत्र मासे [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च

मुद्रकः

देववाणी प्रेस

बड़ी मलदहिया, सी. ३०/३६

वाराणसी

विषय-सूची

१. मुकुलभट्टस्य ताटस्थ्यसिद्धान्तस्तत्खण्डनञ्च	डॉ० ठाकुरदत्तो जोशी	१
२. रूढिनिबन्धना लक्षणा	डॉ० ठाकुरदत्तो जोशी	९
३. उपनिषत्सु अपवादपद्धतिविमर्शः	डॉ० उमादेवी जोशी	१५
४. भासनाटकगुणदोष-परिगणनम्	कालूरि हनुमन्तराव	१९
५. जायाप्रतिग्राहितगन्धमाल्याम्	डॉ० श्रीबालशास्त्री	२७
६. जयभारतभूमे काव्यस्य मूल्यांकनम्	डॉ० हरिनारायणदीक्षितः	३५
७. आचार्यस्य आशाधरस्य परिचयः कृतित्वं च	डॉ० भागचन्द्रजैन 'भागेन्दु'	३९
८. महाकविमुनिश्रीज्ञानसागरस्थ संस्कृतकाव्येषु गीतानि	डॉ० किरण टण्डन	४५
९. लक्षणा-वैलक्षणी	रमाशंकर मिश्रः	४९
१०. अभिनव-प्रसून-परिचयः	लक्ष्मीश्वरः	६३
११. गान्धर्ववेदविमर्शः	श्रीकिशोर मिश्रः	६९
१२. न कदाचिदनीदृशं जगत्	ए. रामलु	८१
१३. श्रीमद्भागवतस्य 'भास' पूर्वभावित्वम्	डॉ० श्रीविन्ध्येश्वरीप्रसाद मिश्रः	८७
१४. नाट्यशास्त्रीयानुसन्धानम्	डॉ० रामजी उपाध्याय	९५
(क) जनान्तिकापवारितक-स्वगत-विमर्शः		९७
(ख) संस्कृत-नाटकेषु चरित-चित्रणकला		१०७
(ग) आमन्त्रणीयानां वैचित्र्यम्		१२१
(घ) अंकवृत्तस्य कार्यकालस्य संकेतः		१३०
(ङ) लक्षणालंकारयोर्भेदः		१३५
(च) अंकमध्ये पात्राणां सव्यपदेशं निष्क्रमणम्		१४१

S19-1983
2213

सागरिका

द्वाविंशे वर्षे

तृतीयोऽङ्कः

विक्रम-संवत्सरे २०४०

सागरिका

द्वाविंशेवर्षे
तृतीयोऽङ्कः
विक्रम-संवत्सरे २०४०

सम्पादकाः

डा० रामजी उपाध्यायः (प्रधानः)
डा० राधावल्लभः त्रिपाठी
डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी
डा० रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
महामनापुरो,
वाराणसी--५ (B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च

सागरिका-समितिः

गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्	४.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१५.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः	
Cloth Bound Vols.	५००.०० रूप्यकाणि
वर्षे १-५ प्रत्यङ्कम्	७.०० रूप्यकाणि
वर्षे ६-१० ,,	६.०० रूप्यकाणि
वर्षे ११-१५ ,,	५.०० रूप्यकाणि
वर्षे १६-२१ ,,	४.०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम् आषाढाश्विन-पोष-चैत्र मासे [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च

मुद्रकः

देववाणी प्रेस

बड़ी मलदहिया, सी. ३०/३६

वाराणसी

विषय-सूची

१. मुकुलभट्टस्य ताटस्थ्यसिद्धान्तस्तत्खण्डनञ्च	डॉ० ठाकुरदत्तो जोशी	१
२. रूढिनिबन्धना लक्षणा	डॉ० ठाकुरदत्तो जोशी	९
३. उपनिषत्सु अपवादपद्धतिविमर्शः	डॉ० उमादेवी जोशी	१५
४. भासनाटकगुणदोष-परिगणनम्	कालूरि हनुमन्तराव	१९
५. जायाप्रतिग्राहितगन्धमाल्याम्	डॉ० श्रीबालशास्त्री	२७
६. जयभारतभूमे काव्यस्य मूल्यांकनम्	डॉ० हरिनारायणदीक्षितः	३५
७. आचार्यस्य आशाधरस्य परिचयः कृतित्वं च	डॉ० भागचन्द्रजैन 'भागेन्दु'	३९
८. महाकविमुनिश्रीज्ञानसागरस्थ संस्कृतकाव्येषु गीतानि	डॉ० किरण टण्डन	४५
९. लक्षणा-वैलक्षणी	रमाशंकर मिश्रः	४९
१०. अभिनव-प्रसून-परिचयः	लक्ष्मीश्वरः	६३
११. गान्धर्ववेदविमर्शः	श्रीकिशोर मिश्रः	६९
१२. न कदाचिदनीदृशं जगत्	ए. रामलु	८१
१३. श्रीमद्भागवतस्य 'भास' पूर्वभावित्वम्	डॉ० श्रीविन्ध्येश्वरीप्रसाद मिश्रः	८७
१४. नाट्यशास्त्रीयानुसन्धानम्	डॉ० रामजी उपाध्याय	९५
(क) जनान्तिकापवारितक-स्वगत-विमर्शः		९७
(ख) संस्कृत-नाटकेषु चरित-चित्रणकला		१०७
(ग) आमन्त्रणीयानां वैचित्र्यम्		१२१
(घ) अंकवृत्तस्य कार्यकालस्य संकेतः		१३०
(ङ) लक्षणालंकारयोर्भेदः		१३५
(च) अंकमध्ये पात्राणां सव्यपदेशं निष्क्रमणम्		१४१

~~9-1983~~
~~214~~

Sag-1983
2214

सागरिका

द्वाविंशे वर्षे

चतुर्थोऽङ्कः

विक्रम-संवत्सरे २०४०

सागरिका

द्वाविंशे वर्षे
चतुर्थोऽङ्कः
विक्रम-संवत्सरे २०४०

सम्पादकाः

डा० रामजी उपाध्यायः (प्रधानः)
डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी
डा० राधावल्लभः त्रिपाठी
डा० रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
महामनापुरी,
वाराणसी--५ (B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च
सागरिका-समितिः
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्	४.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१५.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्तपुटबन्धाः	६००.०० रूप्यकाणि
वर्षे १-५ प्रत्यङ्कम्	८.०० रूप्यकाणि
वर्षे ६-१० ,,	७.०० रूप्यकाणि
वर्षे ११-१५ ,,	६.०० रूप्यकाणि
वर्षे १६-२१ ,,	५.०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम् आषाढाश्विन-पौष-चैत्र मासे [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रकः
चन्द्रज्योति प्रेस,
छोटा लालपुर, (पाण्डेयपुर)
वाराणसी

विषय-सूची

१. कालिदास-साहित्ये मूलानुसन्धानम् — प्रो० रेवाप्रसाद द्विवेदी ३
२. दर्शनशास्त्रस्य वर्तमानकालिक्युपयोगिता — रेवतीरमण पाण्डेयः ३३
३. कालिदासाभिमता आलोचकगुणाः — डा० रहसविहारी द्विवेदी ३७
४. अनर्थास्तेषां निवृत्तिश्च — डा० कमलनयन शुक्लः ४३
५. विकासदृष्ट्या रामायणप्रयुक्तधातूनां गणभेदविवरणम् — डा० देशराज शर्मा ५३
६. संस्कृतकवीनां दर्पोक्तयः डॉ० विन्ध्येश्वरी प्रसाद मिश्रः, 'विनयः' ६३
७. सुन्दरचरितनाटकानुशीलनम् — श्रीमती कमला सुवेदी ७३
८. नायकनियोगानुशीलनम् — डा० रामजी उपाध्यायः ८१

~~9-1983~~
~~214~~

Sag-1983
2214

सागरिका

द्वाविंशे वर्षे

चतुर्थोऽङ्कः

विक्रम-संवत्सरे २०४०

सागरिका

द्वाविंशे वर्षे
चतुर्थोऽङ्कः
विक्रम-संवत्सरे २०४०

सम्पादकाः

डा० रामजी उपाध्यायः (प्रधानः)
डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी
डा० राधावल्लभः त्रिपाठी
डा० रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
महामनापुरी,
वाराणसी--५ (B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च
सागरिका-समितिः
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्	४.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१५.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्तपुटबन्धाः	६००.०० रूप्यकाणि
वर्षे १-५ प्रत्यङ्कम्	८.०० रूप्यकाणि
वर्षे ६-१० ,,	७.०० रूप्यकाणि
वर्षे ११-१५ ,,	६.०० रूप्यकाणि
वर्षे १६-२१ ,,	५.०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम् आषाढाश्विन-पौष-चैत्र मासे [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रकः
चन्द्रज्योति प्रेस,
छोटा लालपुर, (पाण्डेयपुर)
वाराणसी

विषय-सूची

१. कालिदास-साहित्ये मूलानुसन्धानम् — प्रो० रेवाप्रसाद द्विवेदी ३
२. दर्शनशास्त्रस्य वर्तमानकालिक्युपयोगिता — रेवतीरमण पाण्डेयः ३३
३. कालिदासाभिमता आलोचकगुणाः — डा० रहसविहारी द्विवेदी ३७
४. अनर्थास्तेषां निवृत्तिश्च — डा० कमलनयन शुक्लः ४३
५. विकासदृष्ट्या रामायणप्रयुक्तधातूनां गणभेदविवरणम् — डा० देशराज शर्मा ५३
६. संस्कृतकवीनां दर्पोक्तयः डॉ० विन्ध्येश्वरी प्रसाद मिश्रः, 'विनयः' ६३
७. सुन्दरचरितनाटकानुशीलनम् — श्रीमती कमला सुवेदी ७३
८. नायकनियोगानुशीलनम् — डा० रामजी उपाध्यायः ८१

~~19-1984~~
~~17~~

Sag-1984
23/1

सागरिका

त्रयोविंश वर्षे

प्रथमोऽङ्कः

विक्रम-संवत्सरे २०४१

सागरिका

त्रयोविंशे वर्षे

प्रथमोऽङ्कः

विक्रम-संवत्सरे २०४१

सम्पादकाः

डा० रामजी उपाध्यायः (प्रधानः)

डा० राधावल्लभः त्रिपाठी

डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी

डा० रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी,

वाराणसी--५ (B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च
सागरिका-समितिः
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्		४.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्		१५.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य		२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्तपुटबन्धाः		६००.०० रूप्यकाणि
वर्षे १-५	प्रत्यङ्कम्	८.०० रूप्यकाणि
वर्षे ६-१०	,,	७.०० रूप्यकाणि
वर्षे ११-१५	,,	६.०० रूप्यकाणि
वर्षे १६-२१	,,	५.०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः		प्रतिवर्षम् आषाढाश्विन-पौष-चैत्रमासेषु [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रकः
चन्द्रज्योति प्रेस,
छोटा लालपुर, (पाण्डेयपुर)
वाराणसी

विषय-सूची

१. नाट्यशास्त्रीयानुसन्धानम् डॉ० रामजी उपाध्यायः १
नाटकेषु हास्ययोगः १
नायकानामन्तर्धिः २४
कथान्तरसन्निवेशः ३२
नाटकेष्वज्ञातनायकत्वम् ४१

२. शाब्दबोधात्मकपरामर्शादनुमितिः सुरेन्द्रमोहन मिश्रः ४९

३. वेदसंज्ञाविमर्शः ए० रामुल ५५

४. यक्षप्रश्नेषु साङ्ख्यक मूल्यानि डी० एन० दीक्षितः ५९

५. मालविकाग्निमित्रे सन्ध्यन्तराणि डॉ० कुसुम भूरिया ६३

६. भागवतस्य काव्यत्वं, शास्त्रत्वं भाषा-वैचित्र्यं च
डॉ० विन्ध्येश्वरी प्रसाद मिश्रः ६९

७. कालिदासाभिमतः काव्यहेतुः डॉ० रहसविहारी द्विवेदी ७९

८. वैदिकयुगीनभारतस्य भौगोलिकस्थितिविमर्शः
डॉ० कैलाशनाथ द्विवेदी डी०-लिट् ८५

९. ऋग्वेदे प्रयुक्त गोधेनूस्त्रियाप्रभृतिपदानामर्थविश्लेषणम् :
डॉ० योगमाया ९१

१०. कमलेशकवे गीति-गीर्वाणी : डॉ० विन्ध्येश्वरीप्रसाद मिश्रः ९९

११. ऋग्वैदिकतुलाप्रतिमानविमर्शः डॉ० कैलाशनाथ द्विवेदी १०७

१२. आदिकाव्ये धातूनामिडागमे वैषम्यम् : देशराज शर्मा १११

१३. आदिकाव्यरामायणे उपसर्गप्रयोग : डॉ० देशराज शर्मा ११९

१४. विवेकानन्द विजयम् : डॉ० (कु०) सुशील नागाइच १३३

१५. ऋग्वैदिकभूगोलसमीक्षा : डॉ० प्रतिभारानी (आगरा) १३९

Sag-1984
2314

सागरिका

त्रयोविंशवर्षे

चतुर्थोऽङ्कः

विक्रम-संवत्सरे २०४१

सागरिका

त्रयोविंशे वर्षे
चतुर्थोऽङ्कः
विक्रम-संवत्सरे २०४१

सम्पादकाः
डॉ० रामजी उपाध्यायः (प्रधानः)
डॉ० राधावल्लभः त्रिपाठी
डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी
डॉ० रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
महामनापुरी
वाराणसी-५
(B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च
सागरिका-समितिः
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्	४.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१५.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः	६००.०० रूप्यकाणि
वर्षे १–५ प्रत्यङ्कम्	८.०० रूप्यकाणि
वर्षे ६–१० ,,	७.०० रूप्यकाणि
वर्षे ११–१५ ,,	६.०० रूप्यकाणि
वर्षे १६–२३ ,	५.०० रूप्यकाणि

केङ्कप्रकाशः

प्रतिवर्षम् आषाढाश्विन-पौष-चैत्रमासेषु
[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्चं]

मुद्रकः
चन्द्रज्योति प्रेस,
(छोटा लालपुर, पाण्डेयपुर)
वाराणसी

विषय-सूची

विज्ञापनम्

१. नाट्यशास्त्रीयानुसन्धानम् । डॉ० रामजी उपाध्यायः १
प्रेक्षकानुपृच्छा १
नाट्यकथायां पशुपक्षिणां साह्यम् ९
अङ्के कार्यस्थल्वा आयामो वैचित्र्यं च १९
रङ्ग-विधानम् २३
अङ्कपूर्त्यर्थं योजनाः ४६
२. उन्मेषः कालिदासस्यः सरस्वत्याः प्रकाशनम् आ० मधुसूदन शास्त्री ४९
३. अभिनवभारतीयं नाट्यवैशिष्ट्यम् । आचार्यो मधुसूदन शास्त्री ५५
४. महाभारतीयाः केचन भाषाविशेषाः ६५
५. पञ्चमहायज्ञविमर्शः । कैलाशप्रसाद द्विवेदी ७१
६. आन्ध्रसंस्थानेषु वेदशास्त्रव्यासङ्गः : श्रीनिवास दीक्षितः ७९
७. भागवते रामभक्तिः । मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी ८५
८. प्राचीनोपनिषत्सु ध्यान-प्रकल्पनम् : दर्शनाचार्यो मुनियोगीशः ९५

~~1985~~
~~1~~
599-1985
24/2

सागरिका

चतुर्विंशे वर्षे प्रथमोऽङ्कः
२४.१

विक्रमसंवत्सर
२०४२

सागरिका

चतुर्विंशे वर्षे
प्रथमोऽङ्कः
२४.१
विक्रम-संवत्सरे २०४२

सम्पादकाः
डॉ० रामजी उपाध्यायः (प्रधानः)
डॉ० राधावल्लभ त्रिपाठी
डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी
डॉ० रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
महामनापुरी
वाराणसी-५
(B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च

सागरिका-समितिः

गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्	४.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	१५.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः	६००.०० रूप्यकाणि
वर्षे १–५ प्रत्यङ्कम्	८.०० रूप्यकाणि
वर्षे ६–१० ,,	७.०० रूप्यकाणि
वर्षे ११–१५ ,,	६.०० रूप्यकाणि
वर्षे १६–२४ ,,	५.०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम् आषाढाश्विन-पौष-चैत्रमासेषु
	[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रकः

चन्द्रज्योति प्रेस

छोटा लालपुर, पाण्डेयपुर

वाराणसी

विषय-सूची

१. नाट्यशास्त्रीयानुसन्धानम् : डॉ० रामजी उपाध्यायः १
नाट्यभारती १
आकाशपुरुषः २९
नाट्यरसाः ३३
नाटकेषु नाट्यधर्मनोरञ्जनानि ४५

२. कालिदासस्य नाट्यकृतिष्वादर्शभूतानि नारीपात्राणि : डॉ० रवीन्द्र कौर ४९

३. आदर्शनायकोरामः । डॉ० शशि तिवारी ५५

४. भारतदेशे मतसहनम् : वि० सी० हुसेनि ५९

५. संस्कृताध्ययने पारम्परीणाया पद्धतेरौपयिकता : डॉ० धर्मेन्द्रकुमार गुप्त ६५

६. महाभारतीयः पुरुषार्थ-चतुष्टयविनिर्णयः। भोजराजः ७५

७. वैदिक श्रमदर्शनम् : श्रीकिशोरमिश्रः ८९

८. बौद्धध्यान वैशिष्ट्यम् । दर्शमाचार्यो मुनिर्योगीशः ९३

●

-1985
2
Sag -1985
24/2

सागरिका

चतुर्विंश वर्षे
द्वितीयोऽङ्कः

२४.२

विक्रम-संवत्सरे २०४२

~~1985~~
3

Sag-1985
2413

सागरिका

•

चतुर्विंशे वर्षे तृतीयोऽङ्कः

२४.३

•

विक्रमसंवत्सर

२०४२

~~1985~~
3

Sag-1985
2413

सागरिका

•

चतुर्विंशे वर्षे तृतीयोऽङ्कः

२४.३

•

विक्रमसंवत्सर

२०४२

Sag-1985
2414

सागरिका

चतुर्विंशे वर्षे
चतुर्थोऽङ्कः
विक्रम-संवत्सरे २०४३

सम्पादकाः

डा० रामजी उपाध्यायः ((प्रधानः)
डा० राधावल्लभः त्रिपाठी
डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी
डा० रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
महामनापुरी,
वाराणसी–५ (B. H. U.)

विषय-सूची

१. सागरे संस्कृत-साहित्यसंवर्धनम्	रामजी उपाध्यायः	१
२. किमर्थं काव्यम्, कथञ्चकाव्यम्	मधुसूदन शास्त्री	७
३. श्रीमद् भागवत-व्यञ्जनकाव्यम्		१५
४. पूर्वाकाराधिकतररुचासंगतः कान्तयासौ		२१
५. जोधपुरीयसंस्कृत-ग्रन्थकाराणामवदानम्		२७९
६. चारुदत्तम्		२७०
७. पञ्चरात्रम्		३१२

प्रचारिका व्यवस्थापिका च
सागरिका-समितिः
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्		४.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्		१५.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य		५००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः		६००.०० रूप्यकाणि
वर्षे १-५	प्रत्यङ्कम्	८.०० रूप्यकाणि
वर्षे ६-१०	,,	७.०० रूप्यकाणि
वर्षे ११-१५	,,	६.०० रूप्यकाणि
वर्षे १६-२१	,,	५.०० रूप्यकाणि
वर्षे २२-२५	,,	४.०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः		प्रतिवर्षम् आषाढाश्विन-पौष चैत्र मासे
		[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रकः
शिवम् प्रिन्टर्स,
सी २७/२७३, इण्डियन प्रेस कॉलोनी,
मलदहिया वाराणसी-२

Sag-1986
25/1

सागरिका

पञ्चविंशे वर्षे
प्रथमोऽङ्कः
विक्रमसंवत्सरे २०४३

सम्पादकः

डा० रामजी उपाध्यायः
प्रो० राधावल्लभ त्रिपाठी

प्रो० रेवाप्रसाद द्विवेदी
डा०रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
महामनापुरी
वाराणसी-५(B. H. U.)

7 | काव्यगुणदर्शे रघुवंशविमर्शः | ति.गु. वसन्तलक्ष्मीः | 100 | Available
र. कृष्णमाचार्यः | 75 | Available

Sa9-1986
25/2

Sa9-1986
25/2

सागरिका

२५.२

प्रकाशकः
भारतीय-संस्कृति संस्थानम्
महामनापुरी, वाराणसी-५

सागरिका

(त्रैमासिकी संस्कृतशोधपत्रिका)

२५.२

विक्रमसंवत्सरे २०४३

सम्पादकाः
रामजी उपाध्यायः (प्रधानः) रेवा प्रसाद द्विवेदी
राधाबल्लभ त्रिपाठी, रामगोपाल मिश्रः

व्यवस्थापिका प्रचारिकाच
सागरिका-समिति
गौरनगर, सागर (म. प्र.)

वार्षिक शुल्कम् १५/-

मुद्रक—लक्ष्मी प्रिन्टर्स, सा० २/३६४ आजमगढ रोड,
पाण्डेयपुर, वाराणसी ।

विषय-सूची

१	सत्यहरिश्चन्द्रोदयम्—रामजी उपाध्याय	१
२	परा वाक् तस्या विमर्शः—रामाधीन चतुर्वेदी	४५
३	काव्येषु नाटकं रम्यम्—कपिलदेव गिरि	४९
४	भारतीयचिन्तने हेतुफलचिन्ता—धर्मानन्द शर्मा	५३
५	भक्तिः—त्रिनाथ शर्मा	६०
६	काव्यप्रयोजनम्—रमाशङ्कर तिवारी	६५
७	उपपद विभक्त्यर्थः—बालशास्त्री	७५
८	पाणिःनीयं ध्वनिपरिवर्तनशास्त्रम्—सुद्युम्नाचार्य	८६
९	भामहस्य काव्यलक्षणे वाक्तत्त्वपरामर्शः—रहस बिहारी द्विवेदी	९१
१०	सातवाहनाचार्यः सप्तशती च—बिनोदराव	९५
११	कथावस्तु संरचना—रामजी उपाध्याय	१०१
१२	ऋग्वैदिकसोमस्य प्रत्यभिज्ञानविमर्शः—कैलाशनाथ द्विवेदी	११३
१३	भक्तिप्रसङ्गः—रामलखन पाण्डेय	११९
१४	आख्यातिवाद-विमर्शः—राजेन्द्रनाथ शर्मा	१२२

Scg-1986
25/3

सागरिका

२५.३

सागरिका-समिति
महामनापुरी बी. एच. यू.
वाराणसी

36	छन्दः शास्त्र से विकल्पगणित का विकास	वेणुगोपाल द.हेरुर / अनुवादकः विजयकुमार अं. चौधरी	440	Available
37	संस्कृतस्य विद्वांसः पण्डिताश्च	रामचन्द्र मावलीयः / अनुवादक देवेन्द्रनाथ पाण्डेयः	295	Available
			87	Available

986
36

सागरिका

पञ्चविंशेवर्षे

तृतीयोऽङ्कः

विक्रम-संवत्सरे २०४३

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः (प्रधान)
राधावल्लभः त्रिपाठी
डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी
डा० रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी

वाराणसी-५ (B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च

सागरिका–समितिः

गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्		४.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्		१५.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य		२००.००रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः Cloth Bound Vols.		५००.०० रूप्यकाणि
वर्षे १-५	प्रत्यङ्कम्	८.०० रूप्यकाणि
वर्षे ६-१०	,,	७.०० रूप्यकाणि
वर्षे ११.१५	,,	६.०० रूप्यकाणि
वर्षे १६-२०	,,	५.०० रूप्यकाणि
वर्षे २१-२५	,,	४.०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः		प्रतिवर्षम् आषाढाश्विन-पोष-चैत्र मासे [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च

मुद्रकः

मधुसूदन प्रेस

भदैनी

वाराणसी–२२१००५

विषयानुक्रमणिका

१. प्रयागजनपदे वाल्मीकि तपोवनम्	रामजी उपाध्याय।	१
२. कालिदासस्य समकालीनता	प्रो० रमाशंकर तिवारी	७
३. ब्रह्मकारणवादस्योपपत्तिकत्वम्	डा० धर्मानन्दशर्मा	११
४. कालिदासस्य तपोनिष्ठा	आचार्य कामाता प्रसाद त्रिपाठी	११
५. नव्यव्याकरणाध्यापन विधौ-गदरहै मवतो साक्ष्यम्	भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी	२२
६. वेदकालीनभारतम्	कैलाशनाथ द्विवेदी	२६
७. सांख्यदर्शनविमर्शः	डा० गजाननशास्त्रि मुसलगाँवकर	३३
८. वाल्मीकि-तपोवनस्थिति-विमर्शः	प्रो० कैलशनाथ द्विवेदी	३७
९. कर्णभारम्-नेदं करुणान्तं रूपकम्	कु० नीता वीपशुक्ला	४१
१०. भाविकालंकारस्य संकल्पना	विभामिश्रा	४३
११. कविभारती काव्यं शब्दार्थौ वा	डा० रहस विहारी द्विवेदी	४६
१२. भागवते रामः	मिथिला प्रसाद त्रिपाठी	५७
१३. विकृतिसमानवचनकत्वमाख्यातस्य	देवनारायण झा	६५
१४. स्फोटवादस्य कुमारिलभट्टकृता समीक्षा,	डा० कृष्णा जैन	७३
१५. वागुपादानकारणविमर्शः	चक्रवर्ती रामाधीन चतुर्वेदी	७७
१६. काव्य–सत्यनिरूपणम्	रमाशंकर तिवारी	८१
१७. ग्रन्थ समीक्षा	प्रो राधावल्लभ त्रिपाठी	९१

Sag-1986
25/4
26/1

सागरिका

रजतजयन्ती–विशेषाङ्कः

अङ्कद्वयम्

२५.४, २६.१

विक्रमसंवत्सर

२०४४

27 | बिपिनचन्द्रपालः | कुलीन ग. उपाध्यायः / अनुवादका- भावप्रकाशः एम गांधी, पङ्कज एस रावलः | 50 | Available
33 | वैयाकरणसिद्धान्तभूषणसारः महामहोपाध्याय श्री | कौण्ड भट्ट / व्याख्याता : कन्दाळ वेङ्कट | 820 | Available

सा ग रि का

रजतजयन्ती–विशेषाङ्कः

अङ्कद्वयम्
२५.४, २६.१

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः
राधावल्लभ त्रिपाठी
रेवाप्रसाद द्विवेदी
रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका–समितिः
महामनापुरी
वाराणसी–५
(B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च

सागरिका-समितिः
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्		५.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्		२०.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य		२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः		१०००.०० रूप्यकाणि
वर्षं १–५	प्रत्यङ्कम्	१५.०० रूप्यकाणि
वर्षं ६–१०	,,	१२.०० रूप्यकाणि
वर्षं ११–१५	,,	१०.०० रूप्यकाणि
वर्षं १६–२०	,,	८.०० रूप्यकाणि
वर्षं [illegible]–२५	,,	६.०० रूप्यकाणि

अ[illegible]काशः प्रतिवर्षम् आषाढाश्विन-पौष-चैत्रमासेषु
[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रकः
मधुसूदन प्रेस
भदैनी, वाराणसी

विषय-सूची

सम्पादकीयम्

१. अङ्कावतारः अङ्कमुखं प्रवेशकश्च—डा० रामजी उपाध्याय १
२. शब्दव्युत्पत्तिष्वन्यथासिद्धाः वाचोयुक्तयः—डा० सुद्युम्नाचार्य ७
३. महाकाव्येषु वसन्तो मलयपवनश्च—रामकैलाश पाण्डेय १३
४. ग्रहाणां प्राग्गतित्वकल्पना—डा० कामेश्वर उपाध्यायः २४
५. मोक्षविमर्शः—डा० कमलेश जैन २८
६. काव्यहेतुनिरूपणम्—डा० रमाशङ्कर तिवारी ३५
७. तद्गुणसंविज्ञानो बहुव्रीहिः—डा० बाल शास्त्री ४५
८. समीक्षानिकषे मृच्छकटिकम—डा० कैलाशनाथ द्विवेदी ४९
९. आत्मानुभूतिदर्शनम्—डा० धर्मानन्द शर्मा ६५
१०. तमसाप्रत्यभिज्ञानं सांस्कृतिकमहत्त्वञ्च—कैलाशनाथ द्विवेदी ७१
११. संस्कृतवाङ्मये बृहत्त्रयी-लालित्यम्–डा० भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी ७९
१२. भारतीयशिक्षादर्शनम्—डा० प्रभुदयाल अग्निहोत्री ८३
१३. यक्षशापस्य मूलकारणम्— डा० इन्द्रमोहन सिंह १०१
१४. न इति कालिदासः—डा० रहसबिहारी द्विवेदी १०५
१५. वैदिकखिलविमर्शः—डा० किशोर मिश्र ११३
१६. सृष्टिवादोपपत्तिः—डा० धर्मानन्द शर्मा १२५
१७. ग्रन्थसमीक्षा—डा० रामजी उपाध्याय १२९

✲

Sag-1987
26/3

सागरिका

षड्विंशवर्षे तृतीयोऽङ्कः

२६.३

वि० सं० २०४५

प्रकाशिका
सागरिका-समिति
मह मनापुरो
वाराणसी ५
B. H. U.

9-1987
13
12
चन्द्रशेखर आचार्यः
कुलीन ग. उपाध्यायः / अनुवादको लिलत
मदेवः गोपाल उपाध्यायः
50
Available

सागरिका

षड्विंशवर्षे तृतीयोऽङ्कः

२६·३

विक्रमसंवत् २०४५

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः

रेवाप्रसाद द्विवेदी

राधावल्लभ त्रिपाठी

रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी

वाराणसी—५

(B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च

सागरिका-समितिः

गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्		५.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्		२०.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य		२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः		१०००.०० रूप्यकाणि
वर्षं १-५	प्रत्यङ्कम्	१५.०० रूप्यकाणि
वर्षं ६-१०	,,	१२.०० रूप्यकाणि
वर्षं ११-१५	,,	१०.०० रूप्यकाणि
वर्षं १६-२०	,,	८.०० रूप्यकाणि
वर्षं २०-२५	,,	६.०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः		प्रतिवर्षम्—आषाढाश्विन-पौष-चैत्रमासेषु [जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रकः

श्री विद्याप्रेस

छित्तूपुर, बी० एच० यू०, वाराणसी

विषय-सूची

१.	श्रीरेवाभद्रपीठकाव्यम्—रेवाप्रसाद द्विवेदी	१
२.	वेदमूलकं गान्धर्वम्—विनायको 'रटाटे'	३७
३.	प्राभाकरमीमांसानये प्रत्यक्षप्रमाणस्वरूपम् —डा० राजेन्द्रनाथशर्मा	४१
४.	णत्वविधाने पाणिनिः —श्रीहरिनारायण तिवारी	४५
५.	सप्तद्वीपवती पृथ्वी—कैलाशनाथ द्विवेदी	५५
६.	सहार्थश्च साहित्यम्—बालशास्त्री	६१
७.	विकृतिसमानवचनकत्वमाख्यातस्य—देवनारायणझा	६७
८.	द्वौ कालिदासौ—रमाशंकर तिवारी	७५
९.	मम कविता—रेवाप्रसाद द्विवेदी	९१
१०.	शक्तितत्त्व-समीक्षा—एन० आर० श्रीनिवासन्	१०१
११.	पीयूषधाराटीकाया व्यापकत्वम्—कामेश्वर उपाध्यायः	११३
१२.	लक्षणायाः शाब्दबोधः —जागृति पाण्ड्या	१२३
१३.	ग्रन्थसमीक्षा—कुसुमभूरिया	१२९

Sag -198-T
26/4

सागरिका

षड्विंशवर्षे चतुर्थोऽङ्कः

२६-४

वि० सं० २०४५

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
महामनापुरी
वाराणसी- ५
(B. H. U.)

सागरिका

षड्विंशवर्षे चतुर्थोऽङ्कः

२६-४

विक्रमसंवत् २०४५

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः — रेवाप्रसाद द्विवेदी

राधावल्लभ त्रिपाठी — रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी

वाराणसी—५

(B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च

सागरिका-समितिः

गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्		५.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्		२०.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य		२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः		१०००.०० रूप्यकाणि
वर्षं १-५	प्रत्यङ्कम्	१५.०० रूप्यकाणि
वर्षं ६-१०	,,	१२.०० रूप्यकाणि
वर्षं ११-१५	,,	१०.०० रूप्यकाणि
वर्षं १६-२०	,,	८.०० रूप्यकाणि
वर्षं २१-२५	,,	६.०० रूप्यकाणि

अङ्कप्रकाशः प्रतिवर्षम्—आषाढाश्विन-पौष-चैत्रमासेषु

[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रकः

श्री विद्याप्रेस

छित्तूपुर, बी० एच० यू०, वाराणसी

विषय-सूची

१.	कालिदासस्य व्रजक्षेत्रवर्णनम्	—कु० मीरा दीक्षित	१
२.	कालिदासीयमनुशासनम्	—प्रो० अयोध्याप्रसाद द्विवेदी	७
३.	भारतीयचिन्तनस्य प्रवृत्तिनिमित्तत्वम्	—डा० धर्मानन्द शर्मा	१२
४.	प्राचीनशिल्पकलासु गणपतिः	—कु० मीरा दीक्षित	१७
५.	अभिनवसन्देशकाव्यम् हनुमद्दूतम्	—कु० मीरा दीक्षित	२१
६.	आधुनिकसंस्कृतरचनासु कर्मश्रमविचारः	—डा० रहसविहारी द्विवेदी	२७
७.	काव्येऽर्थावतरणम्	—डा० रमाशङ्कर तिवारी	३७
८.	संस्कृतवाङ्मये दुःखान्तरूपकम्	—डा० इन्द्रमोहन सिंह	५१
९.	क्ङितिचेतिसूत्रविमर्शः	—डा० भीमसिंह	५५
१०.	पाण्डुलिपि-संरक्षणम्	—डा० कमलनयनशुक्ल	६९
११.	कुमारसम्भवे वागर्थाविव सम्पृक्तौ पार्वतीपरमेश्वरौ	—डा० रहसविहारी द्विवेदी	७७
१२.	दक्षिणपञ्चालानुशीलनम्	—कु० मीरादीक्षित	८५
१३.	वैदिकवाङ्मये भक्तिः	—डा० मिथिला प्रसादत्रिपाठी	९७
१४.	समीक्षणम्-सत्यहरिश्चन्द्रोदयम्	—पद्मभूषण बलदेव उपाध्याय	११५

9-1988
+/1
Sag-1988
27/1

सागरिका

सप्तविंशवर्षे प्रथमोऽङ्कः

२७-१

विक्रम संवत् २०४६

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी

वाराणसी—५

(B. H. U.)

सागरिका

सप्तविंशवर्षे प्रथमोऽङ्कः

२७-१

विक्रमसंवत् २०४६

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः
राधावल्लभ त्रिपाठी
रेवाप्रसाद द्विवेदी
रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी

वाराणसी—५

(B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च

सागरिका-समितिः
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्		५.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्		२०.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य		२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः		१०००.०० रूप्यकाणि
वर्षं १-५	प्रत्यङ्कम्	१५.०० रूप्यकाणि
वर्षं ६-१०	,,	१२.०० रूप्यकाणि
वर्षं ११-१५	,,	१०.०० रूप्यकाणि
वर्षं १६-२०	,,	८.०० रूप्यकाणि
वर्षं २१-२५	,,	६.०० रूप्यकाणि

अङ्कप्रकाशः प्रतिवर्षम्—आषाढाश्विन-पौष-चैत्रमासेषु
[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रकः
श्री विद्याप्रेस
छित्तूपुर, बी० एच० यू०, वाराणसी

विषय-सूची

उत्तरप्रदेशसंस्कृत अकादम्याः पुरस्कारवितरणसमारोहः १

१. प्राचीननवीनमतयोस्तर्काकाराः —राजारामशुक्लः १
२. काव्ये रसावतरणम् —डा० रमाशङ्करतिवारी १७
३. त्वगिन्द्रियमनस्संयोगस्य ज्ञानकारणताया विमर्शः —पीयूषकान्त दीक्षितः २७
४. आदिकवेरादिमश्लोकविमर्शः —डा० रामनारायणमिश्रः ३७
५. कर्णभारस्य नाट्यतत्त्व-समीक्षा —डा० इन्द्रमोहन सिंहः ४१
६. द्वितीयार्थकर्मत्वविचारः —एन० आर० शठकोपताताचार्यः ५१
७. मीमांसकाभिमत-धर्मस्वरूपविमर्शः —एन्० आर० श्रीकृष्णताताचार्यः (कण्णन्) ५५
८. अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्ये नर्मदा —रहसविहारी द्विवेदी ६१
९. शब्दब्रह्माभवत्परा (शब्दतत्त्वम्) —ब्रह्मचारी अमलशास्त्री ७७
१०. जलदागमविचारः —कामेश्वर उपाध्यायः ८३
११. संस्कृतजं प्राकृतम्-एका समीक्षा —श्री वनमाली विश्वासः ९३
१२. रागकाव्य-स्वरूपम् —डा० रहसविहारी द्विवेदी ९७
१३. अलौकिक-सन्निकर्ष-मीमांसा —डा० रामनारायण मिश्रः १०१
१४. माधुर्यकादम्बिन्यां प्रेमाभ्युदयः —डा० कमलनयनशुक्लः १०५
१५. ग्रन्थसमीक्षा ११३
अखिलभारतीय-संस्कृतसम्मेलन ११९

~~1988~~
12

Sag-1988
27/2

सागरिका

सप्तविंशवर्षे द्वितीयोऽङ्कः

२७-२

विक्रमसंवत् २०४६

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी

वाराणसी—५

(B. H. U.)

सागरिका

सप्तविंशवर्षे द्वितीयोऽङ्कः

२७-२

विक्रमसंवत् २०४६

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः
राधावल्लभ त्रिपाठी
रेवाप्रसाद द्विवेदी
रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी

वाराणसी—५

(B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च

सागरिका-समितिः
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्		५.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्		२०.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य		२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः		१०००.०० रूप्यकाणि
वर्ष १-५	प्रत्यङ्कम्	१५.०० रूप्यकाणि
वर्ष ६-१०	,,	१२.०० रूप्यकाणि
वर्ष ११-१५	,,	१०.०० रूप्यकाणि
वर्ष १६-२०	,,	८.०० रूप्यकाणि
वर्ष २१-२५	,,	६.०० रूप्यकाणि

अङ्कप्रकाशः प्रतिवर्षम्—आषाढाश्विन-पौष-चैत्रमासेषु
[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रकः
श्री विद्याप्रेस
छित्तूपुर, बी० एच० यू०, वाराणसी

विषय-सूची

१.	भारतीयदर्शनेषु भ्रमज्ञानविचारः (ख्यातिवादः)	सुदर्शनलालजैनः	१
२.	'सत्यहरिश्चन्द्रोदयम्' समीक्ष्यते	रमाशंङ्कर तिवारी	९
३.	राजशेखराभिमतं काव्यस्वरूपं तदाधारश्च	रहसविहारी द्विवेदी	१६
४.	गोविन्दभाष्ये सत्कार्यवादः	रमाकान्त शुक्लः	२७
५.	अहंकारश्रृङ्गारो भोजराजस्य	रमाशंकर तिवारी	३३
६.	'मित्' विषये भगवान् पाणिनिः	हरिनारायण तिवारी	५१
७.	प्राचीनन्यायमतेन प्रमालक्षण-निरूपणम्	के० इ० धरणीधर	६३
८.	संस्कृतसाहित्ये वनसंरक्षणम्	अयोध्याप्रसाद द्विवेदी	७१
९.	हृषिकेशचतुर्वेदिनः संस्कृत-साहित्यम्	कैलासनाथ द्विवेदी	८१
१०.	गोपालवन्धुः परिचयः	कैलासनाथ द्विवेदी	८७
११.	भामह-पण्डितराजयोः काव्यलक्षणे संवादः	रहसविहारी द्विवेदी	९२
१२.	बाणभट्टाभिमतं काव्यस्वरूपम्	रहसविहारी द्विवेदी	९७
१३.	संस्कृतबाङ्मये नेहरूमहाभागः	इन्द्रमोहन सिंहः	१०१
१४.	संस्कृतरूपकाणां समयसमीक्षा	इन्द्रमोहन सिंहः	१०७
१५.	लोकभाषा संस्कृतम्	वनमाली बिश्वालः	१११

1988
H3
Sag-1988
2713

सागरिका

सप्तविंशवर्षे तृतीयोऽङ्कः

२७.३

विक्रमसंवत् २०४६

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी
वाराणसी—५
(B. H. U.)

सागरिका

सप्तविंशवर्षे तृतीयोऽङ्कः

२७.३

विक्रमसंवत् २०४६

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः
राधावल्लभ त्रिपाठी
रेवाप्रसाद द्विवेदी
रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी

वाराणसी—५

(B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च

सागरिका-समितिः
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्	५.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	२०.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः	
वर्ष १-५	प्रत्यङ्कम् १५.०० रूप्यकाणि
वर्ष ६-१०	,, १२.०० रूप्यकाणि
वर्ष ११-१५	,, १०.०० रूप्यकाणि
वर्ष १६-२०	,, ८.०० रूप्यकाणि
वर्ष २१-२५	,, ६.०० रूप्यकाणि
अङ्कप्रकाशः	प्रतिवर्षम्—आषाढाश्विन-पौष-चैत्रमासेषु
	[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रकः
श्री विद्याप्रेस
छित्तूपुर, बी० एच० यू०, वाराणसी

विषय—सूची

		पृष्ठ
१.	महिमभट्टस्य स्वभावयोनिरूपणम् —विभारानी दुबे	१
२.	कालिदासस्य बिम्बविधानम् —अयोध्याप्रसाद द्विवेदी	९
३.	अपि बृहन्नला परीक्षिता —कालूरि हनुमन्तरावः	१४
४.	क्षयमासाख्यविवेकः —उदयनाथ झा 'अशोक'	१७
५.	अल्प एकः पाठभेदः अनल्पा चर्चा च —कालूरि हनुमन्त रावः	२३
६.	कुमारसंभवस्य कतिपयपदानां मीमांसा —सुदर्शन प्रसाद त्रिपाठी	२६
७.	वीरभद्रदेवस्य कर्तृत्वम् —मिथिला प्रसाद त्रिपाठी	३५
८.	शृङ्गारो मूलो रसः —डा० रमाशङ्कर तिवारी	४५
९.	पूरक-धातुनामसंग्रहापेक्षा —आदर्शमित्र शास्त्री	५७
१०.	गीतायां रसशब्दस्य प्राचीनप्रयोगः —सत्यस्वरूप मिश्रः	६२
११.	'रामपाणिवादस्य व्यक्तित्वं कृतित्वञ्च' —कु० नमिता अग्रवाल	६३
१२.	आधुनिकसंस्कृतसाहित्ये राष्ट्रचिन्तनम् —डा० कैलाशनाथ द्विवेदी	७३
१३.	ऋग्वेदे काव्यभेदबीजम् —डा० धर्मानन्द शर्मा	८९
१४.	काव्ये रसवसतिः —रामजी उपाध्यायः	९५
१५.	पाणिनीये वृत्तिस्वरूपम् —एस्. टी. के. एस. रङ्गाचार्युलु	९७
१६.	शक्त्यद्वैतम् —गिरिजादत्त त्रिपाठी	१०१
१७.	उत्तरप्रदेश-संस्कृत-अकादम्या वार्षिकसमारोहः	१०५
१८.	ग्रन्थसमीक्षा	१०६

1988
Sag-1988
2714

सागरिका

सप्तविंशवर्षे चतुर्थोऽङ्कः

२७४

विक्रमसंवत् २०४६

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी

वाराणसी—५

(B. H. U.)

सागरिका

सप्तविंशवर्षे चतुर्थोऽङ्क
२७.४
विक्रमसंवत् २०४६

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः
राधावल्लभ त्रिपाठी
रेवाप्रसाद द्विवेदी
रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका समितिः
महामनापुरी
वाराणसी--५
(B. H U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च
सागरिका-समितिः
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्		५.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्		२०.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य		२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः		१०००.०० रूप्यकाणि
वर्ष १५	प्रत्यङ्कम्	१५.०० रूप्यकाणि
वर्ष ६-१०	,,	१२.०० रूप्यकाणि
वर्ष ११-१५	,,	१०.०० रूप्यकाणि
वर्ष १६-२०	,,	८.०० रूप्यकाणि
वर्ष २१-२७	,,	६.०० रूप्यकाणि

अङ्कप्रकाशः प्रतिवर्षम्—आषाढाश्विन पौष चैत्रमासेषु
[जून-सितम्बर-दिसम्बर मार्च]

मुद्रकः
रामा प्रिंटिंग प्रेस
ढेलवरियाँ, चौकाघाट, वाराणसी।

विषय-सूची

१. शब्दशक्त्युत्थानुरणनोपमव्यङ्ग्यः-विवेचनम्
विभारानी दुबे १
२. समासे ध्वनिगतपरिवर्तनम् श्रीबनमाली बिश्वालः १३
३. कथं काव्यं निष्कष्येत रमाशङ्कर तिवारी १७
४. मृच्छकटिके हास्यरसस्य वैचित्र्यम्
कैलासनाथ द्विवेदी २७
५. प्राणजीवयोर्भेदः कमलनयन शुक्लः ३५
६. केवलव्यतिरेकिस्थले साध्य-प्रसिद्धि-विचारः
के० इ० देवनाथः ४५
७. काव्ये धर्मधर्मिभाव विवेकः रेवाप्रसादस्य द्विवेदी ५३
८. काव्ये धर्मधर्मिभाव विवेकः चण्डिकाप्रसाद शुक्लः ५७
९. सांख्ययोगाभिमतजीवस्वरूपविमर्शः कृष्णकान्तशर्मा ६१
१०. न्यायमतेनानुपलब्धेः पृथक्प्रामाण्य-निरासः
कौशिको धरणीधरः ६५
११. ग्रन्थसमीक्षा ७७
१२. प्राभाकरमतेन प्रमालक्षणनिरूपणम् कौशिकः धरणीधरः ८१
१३. समवायस्यातिरिक्तत्वम् डा०के० इ० देवनाथ ८७
१४. अभावगुरुभावः कौशिकः धरणीधरः ९७
१५. काव्यानुशासनम् केचन प्रश्नाः
डा० महराजदीन पाण्डेयः १०९

~~1984~~

Sag-1984
28/1

सागरिका

अष्टाविंशवर्षे प्रथमोऽङ्कः

२८.१

विक्रमसंवत् २०४७

प्रकाशिका

सागरिका–समितिः

महामनापुरी

वाराणसी—५

(B. H. U.)

सागरिका

अष्टाविंशवर्षे प्रथमोऽङ्कः

२८.१

बी विक्रमसंवत् २०४७

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः
राधाबल्लभ त्रिपाठी
मनोरमा त्रिपाठी
रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका समितिः
महामनापुरी
वाराणसी—५
(B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च
सागरिका-समिति'
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्		५.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्		२०.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य		२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः	सवस्त्रपुटबन्धाः वर्ष १५	१०००.०० रूप्यकाणि
	प्रत्यङ्कम्	१५.०० रूप्यकाणि
वर्ष ६-१०	,,	१२.०० रूप्यकाणि
वर्ष ११-१५	,,	१०.०० रूप्यकाणि
वर्ष १६-२०	,,	८.०० रूप्यकाणि
वर्ष २१-२७	,,	६.०० रूप्यकाणि

अङ्कप्रकाशः प्रतिवर्षम्—आषाढाश्विन पौष चैत्रमासेषु
[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रकः
रामा प्रिंटिंग प्रेस
ढेलवरियाँ, चौकाघाट, वाराणसी।

विषय–सूची

१.	पाणिनीयः कारकसिद्धान्तः	कपिलदेव पाण्डेयः	१
२.	रघुवंशस्य पदार्थमीमांसा	सुदर्शन प्रसाद त्रिपाठी	९
३.	नैयायिकाभिमतं संनिकर्षषट्कनिरूपणम्	कौशिको धरणीधरः	२५
४.	ग्राम्याश्लीलदोषयोर्विभावना	श्री कृष्णशङ्कर वि० मेहता	३३
५.	वेदाख्यानव्याख्यानपरम्परायां यमः	धर्मानन्दशर्मा	५१
६.	बौद्धशब्दार्थ-खण्डनम्	उदयनाथ झा "अशोक"	६१
७.	जैनाचारदर्शनम्	कमलेश कुमार जैन	६९
८.	साधारणीकरणम्	रमाशङ्कर तिवारी	७३
९.	गार्हस्थ्य-विनर्शः कर्मयोगश्च	रामजी उपाध्यायः	८३
१०.	भारतीयशिक्षायां वेदस्योपयोगिता	देवेन्द्रनाथपाण्डेयः	८९
११.	ग्रन्थ-समीक्षा		९५
१२.	पाणिनीयपरम्परायां कारकत्वम्	सरोजा भाटे	९७

1989
2,3
Sci9-1989
28/2,3

सागरिका

अध्यात्म-विशेषाङ्कः

अष्टाविंशवर्षे अङ्कौ द्वितीयः, तृतीयश्च

२८.२, ३

विक्रमसंवत् २०४७

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी

वाराणसी—५

(B. H. U.)

सागरिका

अध्यात्म-विशेषाङ्कः

अष्टाविंशवर्षे अङ्कौ द्वितीयः, तृतीयश्च
२८.२, ३
विक्रमसंवत् २०४७

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः
राधाबल्लभ त्रिपाठी
मनोरमा त्रिपाठी
रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
महामनापुरी
वाराणसी—५
(B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च
सागरिका-समिति'
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्		५.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्		२०.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य		२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः		१०००.०० रूप्यकाणि
वर्ष १-५	प्रत्यङ्कम्	१५.०० रूप्यकाणि
वर्ष ६-१०	,,	१२.०० रूप्यकाणि
वर्ष ११-१५	,,	१०.०० रूप्यकाणि
वर्ष १६-२०	,,	८.०० रूप्यकाणि
वर्ष २१-२८	,,	६.०० रूप्यकाणि

अङ्कप्रकाशः प्रतिवर्षम्—आषाढाश्विन पौष चैत्रमासेषु
[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रकः
रामा प्रिंटिंग प्रेस
ढेलवरियाँ, चौकाघाट, वाराणसी ।

विषय-सूचि

१. वनाश्रमः — १
रामजी उपाध्यायः
२. संन्यासाश्रमः — ५२
रामजी उपाध्यायः
३. आद्यशंकराचार्यस्य आगमानुरागः — ९३
श्रीसीतारामः कविराजः
४. कर्मणां विद्यासाधनत्वविचारः — ९७
डॉ० के० ई० देवनाथन्
५. जीवब्रह्मैक्यसिद्धान्तः — १०७
के० बी० सुब्बरायुडु
६. अविद्यानिवृत्ति-विमर्शः — ११९
सत्यदेव मिश्रः
७. शाङ्करप्रस्थाने भक्तेः प्रामुख्यम् — १२९
श्रीमती हेमलता बालसुब्रह्मण्यम्
८. ज्योतिषम्—अध्यात्मसंज्ञितम् — १३५
कामेश्वर उपाध्यायः
९. अपवर्गनिरूपणम्—वैशेषिकमतेन — १३९
कौशिको धरणीधरः
१०. ईश्वरविचारे सांख्यदर्शनस्य स्थापनम् — १४५
ओ० आर० विजयराघवः
११. भगवान् पाणिनिः व्याकरणदर्शनं च — १४९
ब्रह्मचारी अमलशास्त्री
१२. पुस्तकसमीक्षणम् — १५३

सागरिका

ऊनत्रिंशवर्षे प्रथमोऽङ्कः

२९.१

विक्रमसंवत् २०४७

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः
राधावल्लभ त्रिपाठी

मनोरमा त्रिपाठी
रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
महामनापुरी
वाराणसी—५
(B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च

सागरिका-समितिः
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्	५.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	२०.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः	१०००.०० रूप्यकाणि
वर्ष १-५	प्रत्यङ्कम् १५.०० रूप्यकाणि
वर्ष ६-१०	,, १२.०० रूप्यकाणि
वर्ष ११-१५	,, १०.०० रूप्यकाणि
वर्ष १६-२०	,, ८.०० रूप्यकाणि
वर्ष २१-२८	,, ६.०० रूप्यकाणि

अङ्कप्रकाशः प्रतिवर्षम्—आषाढाश्विन-पौष-चैत्रमासेषु
[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रक
रामा प्रिंटिंग प्रेस
ढेलवरियाँ, चौकाघाट, वाराणसी ।

विषय-सूची

१. नारायणभट्टः —पाणिनीयतन्त्रे तस्याधिकर्म च
ब्रह्मचारी डॉ० अमलशास्त्री १
२. दर्शनेषु जीवास्तित्वस्वरूपविचारः
डा० के० बी० सुब्बरायुडु ९
३. बालचन्द्रसूरिः —व्यक्तित्वं कर्तृत्वं च
यदुनाथ प्रसाद दुबे २१
४. प्राकृतप्राभृतेषु द्रव्यविमर्शः —ऋषभचन्द्र जैन २९
५. काव्यशास्त्रीयपरम्परायां
विश्वेश्वर पाण्डेयः सीताराम पाण्डेयः ४१
६. वर्णमातृका वर्णसमाम्नायश्च —डा० उपेन्द्र पाण्डेयः ४७
७. न्यायवैशेषिकयोर्गुणानां पाक-प्रक्रिया
श्रीमती शशिप्रभा 'कुमार' ५३
८. आगमस्वरूपम् —डा० परमहंस मिश्रा ६३
९. विलापपञ्चिकापरिशीलनम् —डा० अशोक चटर्जी ६९
१०. रामपाणिवादस्य रूपकेषु भवभूतेः प्रभावः
डा० नमिता अग्रवाल ७३
११. शाङ्करमते सुखदुःखयोर्ग्राह्यत्वाबाह्यत्वविमर्शः
डा० दीपक घोषः ७६
१२. काश्यां संस्कृत-पत्र —कारिता-महोत्सवः ८०
१३. व्याप्तेः सिद्धान्तलक्षणम् —वैद्यनाथ झा ८१
१४. भगिनीदायभागविचारः —डा० किशोर मिश्रः ९१
१५. अर्थो महाभारतयुद्धस्य मूलकारणम्
भुवनचन्द्र पाठकः ९५
१६. रामनाथचतुर्वेदिनः संस्कृत-साहित्यम्
डॉ० कैलाशनाथ द्विवेदी, डी० लिट् ९९
१७. अनुमितेः स्मृतित्वमानसप्रत्यक्षत्वयोर्निरासः
पीयूषकान्तदीक्षितः १०७
१८. कन्याशब्दार्थविचारः —कालुरि हनुमन्तरावः ११७

Sag-1990
29/1

सागरिका

ऊनत्रिंशवर्षे प्रथमोऽङ्कः

२९.१

विक्रमसंवत् २०४७

प्रकाशिका
सागरिका–समितिः
महामनापुरी
वाराणसी—५
(B. H. U.)

सागरिका

Sag-1992
30/2

त्रिंशवर्षे द्वितीयोऽङ्कः

३०.२

विक्रमसंवत् २०४९

१९९२-९३

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः
राधावल्लभ त्रिपाठी

मनोरमा त्रिपाठी
रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी

वाराणसी—५

(B. H. U.)

वार्षिक मूल्यम् २०।-

विषय-सूची

१. अधिमास-क्षयमासयोर्विवेचनम् —डा० रामचन्द्र पाठक. १

२. वक्षेषु चेतना —डा० कमलनयन शुक्लः ३

३. ब्रह्मसूत्रीय-भाष्यपरम्परायां गौडीय-भाष्यम्
डा० रमाकान्त शुक्लः १३

४. ख्यातिवादे विपरीतख्यातिः—डा० शोभनाथ नेने १९

५. अभिज्ञानशाकुन्तलेऽभिज्ञानानि —सदाशिवकुमार द्विवेदी २७

६. महर्षिवाल्मीकेर्जीवनवृत्तम् —डा० त्रिवेणीप्रसाद शुक्ल ३१

७. सिद्धान्तज्योतिष-विकासः—डा० रामचन्द्र पाठक ३३

८. प्रतिभोत्पत्ति-प्रक्रिया —डा० रामजी पाण्डेयः ६५

९. प्रमाणमीमांसा—रतना पुरोहित ७१

१०. उत्तर-प्रदेश-संस्कृत-अकादमी—मधुकर द्विवेदी ७५

Sag-1991
30/3,4

सागरिका

राजनीति दर्शनविशेषाङ्कः

त्रिंशवर्षे तृतीयश्चतुर्थश्चाङ्कौ

३०.३, ४
विक्रमसंवत् २०५०

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
महामनापुरी
वाराणसी-५
(B. H. U.)

सागरिका

राजनीति-दर्शन-विशेषाङ्कः

त्रिंशवर्षे तृतीयश्चतुर्थश्चाङ्कौ
३०.३, ४
विक्रमसंवत् २०५०

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः
राधावल्लभ त्रिपाठी
मनोरमा त्रिपाठी
रामगोपाल मिश्रः

महामनापुरी
सागरिका-समिति
वाराणसी-५
(B. H. U.)

प्रचारिका व्यवस्थापिका च

सागरिका-समितिः

गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्		६.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्		२५.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य		२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः		१०००.०० रूप्यकाणि
वर्ष १–५	प्रत्यङ्कम्	१५.०० रूप्यकाणि
वर्ष ६–१०	,,	१२.०० रूप्यकाणि
वर्ष ११–१५	,,	१०.०० रूप्यकाणि
वर्ष १६–२०	,,	८.०० रूप्यकाणि
वर्ष २१–३०	,,	७.०० रूप्यकाणि

अङ्कप्रकाशः प्रतिवर्षम्—आषाढाश्विन-पौत्र-चैत्रमासेषु
[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रक—

रामा प्रिंटिंग प्रेस

ढेलवरियाँ, चौकाघाट, वाराणसी ।

विषय सूची

१. राजनीतिकप्रवृत्तयः १

रामजी उपाध्यायः

राजा ३

राज्ञः कल्याणगुणाः ३, सप्तसैन्धवराजाः १२, अन्तर्वेदीया राजानः १४, काश्मीरका राजानः २३, मध्यभारतीया राजानः २४, दक्षिणात्या राजानः २५, कलिङ्गराजाः २६, देवगिरिराजाः २६, वारंगलराजाः २६

देशोद्धारणसांधिकपराक्रमाः २७

राज्ञः प्रशिक्षणम् २७

केन्द्रीयशासनतन्त्रम् २८

रत्निनः २८, अमात्यो मन्त्रिपरिषच्च २९

महामन्त्री ३२, पुरोहितः ३६, दूतः ३८

राष्ट्रम् ४०

साम्राज्यं माहाराज्यं ४१, जनपदः ४२, राज्यस्य भागाः ४४

परराष्ट्रं वैदेशिकनीतिश्च ४४

दुर्गः ५०

कोशः, आयः, व्ययः ५१

मित्रम् ५६

सामन्तराज्यम् ५८

संघः श्रेणी च ६०

राजरक्षोपायः ६०

राजकार्यपरिधिः ६२

सभा, समितिश्च ७१

आदर्शराज्यम् ७५

राजोऽकार्यम् ७८

गणराज्यम् ७९

सिन्धु - पञ्चनदप्रदेशे ८२, केन्द्रीय-समितिः ८३, मन्त्रिमण्डलम् ८४

नगरपरिषदः ग्रामपरिषदश्च ८५

व्यवहार-विधिः (न्यायः) ८५

न्यायिकदण्डविधानम् ८५
व्यवहार-विधिः ९०, दाण्डिकविशेषाः ९०, शारीरिकदण्डभेदाः ९४
न्याय-प्रक्रियाः ९५
शपथः दिव्यपरीक्षा च ९७, तुला-अग्नि-जलपरीक्षाः ९८,
विष-कोश-तण्डुल-तप्तमाष-फालपरीक्षा ९९, धर्मपरीक्षा १००
राजकीयशासनपत्र-संग्रहः १००
शासनाधिकारिणां परिभ्रमणम् १००
शासन-व्यवस्था १०१
पौरशासनम् १०५
युद्धम् १०८
युद्धकारणानि १०८
सेना ११२
गजसेना ११७
रथसेना ११९
अश्वसेना १२०
नौसेना १२४
सेनायाः विविधता १२४, अस्त्रशस्त्राणि १२६, युद्धाचारसंहिता
१२८, युद्धविज्ञानम्, व्यूहविधानं च १३०
युद्धाभिरुचिः १३२
युद्धसज्जा-स्कन्धावार-शिबिराणि १३६
युद्धस्वरूम् १३७
दिग्विजयः १३७, युद्ध-महोत्सवः १४१
राजनीति-वैशिष्टचम् १४२
युद्धे कूटनीतिः १४२, राजधर्मप्रणेतारः १४२

२. राजप्रकृतिसम्पदः १४५
डा० सदाशिव कुमार द्विवेदी

३. प्राचीनभारतीयराजशास्त्रम् १५३
प्रो० हरिहरनाथ त्रिपाठी

Sag-1993
32/1

सागरिका



द्वात्रिंशवर्षे प्रथमोऽङ्कः

३२.१

विक्रमसंवत् २०५१

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः मनोरमा त्रिपाठी

राधावल्लभ त्रिपाठी रामगोपाल मिश्र

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी

वाराणसी-५

[B.H.U.]

विषय-सूची

१—अश्वत्थ सर्ववृक्षाणाम्	—कैलासनाथद्विवेदीः	१
२—भागवते भाषाशास्त्रीयं चिन्तनम्	—विन्ध्येश्वरीप्रसादमिश्रः विनयः	५
३—भवभूतेर्नाट्यशास्त्रीयाः प्रयोगविशेषाः	—विन्ध्येश्वरीप्रसादमिश्रः विनयः	९
४—रामायणे संस्कृतरूपकेषु च नारीवध-विमर्शः	—कमलनयन शुक्लः	२३
५—कुमारदासस्य वार्तावलोकनम्	—गंगेशप्रसाद द्विवेदीः	३३
६—रसनिष्पत्तौ ख्यातिविमर्शः	—रहसविहारी द्विवेदीः	३९
७—दक्षिणभारतीयाः शैवसन्तः	—अमिता शर्मा	४७
८—नूतनलेखन समीक्षणम्	—गङ्गाधर भट्टः	५३
९—ऋग्वेदे वारि	—निगम शर्माः	५७
१०—भवभूतेः सामाजिकीचेतनाः	—रहसविहारी द्विवेदी	७५

*

Sag-1993
3214

सागरिका

द्वात्रिंशवर्षे चतुर्थाङ्कः

३२. ४

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

विक्रमसंवत् २०५२

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः

महामनापुरी

वाराणसी ५

(B. H. U.)

सागरिका

द्वात्रिंशवर्षे चतुर्थाङ्कः

३२. ४

विक्रमसंवत् २०५२

१९९४–९५



सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः
राधावल्लभ त्रिपाठी
मनोरमा त्रिपाठी
रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका

सागरिका-समितिः
महामनापुरी
वाराणसी-५
(B. H. U.)

वार्षिक मूल्यम् २५.००

Sag-1994
33/1,2

सागरिका



मनुस्मृति-विशेषाङ्कः

त्रयस्त्रिंशवर्षे प्रथम-द्वितीयाङ्कौ

३३.१–२

विक्रमसंवत् २०५२

१९९५-९६

प्रकाशिका

सागरिका–समितिः

महामनापुरी

वाराणसी—२२१००५

(B.H.U.) फोन ३११८१३

सागरिका

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

मनुस्मृति-विशेषाङ्कः

त्रयस्त्रिंशवर्षे प्रथम-द्वितीयाङ्कौ

३३.१-२

विक्रमसंवत् २०५२

१९९५-९६

सम्पादकाः

रामजी उपाध्यायः
राधावल्लभ त्रिपाठी

मनोरमा त्रिपाठी
रामगोपाल मिश्रः

प्रकाशिका
सागरिका-समितिः
महामनापुरी
वाराणसी—२२१००५
(B.H.U.)
फोन ३११८१३

निबन्धानुक्रमणिका

१.	विषय-प्रवेशः	३
२.	आस्थाः	३६
३.	जीवन-दर्शनम्	४५
४.	आश्रम-चतुष्कम्	५५
५.	वर्णचतुष्कम्	७५
६.	सामाजिक-स्थितिः	९८
७.	स्त्री-निबन्धनम्	१०६
८.	धर्मोपपत्तयः	११५
९.	मनुस्मृति-रहस्यम्	१२३
१०.	परिशिष्टम्	१३९
११.	पारिभाषिक-शब्दनिचयः	१५०

सागरिका

(संस्कृतत्रैमासिकी)

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

विक्रमसंवत् २०५५-५६

चतुस्त्रिंशद्वर्षे द्वितीयोऽङ्कः

३४.२

संस्थापकः प्रधान सम्पादकश्च
रामजी उपाध्यायः

सम्पादकः
राधावल्लभत्रिपाठी

सागरिका-समितिः
संस्कृत विभागः,
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालयः
सागरम् - ४७० ००३
(म.प्र.)

७
१४
१६
३३
४०
४३
४८
५२

विषय - सूची

१. भारतीय' व्याख्यापद्धतिः (अनुमानविधिनां)

रेवाप्रसादो द्विवेदी १

२. भाट्टसम्प्रदाये प्रस्थानभेदाः

सोमनाथः नेने ७

३. काव्य-रसः

सदाशिवकुमारो द्विवेदी १७

४. लोकेमङ्गलचिह्नानां वैभवम्

कैलाशनाथः द्विवेदी २४

५. सर्वतन्त्रस्वतन्त्रो भट्टश्रीनागेशः

बालशास्त्री २९

६. रूपावतारे पाणिनिसूत्राणां पाठभेदाः

रमाकान्तपाण्डेयः ३३

७. नाञ्झलावित्यस्मिन् सूत्रे आकारप्रश्लेषस्य समीक्षा

पाटसकर भाग्यलता ४०

८. शाकुन्तले विचिकित्सा

धर्मेन्द्रकुमारसिंहदेवः ४३

९. सागरे संस्कृतरङ्गमञ्चः

पूर्णचन्द्र उपाध्यायः ४८

१०. ग्रन्थसमीक्षा

समीक्षकाः रमाकान्तपाण्डेयः, पाटस्कर-भाग्यलता,
अच्युतानन्दः, राधावल्लभः, भागीरथिनन्दश्च ५२

Sag-1995
34/3

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

चतुस्त्रिंशद्वर्षे तृतीयोऽङ्कः

३४/३
विक्रमसंवत् २०५६

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

सागरिकासमितिः

संस्कृत विभागः

डॉ.हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम्

सागरिका

(संस्कृतत्रैमासिकी)

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी
ग्रंथालय
शारदा भवनम्

विक्रमसंवत् २०५६

चतुस्त्रिंशद्वर्षे तृतीयोऽङ्कः

३४.३

संस्थापकः प्रधान सम्पादकश्च

रामजी उपाध्यायः

सम्पादकः

राधावल्लभत्रिपाठी

सागरिका-समितिः

संस्कृत विभागः,

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालयः

सागरम् -४७०-००३

(म.प्र.)

अनुक्रमः

१. श्रीमदादिशङ्करभगवत्पादानामवतारकालस्य अवतार-तिरोभावस्थानयोश्च पुनरीक्षणम्
अव्युतानन्दः दाश ... १

२. पूर्वमीमांसादर्शनानुसारेण ईश्वरस्वरूपविचारः
विरांवूरि श्रीराम शर्मा ... २८

३. नाट्यप्रयोदृशा बालरामायणे वस्तुविन्यासः
राधिकाप्रसादमिश्रः ... ३५

४. सुभाषितरत्नसन्दोहे पूर्ववर्तिकाव्यानां प्रभावः
महेशदत्तशर्मा ... ४३

५. भारतनामकरणविचारः
मल्लादिगोपालकृष्णशर्मा ... ४९

६. वैदिकदेवरहस्यम्
मिताली दैव ... ५९

७. ग्रन्थसमीक्षणम्
समीक्षकाः रमाकान्तपाण्डेयः, अव्युतानन्दः, राधावल्लभः ... ६६

Sag - 1995
3414

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

चतुस्त्रिंशद्वर्षे चतुर्थोऽङ्कः



३४/४
विक्रमसंवत् २०५६

सागरिकासमितिः

संस्कृत विभागः

डॉ.हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम्

सागरिका

(संस्कृतत्रैमासिकी)

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
शारदा भवनम्

विक्रमसंवत् २०५६

चतुस्त्रिंशद्वर्षे चतुर्थोऽङ्कः

३४.४

संस्थापकः प्रधान सम्पादकश्च
रामजी उपाध्यायः

सम्पादकः
राधावल्लभत्रिपाठी

सागरिका-समितिः

संस्कृत विभागः,
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालयः
सागरम् -४७०-००३
(म.प्र.)

अनुक्रमः

१. **महाविद्यानुप्रयोगविषये चित्सुखाचार्यस्य दृष्टिः**
प्रकाशपाण्डेयः ५-११

२. **ऋषयो मन्त्राणां द्रष्टारः – मन्त्रकृत्पदस्यार्थः**
वन्दना मालवीय १२-१५

३. **भारतीयचिन्तने इस्लामपरम्परावदानम्**
राधावल्लभः त्रिपाठी १६-२६

४. **पूर्वमीमांसकानां मते मोक्षस्वरूपम्**
सोमनाथ नेने २७-४०

५. **अद्यावध्यप्रकाशिता शृङ्गारमाला**
शिवशङ्करः त्रिपाठी ४१-४४

६. **केशवचन्द्रदाशस्य काव्ययात्रा**
धर्मेन्द्रकुमारसिंहदेवः ४५-६२

७. **ऊँकारस्वरूपं महत्त्वञ्च**
शिवदर्शनः तिवारी ६३-६६

८. **संस्कृतकोशेषु रूपभेदसङ्ग्रहणम्**
प्रातूरिश्रीनिवासः ६७-७०

९. **ग्रन्थसमीक्षणम्**
समीक्षकाः ❖ अच्युतानन्ददाशः ७१-१००
❖ रमाकान्तपाण्डेयः ❖ राधावल्लभः

प्रचारिका व्यवस्थापिका च
सागरिका-समितिः
गौरनगर, सागर

देयम्

प्रत्यङ्कम्	७.०० रूप्यकाणि
वार्षिकम्	२५.०० रूप्यकाणि
आजीवनग्राहकस्य	२००.०० रूप्यकाणि
प्राचीनाः सर्वेऽङ्काः सवस्त्रपुटबन्धाः	१०००.०० रूप्यकाणि
वर्ष १ ५	प्रत्यङ्कम् १५.०० रूत्यकाणि
वर्ष ६—१०	,, १२.०० रूप्यकाणि
वर्ष ११—१५	,, १०.०० रूप्यकाणि
वर्ष १६—२०	,, ९.०० रूप्यकाणि
वर्ष २१—३२	,, ८.०० रूप्यकाणि

अङ्कप्रकाशः प्रतिवर्षम्—आषाढाश्विन-पौत्र-चैत्रमासेषु
[जून-सितम्बर-दिसम्बर-मार्च]

मुद्रक :
रामा प्रिंटिंग प्रेस
ढेलवरियाँ, चौकाघाट, वाराणसी।

विषयनुक्रमणिका

१. पुराणोपपुराणानि श्रीकृष्ण-चरितं च
जयप्रकाश नारायण द्विवेदी १
२. मध्यप्रदेशे संस्कृत-साहित्य-संवर्धनम्
पूर्णचन्द्र उपाध्याय ९
३. वृक्षः
रामजी उपाध्यायः २१
४. दक्षिणभारतीयाः शैवसन्तः
अमिता शर्मा २३
५. जैनदर्शनेऽवग्रहः
धर्मचन्द्री जैनः २८
६. विशिष्टाद्वैतवादिनां सत्ख्यातिवादः
मुरली मनोहरः पाठकः ३९
७. अतिखट्वायेत्यत्र याड्वारणविषये
डा० रंगाचार्यः ४५
८. रामचरितमानसे रसनिबन्धनम्
रयाशङ्कर तिवारी ५१
९. अष्टमूर्ति पर्यावरणम्
डा० सदाशिवकुमारी द्विवेदी ६५
१०. पुस्तक समीक्षा ७५
११. वैदिकदृष्ट्या प्रमाण मीमांसा
मुरलीकृष्ण शर्मा ८२

Sag-1996
35/1

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

आधुनिकसंस्कृतसाहित्यविशेषाङ्कः

पञ्चत्रिंशवर्षे प्रथमोङ्कः



३५/१
विक्रमसंवत् २०५७

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ.हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम्

सागरिका

(संस्कृतत्रैमासिकी)

आधुनिकसंस्कृतसाहित्यविशेषाङ्कः

❖

विक्रमसंवत् २०५७

❖

पञ्चत्रिंशवर्षे प्रथमोङ्कः

३५/१

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

❖

संस्थापकः प्रधानसम्पादकश्च

रामजीउपाध्यायः

❖

सम्पादकः

राधावल्लभत्रिपाठीः

❖

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः

सागरम् - ४७० ००३ (म.प्र.)

अनुक्रमः

१. समकालिकं संस्कृतसाहित्यं काव्यशास्त्रस्य प्रत्ना नवीनाश्च मानदण्डाः

रेवाप्रसादद्विवेदीः ५-१२

२. डॉ. केशवचन्द्रदाशस्य कवित्वम् ('ईशा' काव्यसंग्रहस्य परिप्रेक्ष्ये)

हर्षदेवमाधवः १३-२२

३. गजाननकरमरकरस्य कवित्वम्

मिथिलाप्रसादत्रिपाठीः २३-४९

४. स्वातन्त्र्योत्तरव्याकरणशास्त्रे वाराणस्या योगदानम्

रमाकान्तपाण्डेयः ५०-८०

५. संस्कृतोपन्यासस्य साम्प्रतिकी प्रवृत्तिः

निरञ्जनकरः ८१-८६

509-1996
35/2

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

पञ्चत्रिंशवर्षे द्वितीयोऽङ्कः

३५/२

विक्रमसंवत् २०५७

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ.हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम्

सागरिका

(संस्कृतत्रैमासिकी)

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

❖

विक्रमसंवत् २०५७

❖

पञ्चत्रिंशवर्षे द्वितीयोऽङ्कः

३५/२

❖

संस्थापकः प्रधानसम्पादकश्च

रामजीउपाध्यायः

❖

सम्पादकः

राधावल्लभत्रिपाठीः

❖

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः

सागरम् - ४७० ००३ (म.प्र.)

अनुक्रमः

१.	पौराणिकं कूर्म्मसंस्थानं तद्वैज्ञानिकं स्वरूपञ्च इच्छारामो द्विवेदी	०५-०८
२.	आधुनिकानि वेदाङ्गानि निर्मला कुलकर्णी	०९-१२
३.	आथर्वणम् अग्निपर्यावरणम् त्रिपाठी भास्कराचार्यः	१३-१९
४.	किं मनसोऽणुत्वं प्रमाणतः सिद्धम् ? सच्चिदानन्दमिश्रः	२०-३१
५.	अज्ञातकर्तृकं मूर्खशतकम् सं.- किशोरनाथ झा	३२-३४
६.	मीमांसायां दिक्कालनिरूपणम् सोमनाथः नेने	३५-४२
७.	संस्कृत वाङ्मये सामाजिकपर्यावरणम् वागीशदिनकरः	४३-५०
८.	काव्यरसास्वादः हर्षदेवमाधवः	५१-५६
८.	ग्रन्थ समीक्षणम् समीक्षकाः ❖ रमाकान्तपाण्डेयः ❖ वनमाली विश्वालः ❖ अच्युतानन्ददाशः ❖ धर्मेन्द्रकुमारसिंहदेवः	५७-८७

Sag-1997
3612

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

षट्त्रिंशवर्षे अङ्कः प्रथमः

संस्कृतगौरवविशेषाङ्कः



३६/१

विक्रमसंवत् २०५८

सागरिका समितिः

संस्कृतविभागः

डॉ.हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम्

सागरिका

(संस्कृतत्रैमासिकी)



❖

विक्रमसंवत् २०५८

❖

षट्त्रिंशवर्षे अङ्कः प्रथमः

३६/१

संस्कृतगौरवविशेषाङ्कः

❖

संस्थापकः प्रधानसम्पादकश्च

रामजीउपाध्यायः

❖

सम्पादकः

राधावल्लभत्रिपाठी

❖

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ.हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः सागरम् (म.प्र.)

अनुक्रमः

सम्पादकीयम्

आधुनिकसंस्कृतसाहित्यश्रीः : परिचयखण्डः

१- श्रीमद्रामज्युपाध्यायचरितम्-- राधावल्लभः

२- श्रीमद्रामज्युपाध्यायविरचिताः ग्रन्थाः

३- श्रीमद्रामज्युपाध्यायविरचिताः लेखाः

सङ्कलयिता- डॉ0 धर्मेन्द्रकुमारः

४- श्रीमद्रामज्युपाध्यायसाहित्यसमीक्षणम्

डॉ0 रमाकान्तपाण्डेयः

संस्कृतगौरवम्

१- महात्मनो बुद्धस्य दर्शनम् आधुनिकं विश्वं च

डॉ0 शङ्करदयालशर्मा

२- संस्कृतस्य सार्वभौमत्वम्

डॉ0 मुरलीमनोहरजोशी

३- संस्कृतं, विज्ञानं, वर्तमानविश्वं च

डॉ0 मुरलीमनोहरजोशी

Sag - 1997
3612

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

षट्त्रिंशवर्षे द्वितीयोऽङ्कः

३६/२
विक्रमसंवत् २०५८

सागरिकासमितिः
संस्कृतविभागः
डॉ.हरीसिंहगौरविश्वविद्यालय, सागरम्

सागरिका

(संस्कृतत्रैमासिकी)

❖

विक्रमसंवत् २०५८

❖

षट्त्रिंशवर्षे द्वितीयोऽङ्कः

३६ / २

❖

संस्थापकः प्रधानसम्पादकश्च

रामजीउपाध्यायः

❖

सम्पादकः

राधावल्लभ त्रिपाठी

❖

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ.हरीसिंहगौरविश्वविद्यालय, सागरम्

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

अनुक्रमः

१.	किं तात्पर्यज्ञानं शाब्दबोधे कारणम्? *सच्चिदानन्दमिश्रः*	०५-१३
२.	महाभारतोपदिष्टोऽतिथिसत्कारः शरणागतरक्षणञ्च *राजेश्वरमिश्रः*	१४-२२
३.	मल्लिनाथस्य कवित्वविवेकः टीकोपोद्घातश्लोकदृष्ट्या *सीतानाथ आचार्य शास्त्री*	२३-३२
४.	संस्कृते स्तोत्रसाहित्यम् *मुरलीमनोहरः पाठकः*	३३-५२
५.	उत्तमाव्रजितायै (३४.११) इति कौशिकसूत्रविषये किञ्चित् *निर्मला कुलकर्णी*	५३-५७
६.	साम्प्रतिकसंस्कृतकाव्यसृष्टौ आधुनिकतायाः सन्दर्भः *हर्षदेवो माधवः*	५८-७२
७.	दर्शनस्य स्वरूपं शिवदृष्टिसमालोचनञ्च *हरेराम त्रिपाठी*	७३-८२
८.	काव्यास्वादः **हर्षदेवमाधवः**	८३-८६
६.	पुस्तकसमीक्षा - राधावल्लभः	८७-९६

Sag-1997
36/3,4

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

षट्त्रिंशवर्षे अङ्कौ तृतीय-चतुर्थौ

संस्कृतव्याकरणविशेषाङ्कः

३६/३-४
विक्रमसंवत् २०५६

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

सागरिका समितिः
संस्कृतविभागः
डॉ.हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम्

सागरिका

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

संस्कृतत्रैमासिकी

विक्रमसंवत् २०५९

षट्त्रिंशवर्षे अङ्को तृतीय-चतुर्थौ

३६/३-४

संस्कृतव्याकरणविशेषाङ्कः

संस्थापकः प्रधानसम्पादकश्च

रामजीउपाध्यायः

सम्पादकौ

राधावल्लभत्रिपाठी

कुसुमभूरिया

प्रबन्धसम्पादकः

अच्युतानन्ददाशः

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ.हरिसिंहगौरविश्वविद्यालयः सागरम् (म.प्र.)

अनुक्रमः

१.	त्रिमुनि-काल-विमर्शः *कृष्णदेवः सारस्वतः*	०७-१३
२.	धर्महेतूर्ज्ञानं प्रयोगो वा ? *कमलेशझाः*	१४-१६
३.	व्याकरणदर्शने शब्दशब्दस्यार्थः *कोराडसुब्रह्मण्यम्*	१७-२३
४.	फलव्यापारयोर्धातुः *राधामाधवो दाशः*	२४-४४
५.	किमिदं धातूनां सकर्मकत्वम् ? *सच्चिदानन्दो मिश्रः*	४५-४८
६.	तुलनात्मकदृष्ट्या भवानन्दोक्त-कर्मभेदविवेचनम् *अच्युतानन्ददाशः*	४९-५६
७.	वाक्यार्थमीमांसा *दशरथचौधरी*	५७-६१
८.	महीयते व्याकरणदर्शनप्रभा *करुणासिन्धुदासः*	६२-७०
९.	व्याकरणप्रस्थाने बुद्धिसत्ख्यातिवादः *धर्मेन्द्रकुमारसिंहदेवः*	७१-७६
१०.	तदन्तविधिः *बालशास्त्री*	७७-८२

Sag-1995
34/2

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी



चतुस्त्रिंशद्वर्षे द्वितीयोऽङ्कः

३४/२
विक्रमसंवत् २०५५-५६

सागरिकासमितिः

संस्कृत विभागः

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागरम्

Sag-2005
3817

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

अष्टत्रिंशवर्षे प्रथमाङ्कः

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

३८/१

विक्रमसंवत् २०६२

सागरिका समितिः

संस्कृत विभागः

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

सागरम्

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

विक्रमसंवत् २०६२

अष्टत्रिंशवर्षे प्रथमाङ्कः

३८/१



संस्थापकः प्रधानसम्पादकश्च

रामजीउपाध्यायः

सम्पादकौ

राधावल्लभत्रिपाठी

कुसुमभूरिया

प्रबंधसम्पादकः

अच्युतानन्ददाशः

सागरिका समितिः

संस्कृत विभागः

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागरम् (म.प्र.)

अनुक्रमणिका

अनुक्रमः	प्रबन्धाः	लेखकः	पृष्ठांक
१.	आधुनिकं संस्कृतसाहित्यम्	राधावल्लभः	१
२.	दूर्वासमुल्लासः	मनुलता शर्मा	२४
३.	नवयुगे नाट्यशास्त्रस्य प्रासङ्गिक	रामलखनपाण्डेयः	४४
४.	नव्यकाव्यतत्त्वविमर्शः	रहसविहारी द्विवेदी	४७
५.	पुराणानां गणनाक्रमे वैज्ञानिकरहस्यम्	रामपालशुक्लः	५६
६.	वैशेषिकदर्शने ईश्वरस्वरूपम्	निर्मला कुलकर्णी	६२
७.	रीतिस्वरूपे पथिपरीवर्त्ताः	पूर्णचन्द्र उपाध्यायः	६७
८.	भट्टमथुरानाथशास्त्रिणः काव्यशास्त्रियनिबन्धसाहित्यम्	पूर्णचन्द्रउपाध्यायः	७२
९.	मुस्लिमशासकानां संस्कृत-प्रेम	कैलाशनाथ द्विवेदी	७७
१०.	किं सर्वत्र प्रतियोग्यभावान्वयौ तुल्ययोगक्षेमौ?	सच्चिदानन्दमिश्रः	८३
११.	पुस्तकसमीक्षणम् (१)	कुसुम भूरिया	८७
१२.	पुस्तकसमीक्षणम् (२)	राधावल्लभः	९०
१३.	श्रद्धाञ्जलयः		१०७

****

Sag-2005
38/2

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी
अष्टत्रिंशवर्षे द्वितीयो अङ्कः



३८/२
विक्रमसंवत् २०६२

सागरिका समितिः
संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालयः, सागरम्

SĀGARIKĀ

(Sanskrit Quarterly)

2005
Year 38 No. 2



Founder General Editor
Ramji Upadhyaya

Editors
Radhavallabha Tripathi
Kusum Bhuria

Managing Editor
Achyutananda Dash

Sāgarikā Samitiḥ

Deptt. of Sanskrit
Dr. H.S. Gaur University
Sagar (M.P.)

अध्यायानुक्रमः

प्रथमोऽध्यायः

सामान्यपरिचयः, राजधानी, थाईदेशीया उत्सवाः, लोकविश्वासाः लोकधर्मः। ९-१७

द्वितीयोऽध्यायः

थाईदेशस्य इतिहासः - प्रागैतिहासिककालः, सुखोथाईकालः (सुखोदयकालः), अयोध्याकालः, रत्नकोशेन्द्रकालः, राज्ञां वंशवृक्षाः १८-४२

तृतीयोऽध्यायः

थाईदेशस्य नृत्यनाट्यपरम्परा, उत्सवाः परम्पराश्च ४३-५४

चतुर्थोऽध्यायः

थाईदेशे भारतीया संस्कृतिः। भारतेन व्यापारसम्बन्धः, थाईदेशे भारतीया संस्कृतिः, लिङ्गपूजा, इन्द्राभिषेकविधिः, दोलोत्सवः, पूजापरम्परा, इन्द्रपूजा, ब्राह्मणपरम्परा तत्सम्बद्धान्यनुष्ठानानि च, । ५५-६४

पञ्चमोऽध्यायः

थाईदेशे बौद्धपरम्परा। बुद्धस्य प्रतिमाः, मन्दिराणि, बौद्धसंस्थाः। ६५-७७

षष्ठोऽध्यायः

थाईदेशे रामायणम्, थाईसंस्कृतौ रामायणप्रभावः, थाईदेशे महाभारतम्। ७८-९१

सप्तमोऽध्यायः

थाईभाषा, थाईलिपिः, आचार-संस्कार- धर्म-नीतिविषयकाः शब्दाः, सप्ताहदिवसानां नामानि, मासानां नामानि, आधुनिकपदार्थानां कृते संस्कृतशब्दानां प्रयोगः, नगराणां नामानि, समकालिकथाईजीवने संस्कृतम् ९२-१०१

अष्टमोऽध्यायः

थाईसाहित्यं भारतीयं साहित्यं च । १०२-१०८

नवमोऽध्यायः

थाईदेशे भारतीयमहापुरुषः - स्वामी सत्यानन्दः १०९-११९

दशमोऽध्यायः

साहित्यसाधकः करुणाकुशलाशयः १२०-२४

परिशिष्टम्- सब-बाक-शिलालेखः १२५-२६

पुस्तकसूची १२७

चित्रावलिः

Sag-2006
3814



सागरिका

संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका
अष्टत्रिंशवर्षे चतुर्थोऽङ्कः

३८/४
विक्रमसंवत् २०६३



सागरिका समितिः
संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालयः, सागरम्

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

विक्रमसंवत् २०६३



अष्टत्रिंशवर्षे चतुर्थोऽङ्कः

३८/४

संस्थापकः प्रधानसम्पादकश्च

रामजीउपाध्यायः

सम्पादकौ

राधावल्लभत्रिपाठी

कुसुमभूरिया

प्रबंधसम्पादकः

अच्युतानन्ददाशः

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

अनुक्रम

१.	शास्त्रचर्चा तस्मै कन्या न दीयते	अर्कनाथः चौधरी	६
२	कालिदास–राजशेखरयोरौचितीविमर्शः	भास्कराचार्यः त्रिपाठी	७
३.	मधुसूदनसरस्वतीमते एकजीववादः	डॉ. बाबूलाल शर्मा	१२
४.	न्यायशास्त्रे सम्बन्धसौन्दर्यम्	बिष्णुपदमहापात्रः	२०
५.	पाणिनिशब्दशास्त्रे रप्रत्याहारविमर्शः	महेश कुमार द्विवेदी	३४
६.	भर्तृहरेर्वाक्यलक्षणमीमांसा	दशरथ चौधरी	४०
७.	मनुदिशा दण्डविधानम्	राधिकाप्रसादो मिश्रः	४८
८.	आचार्यज्ञानसागरीयरचनासन्दोहः	शिवसागर त्रिपाठी	५६
९.	राजस्थानस्याभिनवसंस्कृतरूपक–साधना	पूर्णचन्द्र उपाध्यायः	६३
१०.	प्रियतमायाः प्रणयकविः डॉ. बनमालिविश्वालः	नारायणदाशः	६८
११.	वेदेषु आतङ्कवादोन्मूलनोपायाः	हेमलता बोलिया	७४
१२.	वैदिकसूक्ते निउटन्नियमानां सांकेतिकरूपम्	पराम्बा श्रीयोगमाया	८०
१३.	संस्कृतरूपकाणामुपरि लोकनाट्यप्रभावः	महेशकुमार द्विवेदी	८८
१४.	शिशुपालबधकालीनं ग्राम्यजीवनम्	शिवकुमारमिश्रः	९२
१५.	पुस्तकसमीक्षणम् – (१)	कुसुम भूरिया	९५
१६.	पुस्तकसमीक्षणम् – (२)	महेश कुमार द्विवेदी	९६
१७.	पुस्तकसमीक्षणम् – (३)	राधावल्लभः	१०७
१८.	लेखकानां सङ्केताः		
१९.	ग्रन्थमाला (प्रख्या–) योषासप्ततिका–	ज्ञानोपाह्वबच्चूलालावस्थिविरचिता, राधावल्लभकृतया सत्यवतीटीकया संवलिता	

सागरिका



संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका

ऊनचत्वारिंशद्वर्षे प्रथमोऽङ्कः

३६/१

विक्रमसंवत् २०६३



Sag-2006
3917

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालयः, सागरम्

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

विक्रमसंवत् २०६३

ऊनचत्वारिंशद्वर्षे प्रथमोऽङ्कः

३६/१

संस्थापकः प्रधानसम्पादकश्च

रामजीउपाध्यायः



सम्पादकौ

राधावल्लभत्रिपाठी

कुसुमभूरिया

प्रबन्धसम्पादकः

अच्युतानन्ददाशः

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

50=00
750=00
500=00
15=00

March)

अनुक्रम

१.	वैदिकसाहित्येऽग्निः	डॉ. कृष्णचन्द्रः त्रिपाठी	७
२.	वैदिकी सृष्टिसंरचना ज्ञानविज्ञानसमन्वयश्च	डॉ. महेशकुमारद्विवेदी	१५
३.	सूत्राणां बाध्यबाधकभावसम्बन्धः	डॉ. श्रीमती लक्ष्मी शर्मा	२०
४.	प्रक्रियासर्वस्वस्य व्याकरणशास्त्रे स्थानम्	डॉ. पी. नारायणः नम्बुदिरि	३०
५.	संस्कृतवाङ्मये मानवाधिकारस्य भावना	डॉ. पूर्णचन्द्र उपाध्यायः	३३
६.	दर्शनशास्त्रेषु मायाविमर्शः	डॉ. मिताली देव	३७
७.	बौद्धन्याये योगाचारमतानुसारेण त्रिरूपलिङ्गम्	देवीसिंह	४३
८.	उत्तररामचरिते शिरोऽनिनयाः	डॉ. मिथिलाप्रसादत्रिपाठी	४८
९.	वेदः वाल्मीकीयरामायणञ्च	सुदर्शनदेवाचार्यः 'व्रती'	५५
१०.	संस्कृतकाव्यशास्त्रपरम्परायां मन्दारमरन्दचम्वाः स्थानम्	डॉ. मीरा द्विवेदी	६२
११.	प्राणिजीवेश्वर शब्दतत्त्वविमर्शः	रामनारायणदासः	७०
१२.	शास्त्रेषु लक्षणास्वरूपविचारः शाब्दिकानां मते लक्षणास्वरूपम्	डॉ. विजय कुमार पाण्डेयः	७७
१३.	मार्कण्डेयपुराणे एकपत्नीत्वस्य प्रतिष्ठापनम्	डॉ. मनसुख के. नोलिया	८४
१४.	ग्रन्थसमीक्षणम् . (१)	प्रो. राधावल्लभः त्रिपाठी	८६
१५.	ग्रन्थसमीक्षणम् . (२)	डॉ. पूर्णचन्द्र उपाध्यायः	१०३
१६.	ग्रन्थसमीक्षणम् . (३)	डॉ. महेशकुमारद्विवेदी	१०४
	परिशिष्टम् – प्रख्या ग्रन्थमाला नवमः स्पन्दः खण्डनकुठारः	सं. डॉ. अच्युतानन्द दाशः	

Sag-2007
39/2



सागरिका

संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका

ऊनचत्वारिंशद्वर्षे द्वितीयोऽङ्कः

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

३६/२
विक्रमसंवत् २०६४



सागरिकासमितिः
संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालयः, सागरम्

SĀGARIKĀ

(Quarterly Research Journal in Sanskrit)

2007
Year 39 No. 2

Founder General Editor
Ramji Upadhyaya
Editors
Radhavallabh Tripathi
Kusum Bhuria
Managing Editor
Achyutananda Dash
Guest Editor for this no.
Ramakant Pandey



Sāgarikā Samitih
Deptt. of Sanskrit
Dr. H.S. Gour University
Sagar (M.P.)

अनुक्रम

१.	रसगंगाधरटीकासु रसचन्द्रिकाया वैशिष्ट्यम्।	कृष्णचन्द्र चतुर्वेदः	१
२.	काव्यतत्त्वचिन्तने ब्रह्मानन्दशर्मणो नूतनदृष्टिः	लक्ष्मी शर्मा	१०
३.	रसगङ्गाधरोक्ततत्त्वपरिष्कारे रसचन्द्रिकाया वैशिष्टयम्	रामकुमार शर्मा	१८
४.	दीक्षितोक्तोपमालक्षणविश्लेषणे श्रीधरानन्दस्य वैशिष्टयम्	श्रद्धा सिंह	२२
५.	आधुनिकं संस्कृतकाव्यशास्त्रं म. म. रेवाप्रसादद्विवेदी च	सदाशिवकुमारद्विवेदी	३१
६.	अभिनवकाव्यप्रकाशस्य समीक्षणम्	हेमलता बोलिया	४१
७.	एको रसः करुण एव	(स्व.) अवस्थी बच्चूलालः	४८
८.	भारतीयकाव्यशास्त्रपरम्परा प्रयोजनं सौन्दर्यञ्च	(स्व.) प्रेमनारायणो द्विवेदी	५२
९.	औचित्यप्रस्थानस्य साम्प्रतिकत्वम्	शिवसागरः त्रिपाठी	६१
१०.	विष्णुधर्मोत्तरपुराणे शान्तरसनिरूपणम्	परमानन्दो मिश्रः	६८
११.	गौडीयकाव्यशास्त्रम् : साहित्यकौमुदी	धर्मेन्द्रकुमारसिंहदेवः	७१
१२.	काव्यालङ्कारकारिकाऽवेक्षणम्	रहसविहारी द्विवेदी	७९
१३.	साहित्यसन्दर्भसमीक्षणम्	महेशकुमारद्विवेदी	८९
१४.	अभिराजयशोभूषणसमीक्षणम्	राधावल्लभः त्रिपाठी	९८
१५.	काव्यसिद्धान्तकारिकाऽभ्युक्तयः	रहसविहारी द्विवेदी	१०६
१६.	अभिनवकाव्यलङ्कारसूत्रसमीक्षणम्	'अभिराज' राजेन्द्र–मिश्रः	११५
१७.	किं नाम काव्यम्	सरस्वतीप्रसादो द्विवेदी	१२७
१८.	अभिनवकाव्यलङ्कारसूत्रेऽलङ्कार–स्वरूपविमर्शः	रमाकान्तपाण्डेयः	१३६
१९.	नव्यकाव्यतत्त्वमीमांसावि लेषणम्	राधिकाप्रसादोमिश्रः	१४२
२०.	साहित्यवृक्षकारिका	राधावल्लभः	१५३
२१.	ग्रन्थसमीक्षणम्	राधावल्लभः, रमाकान्तपाण्डेयः	१५६

Sag-2008
3913

सागरिका

संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका

ऊनचत्वारिंशद्वर्षे तृतीयोऽङ्कः



श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

३६/३
विक्रमसंवत् २०६४

सागरिकासमितिः
संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालयः, सागरम्

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

विक्रमसंवत् २०६४

ऊनचत्वारिंशद्वर्षे तृतीयोऽङ्कः

३६/३



संस्थापकः प्रधानसम्पादकश्च

रामजीउपाध्यायः

सम्पादकौ

राधावल्लभत्रिपाठी

कुसुमभूरिया

प्रबन्धसम्पादकः

अच्युतानन्ददाशः

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

Rs. 50=00
Rs. 750=00
Rs. 1500=00
Rs. 15=00

ear
& March)

अनुक्रम

१.	कोऽसावभेदो नाम	सच्चिदानन्द मिश्रः	७
२.	शाब्दबोधप्रक्रिया	कृष्णपद दास अधिकारी	१६
३.	श्रीमद्भागवतमहापुराणे धार्मिकजीवनदर्शनम्	आचार्यः बाबूलालः मीना	३६
४.	संस्कृतसाहित्ये शब्दविचारः	रीजा बि. कावनाल्	४३
५.	विवाहसंस्कारस्तद्धर्मशास्त्रीयं महत्त्वञ्च	भगवती सुदेश	५३
६.	राष्ट्राभिवर्धनसूक्ते राष्ट्रोन्नत्युपायः	पराम्बा श्रीयोगमाया	७४
७.	वैदिकवाङ्मये धर्मस्वरूपम्	सुभाष चन्द्र शास्त्री	७६
८.	संस्कृतसाहित्यस्य प्रवृत्तयः	महेश कुमार द्विवेदी	८६
९.	क्षणभङ्गवादः (बौद्धतर्कभाषायाः विशेषालोके)	देवीसिंहः	१००
१०.	पञ्चमो नाट्यवेदः	श्रीमति प्रीति सिन्हा	१०८
११.	भारवेर्बहुज्ञता (भारवेः विविधशास्त्रीयज्ञानम्)	आशा सिंह	११६
१२.	अकबरी कालिदास – गोविन्दभट्टस्य काव्यानुशीलनम्	कैलाशनाथ द्विवेदी	१२६
१३.	राधावल्लभकाव्ये लोकचेतना	पूर्णचन्द्र उपाध्यायः	१३४
१४.	प्रतिभास्वरूप–विमर्शः	अच्युतानन्द दाशः	१३६
१५.	संस्कृतकाव्यशास्त्रे रीतिः संक्षिप्तविवेचनम्	निरूपमा त्रिपाठी	१४६
१६.	ग्रन्थ–समीक्षणम्	महेश कुमार द्विवेदी, रमाकांतपाण्डेयः, शिल्पी मिश्रा	१५३

सागरिका

Sag-2006
39/4

संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका

ऊनचत्वारिंशद्वर्षे चतुर्थोऽङ्कः

श्री सोमनाथ संस्कृत पुनरुत्थान ट्रस्ट, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

३९/४
विक्रमसंवत् २०६५

सागरिकासमितिः
संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालयः, सागरम्

SĀGARIKĀ

(Quarterly Research Journal in Sanskrit)

2008
Year 39 No. 4

Founder General Editor
Ramji Upadhyaya
Editors
Radhavallabh Tripathi
Kusum Bhuria
Managing Editor
Achyutananda Dash



Sāgarikā Samitih
Deptt. of Sanskrit
Dr. H.S. Gour University
Sagar (M.P.)

अनुक्रमः

१.	बौद्धागमविमर्शः	कमलेशः झा	६
२.	अथर्ववेदे वेदान्ततत्त्वम्	राधावल्लभः त्रिपाठी	३२
३.	निगमागमप्रतिपादिता द्विविधा सृष्टिः साधना च	आचार्यः भक्तिपुत्ररोहतमः	३६
४.	श्रीपुरुषोत्तमजगन्नाथस्य आगमिकसम्बन्धः	ब्रजकिशोरः स्वाईं	४७
५.	शिवमहिम्नःस्तोत्रे निगमागमसम्बन्धः	महेश कुमार द्विवेदी	५६
६.	किं पदानां शक्तिर्ज्ञाने गदाधर–भट्टाचार्यकृता समीक्षा	सच्चिदानन्द मिश्रः	७२
७.	वैदिकसंहितासु शल्यचिकित्सास्वरूपम्	(श्रीमती) प्रीति सिनहा	८०
८.	पौराणिकपारिस्थितिकी	मीरा द्विवेदी	६५
९.	न्यायनये संशयस्वरूपम्	महानन्द झा	१०४
१०.	संस्कृतसाहित्ये जीवनादर्शाः	धर्मेन्द्रो जैनः	११३
११	संविदोऽतुलमाहात्म्यमागमैः प्रतिपाद्यते	कमलेशः झा	११८
१२.	काव्यकारणभावविचारः	विद्यानन्द झाः	१४६
१३.	एकविंशशतके आधुनिक–संस्कृत –काव्यशास्त्राणां प्रयोजनं सीमा च	नारायणदाशः	१५२
१४.	ग्रन्थसमीक्षणम्	राधावल्लभः त्रिपाठी	१६६

सागरिका

संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका

चत्वारिंशद्वर्षे प्रथमोऽङ्कः

509-2008
40/1



४०/१

विक्रमसंवत् २०६५





सागरिकासमितिः
संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम्

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

विक्रमसंवत् २०६५

चत्वारिंशद्वर्षे प्रथमोऽङ्कः

४०/१

आश्विन, २०६५ विक्रमाब्दे

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

संस्थापकः प्रधानसम्पादकश्च
रामजीउपाध्यायः
सम्पादकौ
राधावल्लभत्रिपाठी
कुसुमभूरिया
प्रबन्धसम्पादकः
अच्युतानन्ददाशः

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

50=00
750=00
500=00
15=00

larch)

अनुक्रमः

१.	यायावरीयमते कविप्रतिभा कविसमयाश्च	(स्व.) अवस्थी बच्चूलालः	६
२.	भट्टिकाव्ये प्रयुक्ताः व्याकरणविशेषताः	सतीशचन्द्र झा	१०
३.	शब्दब्रह्मवादिनो भर्तृहरेर्वाक्यविमर्शः	कामता प्रसाद त्रिपाठी	१८
४.	पातञ्जलयोगदर्शने चित्तवृत्तिनिरोधस्य स्वरूपम्	देवी सिंहः	२३
५.	वैदिकदर्शनं बौद्धदर्शनं च	कमलेश झा	२६
६.	उपनिषद्दर्शनसमीक्षा	धर्मराजः अटाटू	३६
७.	एकश्रुतिविचारः	पूर्णचन्द्रः पाढी	४४
८.	प्रकृतिविकारं तत्कर्मकर्तृत्वञ्च	रामनारायणदासः	४६
९.	काव्यस्यात्मा ध्वनिः	रीजा बि. कावनाल्	५६
१०.	राष्ट्रिया–एकता संस्कृतञ्च	महेशकुमार द्विवेदी	६५
११.	श्रीमद्भागवतपुराणकालिके समाजे नारीस्थितिविवेचनम्	बाबूलालः मीना	७२
१२.	अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्ये पश्चिमवङ्गस्यावदानम्	नारायणदाशः	८०
१३.	शास्त्रसम्मतानां व्याकरणाध्ययन–प्रयोजनानामद्यतनीय–सन्दर्भे प्रासङ्गिकता	बनमाली बिश्वालः	९१
१४.	आधुनिककाव्यशास्त्रिणां काव्यप्रयोजनविमर्शः	राजमङ्गलयादवः	१०२
१५.	ग्रन्थसमीक्षणम् – १	महेशकुमार द्विवेदी	१०९
१६.	ग्रन्थसमीक्षणम् – २	धर्मेन्द्रकुमारसिंहदेवः	११३
१७.	ग्रन्थसमीक्षणम् – ३	राधावल्लभत्रिपाठी	१२२

सागरिका

चत्वारिंशद्वर्षे द्वितीय-तृतीयौ अङ्कौ

(संयुक्ताङ्कः)

Sag-2008
40/2,3

संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका

४०/२-३

विक्रमसंवत् २०६६

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम्

सागरिका

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

संस्कृतत्रैमासिकी
विक्रमसंवत् २०६६

चत्वारिंशद्वर्षे द्वितीय–तृतीयौ अङ्कौ
(संयुक्ताङ्कः)

४०/२–३
पौष–चैत्र, २०६६ विक्रमाब्दे

संस्थापकः प्रधानसम्पादकश्च
रामजीउपाध्यायः

सम्पादकौ
राधावल्लभत्रिपाठी
कुसुमभूरिया

प्रबन्धसम्पादकः
अच्युतानन्ददाशः

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

अनुक्रमः

१.	सृजनतत्त्वम्	*ब्रजकिशोर स्वाईं*	८
२.	पाञ्चरात्रागमीयं दर्शनम्	*शीतलाप्रसादपाण्डेयः*	२१
३.	आचार्य–शङ्करप्रणीतायाः सौन्दर्यलहर्याः साहित्यिकचिन्तनम्	*मानस शरण तिवारी*	४०
४.	अद्वैतवेदान्तदर्शनदृष्ट्या वेदानां स्वरूपप्रामाण्यम्	*करुणानन्दमुखोपाध्यायः*	५३
५.	दर्शनशास्त्रेषु कैवल्यस्यावधारणा	*देवीसिंहः*	६०
६.	जैनदर्शने जीवस्वरूपम्	*वीरसागरो जैनः*	६६
७.	परमतत्त्वराधाकृष्णौ	*शीतला प्रसाद शुक्ल*	८०
८.	श्रीदयानन्दचरितमहाकाव्यस्य समीक्षणम्	*राधावल्लभः*	८८
९.	मनुस्मृतौ ब्रह्मचर्याश्रमः	*डॉली जैन*	१०१
१०.	अथर्ववेदेऽभिहितं वृष्टिस्वरुपविवेचनम्	*भारतभूषणमिश्रः*	१०८
११.	सद्रक्षणाय खलनिग्रहाय च दण्डनीतिः	*हेतराम कछवाहः*	११५
१२.	व्याकरणशास्त्रे पूर्व–उत्तरपक्षद्वयेन स्थानिवत्सूत्रविमर्शः	*महेश कुमार द्विवेदी*	१३२
१३.	महाभारते शापवृत्तान्तः	*नारायणन् नाम्बूदिरि*	१३८
१४.	सर्वचिकित्सापद्धतीनाम् आयुर्वेदत्वम्	*सुदर्शनदेवार्य 'व्रती'*	१४१
१५.	डॉ. रामकुमारशर्मविरचित–भरतचरितमहाकाव्यस्य वैशिष्ट्यम्	*सनन्दनकुमारत्रिपाठी*	१४८
१६.	विद्याभूषण पं. गणेशरामशर्मणां कृतित्वम्	*महेन्द्र प्रसादः सलारिया*	१५८
१७.	माघस्यबहुज्ञता (माघस्यविविध– शास्त्रीयज्ञानम्)	*आचार्यः बाबूलालः मीना*	१६१
१८.	समीक्षानिकषे–मृच्छकटिकपरिशीलनम्	*नवलता*	१८४
१९.	मनुस्मृतावार्थिकप्रबन्धनम्	*पूर्णचन्द्र उपाध्यायः*	१८६
२०.	वाल्मीकिरामायणस्य संशोधितप्राच्यप्रकाशनयोः तुलना	*कालूरिहनुमन्तरावः*	१९१

२१.	पुराणविमर्शः	*द्विवेदिसरस्वतीप्रसादः*	२०२
२२.	प्राचीनाचारसंहितासु स्त्रीणामधिकाराः	*मीरा द्विवेदी*	२०८
२३.	ग्रन्थसमीक्षणम्	*महेशकुमार द्विवेदी*	२२१
		सुदेश आहूजा	२२७
		महेश कुमार द्विवेदी	२२९
		पूर्णचन्द्र उपाध्यायः	२३१

सागरिका

चत्वारिंशद्वर्षे चतुर्थोऽङ्कः

Sag-2008
4014

संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका

४० / ४

विक्रमसंवत् २०६६

ગ્રંથાલય
* શારદા ભવનમ્ *

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ.हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम्

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी
विक्रमसंवत् २०६६

चत्वारिंशद्वर्षे चतुर्थोऽङ्कः

४०/४
आषाढ, २०६६ विक्रमाब्दे

संस्थापकः प्रधानसम्पादकश्च
रामजीउपाध्यायः

सम्पादकौ
राधावल्लभत्रिपाठी
कुसुमभूरिया



सागरिकासमितिः
संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

अनुक्रमः

१.	किमर्थमनुपलब्धिः प्रमाणान्तरम्	*सच्चिदानन्द मिश्रः*	७
२.	अष्टाध्याय्यां वृत्तिविचारः	*वसन्तकुमारो भट्टः*	१५
३.	काश्मीरक्रन्दनस्य नाट्यवैशिष्ट्यम्	*कैलाशनाथद्विवेदी*	२४
४.	काव्यतत्त्वानां परिशीलनम्	*किशोरीलालशर्मा*	३०
५.	ध्वनिपद्धतौ अलङ्काराः	*एन्.के. सुन्दरेश्वरन्*	५०
६.	काव्यानुमितिखण्डने मम्मटादीनां प्रमादः	*रामकुमार शर्मा*	५८
७.	संस्कृतवाङ्मये वास्तुशास्त्रविषयविमर्शः	*रामनारायणदासः*	६६
८.	वेदेषु नार्यः	*सरस्वतीप्रसादो द्विवेदी*	७५
९.	वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषायाः (प्रकरणानुसारेण प्रतिपाद्यम्)	*महेश कुमार द्विवेदी*	८१
१०.	ज्ञानसञ्जीवन्यः संस्कृतपत्रिकाः	कुसुम भूरिया दत्ता	८८
११.	कविवरराधावल्लभस्य काव्येषु सांस्कृतिकी चेतना	पूर्णचन्द्र उपाध्यायः	९२
१२.	शाकुन्तले पदविन्यासरमणीयता	पूर्णचन्द्र उपाध्यायः	९७
१३.	ग्रन्थसमीक्षणम्	महेश कुमार द्विवेदी	१०१

नोट

सम्मान्याः ग्राहकवर्याः!

सहर्षं सूच्यते यत् सागरिकाया आजीवनसदस्यानाङ्कृते ४५० रूप्यकाणि अतिरिक्त डाक–व्ययप्रेषणे उपलब्धप्राचीना अङ्काः निश्शुल्कं प्रदास्यन्ते।

सागरिका

एकचत्वारिंशद्वर्षे प्रथम-द्वितीय-अङ्कौ

(संयुक्ताङ्क)

509-2002, 2006
41/1,2



श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय

संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका

४१/१-२

विक्रमसंवत् २०६६-६७



सागरिकासमिति:

संस्कृतविभाग:

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालय:, सागरम्

राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानस्य
साहाय्येन प्रकाशिता

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

विक्रमसंवत् २०६६–६७

एकचत्वारिंशद्वर्षे प्रथम–द्वितीय–अङ्कौ
(संयुक्ताङ्कः)

४१/१–२

पौष–चैत्र, २०६६–६७ विक्रमाब्दे

संस्थापकः प्रधानसम्पादकश्च
रामजीउपाध्यायः



सम्पादकौ
राधावल्लभत्रिपाठी
कुसुमभूरिया दत्ता

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

अनुक्रमः

१.	राज्ञः पथप्रदर्शकोऽमात्यः	*हेतरामकछवाहः*	७
२.	प्रथमे हि विद्वांसो वैयाकरणाः (मम्मटाचार्यस्य व्याकरणवैदुष्यम्)	*पूर्णिमा केळकर*	२३
३.	आधुनिक–चिकित्सा–क्षेत्रे ऊँकारस्य महत्त्वम्	*पूनम गुप्ता*	३१
४.	बृहत्त्रय्यां प्रतिबिम्बितं ज्ञानविज्ञानम्	*डॉली जैन*	३४
५.	भार्गवीयमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयं वैशिष्ट्यम्	*सनन्दनकुमारत्रिपाठी*	४१
६.	श्रीमद्भगवद्गीताया यज्ञविवेचनम्	*मीरा द्विवेदी*	५६
७.	संस्कृतसाहित्ये आचार्यदिगम्बरमहापात्रस्य योगदानम्	*नारायणदाशः*	६६
८.	चिरञ्जीव्यादेषा शुभगुणधना 'ज्ञानमती'	*भागचन्द्रो जैनो 'भागेन्दुः'*	६३
९.	न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्यामाख्यातार्थ–विचारः	कृष्णपददास अधिकारी	६८
१०.	वाक्यपदीयोक्तव्याकरण– दर्शने मोक्षस्वरूप विमर्शः	विन्ध्येश्वरीप्रसादमिश्रो 'विनयः'	१०६
११.	पञ्जाबप्रदेशीयसंस्कृतपत्रिकायां "विश्वसंस्कृतस्य" योगदानम्	लालाशङ्कर गयावालः	१११
१२.	वैदिकसाहित्ये सृष्ट्युत्पत्तिविवेचनम्	ट्विंकल बंसल, लालाशंकर गयावाल	११६
१३.	आचार्यराजशेखरस्य शब्दानुशासनम्	कमलाप्रसाद पाण्डेयः	१२३
१४.	श्रीमद्भागवते राजधर्मः	दिनेशकुमारगर्गः	१२६
१५.	महर्षेः दयानन्दस्य प्राजातान्त्रिकं दर्शनम्	पूर्णचन्द्रउपाध्यायः	१३५
१६.	ब्रह्मपुराणे वर्णितं आदित्यमाहात्म्योपरि ऋग्वेद–प्रभावः	शीतांशु त्रिपाठी	१३६
१७.	ग्रन्थसमीक्षणम्	श्रीमती सुदेश आहूजा	१४६
१८.	ग्रन्थसमीक्षणम्	नारायण दाशः	१४६

ISSN 2229 - 5577

सागरिका

एकचत्वारिंशद्वर्षे तृतीयाङ्कः

Soig-2020
41/3

संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका

41/3
विक्रमसंवत् 2067

ग्रंथालय

सागरिकासमितिः
संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालयः, सागरम्

राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानस्य
वित्तसाहाय्येन प्रकाशिता

ISSN 2229 – 5577

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

विक्रमसंवत् 2067

एकचत्वारिंशद्वर्षे तृतीयाङ्कः

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

41/3

2067 विक्रमाब्दे

संस्थापकः प्रधानसम्पादकश्च

रामजीउपाध्यायः

सम्पादकौ

राधावल्लभत्रिपाठी

कुसुमभूरिया दत्ता

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

अनुक्रमः

1	सांख्यदर्शनम्	*वसुंदा एम.*	9
2	बुन्देलक्षेत्रीयाणां कवीनां संस्कृतवाङ्मये योगदानम्	*सरस्वती प्रसादो द्विवेदी*	17
3	नैषधीयचरितं पूर्णं काव्यमस्ति	*उमाकान्तचतुर्वेदी*	24
4	अर्थ एव प्रधान इति कौटिल्यः	*हेतराम–कछवाहः*	32
5	महाभारते नारी	*ब्रजकिशोरः स्वाई*	44
6	पूर्वत्रासिद्धे न स्थानिवत्तस्य दोषः संयोगादिलोपलत्वणत्वेष्विति वार्तिकयोः प्रत्याख्यानम्।	*विष्णुकान्तपाण्डेयः*	51
7	श्रीहर्षस्य बहुज्ञता	*आचार्यः बाबूलालः मीना*	58
8	शैवागमे स्मृतिस्वरूपविमर्शः	*रमाकान्तपाण्डेयः*	75
9	श्रीजगन्नाथसंस्कृतेः सार्वभौमत्वम्	*पूर्णचन्द्र–उपाध्यायः*	85
10	वैदिकराष्ट्रस्य संकल्पना	*शीतांशुः त्रिपाठी*	91
11	ऋतुसंहारे ग्राम्यजीवनम्	*कमलाप्रसादपाण्डेयः*	97
12	वैदिक–न्यायव्यवस्था	*शीतांशुः त्रिपाठी*	105
13	ग्रन्थसमीक्षणम् – 1	*देवर्षिकलानाथशास्त्री*	111
14	ग्रन्थसमीक्षणम् – 2	*महेशकुमारः द्विवेदी*	116
15	ग्रन्थसमीक्षणम् – 3	*गोविन्द्रचन्द्रपाण्डेयः*	117
16	पाठकविमर्शः	*पूर्णचन्द्रउपाध्यायः*	120

ISSN 2229 - 5577

सागरिका

एकचत्वारिंशद्वर्षे चतुर्थाङ्कः

Sag - 2010
41/4



संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका

41/4
विक्रमसंवत् 2067





सागरिकासमितिः
संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम्

ISSN 2229 – 5577

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

विक्रमसंवत् 2067

एकचत्वारिंशद्वर्षे चतुर्थोङ्कः

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *

41/4
2067 विक्रमाब्दे

संस्थापकः

स्व. रामजीउपाध्यायः

सम्पादकौ

राधावल्लभत्रिपाठी

कुसुमभूरिया दत्ता

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

अनुक्रमः

1	काव्यमीमांसाप्रकाशे राजशेखरकाव्यपरिशीलनम्	*बालकृष्णशर्मा*	9
2	शूद्रकस्य सूक्तिषु व्यवहारनीत्योः परिशीलनम्	*शारदा भण्डारी*	17
3	कथाकलिकानुशीलनम्	*मीरा द्विवेदी*	23
4	संस्कृतभाषायां विद्यमानं विविधज्ञानविज्ञानम्	*डॉली जैन*	34
5	नैषधीयचरिते वीररसस्य संयोजनम्	*श्वेता जैन*	42
6	भारतस्य कृषेरुन्नत्यां संस्कृतस्यावदानम्	*अर्चना दुबे*	50
7	'संस्कृतवाङ्मये पर्यावरणचिन्तनम्'	*अनिलकुमारः सिन्हा*	56
8	अनुवादसिद्धान्त–कथापरंपरयोः परि–प्रेक्ष्ये दूर्वायाः ''विश्वकथा विशेषाङ्कः''	शीतांशुः त्रिपाठी	62
9	पंचम्यर्थविचारे ध्रुवपदार्थविवेचनम्	*माण्डवीशरण त्रिपाठी*	67
10	श्रीराधाचरणरेणुमहिमा	*नौनिहालगौतमः*	71
11	'संस्कृतवाङ्मये आयुर्विज्ञानम्'	*प्रीति सीरौटिया दीपककुमार पाठकः*	76
12	''सिद्धान्तकौमुदीमङ्गलाचरणम्''	*भरतचन्द्रमहापात्रः*	85
13	काव्येषु नाटकं रम्यम्	*बाबूलालः मीना आचार्यः*	91
14	साहित्यदर्पणस्यालङ्कारशास्त्रीयं महत्त्वं योगदानञ्च	*बृजेन्द्रकुमारः पाण्डेयः*	101
15	शास्त्रपठनेन वा शिष्टत्वं, शिष्टप्रयोगेण वा शास्त्रात्वम् ?	*सुदेव् कृष्ण शर्मा*	104
16	ग्रन्थसमीक्षणम्–1	*गोविन्द्रचन्द्रपाण्डेयः*	108
17	ग्रन्थसमीक्षणम्–2	*पूर्णचन्द्रउपाध्यायः*	111
18	ग्रन्थसमीक्षणम्–3	*रमाकान्तपाण्डेयः*	114

Sag-2011
42|3,4

ISSN 2229 – 5577

सागरिका

द्विचत्वारिंशद्वर्षे तृतीयचतुर्थाङ्कौ
(संयुक्ताङ्कः)





संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका

४२/३–४
विक्रमसंवत् २०६८



सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम्

साहित्य-संस्कृत-अध्ययनशाला
विश्वभारती-शान्तिनिकेतन

ISSN 2229 – 5577

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

विक्रमसंवत् २०६८

द्विचत्वारिंशद्वर्षे तृतीयचतुर्थाङ्कौ
(संयुक्ताङ्कः)

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी
ग्रंथालय
शारदा भवनम्

४२/३–४
२०६८ विक्रमाब्दे

संस्थापकः
स्व. रामजीउपाध्यायः

सम्पादकौ
राधावल्लभत्रिपाठी
कुसुमभूरिया दत्ता

सागरिकासमितिः
संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

पौनःपुन्येन
ग्रीं प्रस्तोतुं
काचित्
ोध–पत्रिका
संधानरतानां
इत्यस्मिन्
माजोदयाय
वर्तमानेयं

यावदनया
दार्शनिक–
पुरतः
ामिष्वङ्केषु
आलेखाः
सम्मतिञ्च
यान्यस्मान्
द्वारा वा

अनुक्रमः

१	कालिदाससाहित्ये शैवसमयः	अनिल् नारायणन् एन्.	६
२	वृत्तयः काव्यमातरः	*श्रीमती आभा सिंह*	१३
३	काव्यशास्त्रपरम्परायाम् भोजस्यावदानम्	बालकृष्णशर्मा	१८
४	विश्वनाथकविराजकृतायां चन्द्रकला–नाटिकायाम् स्त्रीपात्राणां भूमिका	सुभद्रा मिश्रः	२७
५	सांख्यदर्शने प्रकृतेः स्वरूपम्	देवीसिंहः	४४
६	निर्विकल्पकं भवतु प्रत्यक्षम् सविकल्पकं तु कथम्	कौशल्या शर्मा	५४
७	किरातशिशुपालवधयोः लोकजीवनम्	महेशकुमारद्विवेदी	५६
८	चित्रकूटस्य भौगोलिकं वर्णनम्	प्रज्ञा मिश्रा	७२
९	मनुस्मृतावार्थिकप्रबन्धनम्	पूर्णचन्द्र उपाध्यायः	७७
१०	अपादानविमर्शः	पूर्णिमा केलकर	८३
११	कवीनां दूतकाव्ये प्रवृत्तिनिमित्तविचारः	राजकुमारमिश्रः	९५
१२	शिशुयुवदुर्दैवविलसितमित्यस्य समाजाश्रयगीतिकाव्यस्य...	तन्मयकुमारभट्टाचार्यः	१०२
१३	"किरातार्जुनीयमहाकाव्ये किरातार्जुनयो–र्युद्धसन्दर्भवैशिष्ट्यम्"	सुमन कुमार झा	११२
१४	काव्यसत्यालोके अभिनवकाव्यशास्त्रीय–तत्त्वानि	वेदप्रकाशडिंडोरिया	१२५
१५	क्त्वाद्यर्थविमर्शः	विष्णुकान्तपाण्डेयः	१३४
१६	सौन्दर्य–सप्तशती–काव्यस्य सौन्दर्यम्	ऋषन् भारद्वाजः, ऋषभः	१४२
१७	ग्रन्थसमीक्षणम्	महेशकुमारद्विवेदी	१५८

Sag-2012
43|3,4

ISSN 2229 - 5577

सागरिका

त्रिचत्वारिंशद्वर्षे तृतीयचतुर्थाङ्कौ

(संयुक्ताङ्कः)





संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका

४३/३–४

विक्रमसंवत् २०६६



सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम्

ISSN 2229 – 5577

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

विक्रमसंवत् २०६६

त्रिचत्वारिंशद्वर्षे तृतीयचतुर्थाङ्कौ
(संयुक्ताङ्कः)



४३/३–४
२०६६ विक्रमाब्दे

संस्थापकः
स्व. रामजीउपाध्यायः

सम्पादकौ
राधावल्लभत्रिपाठी
कुसुमभूरिया दत्ता

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

अनुक्रमः

१	महाकविभवभूतेः शास्त्रपाण्डित्यपरिशीलनम्	*बालकृष्णशर्मा*	६
२	महाकविबाणभट्टस्य भूभागीयं पाण्डित्यम्	कमलाप्रसादपाण्डेयः	१६
३	भारतीयसंस्कृतौ भगवदुपासना तन्महत्त्वमावश्यकता च	नरसिंह चरण पण्डा	२४
४	स्वास्थ्यदृष्ट्या योगस्योपयोगिता	*राजेश बतरा*	३३
५	संस्कृत साहित्ये स्वामिनोऽभेदानन्दस्य योगदानम्	*नारायणदाशः*	४०
६	इतिहासाश्रिता रूपकपरम्परा राजशेखरश्च	बालकृष्णशर्मा	५०
७	शैवदर्शने स्वातन्त्र्यशक्तिविमर्शः	अखिलेशकुमारमिश्रः	५६
८	महाकविबाणभट्टवर्णितविन्ध्याटव्याः पर्यावरणम्	कमलाप्रसादपाण्डेयः	६०
९	नैषधीये काव्यदोषसम्भावना	सुमन कुमार झा	६४
१०	संस्कृतसाहित्ये विद्यमानाः भोजनशास्त्रग्रन्थाः	श्रीजा के.एन्.	७५
११	धात्वर्थविषये वैयाकरणानां सम्मतिः	वेदनारायणशुक्लः	८०
१२	मृच्छकटिकप्रकरणस्य भाषावैज्ञानिक–वैशिष्ट्यम्	*हेमन्त शर्मा*	९१
१३	महाकविबाणभट्टस्य काव्यचातुरी	राघवेन्द्र शर्मा	१०१
१४	सावर्ण्यविवेकः	*स्वपन–माझिना*	११३
१५	श्रीसीतारामभट्टपर्वणीकरकृतनलविलास–महाकाव्ये काव्यशास्त्रीयविलासः	सनन्दनकुमार त्रिपाठी	१२०
१६	कोऽयं रसः	मीरा द्विवेदी	१२७
१७	ग्रन्थसमीक्षणम्	महेशकुमार द्विवेदी	१४२

ISSN 2229 - 5577

सागरिका

चतुश्चत्वारिंशद्वर्षे प्रथमद्वितीयाङ्कौ

(संयुक्ताङ्कः)

Sag-2013
44/1,2





संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका

४४/१-२

विक्रमसंवत् २०७०



सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम्

ISSN 2229 – 5577

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी

विक्रमसंवत् २०७०

चतुश्चत्वारिंशद्वर्षे प्रथमद्वितीयाङ्कौ
(संयुक्ताङ्कः)

४४/१–२
२०७० विक्रमाब्दे



संस्थापकः
स्व. रामजीउपाध्यायः

सम्पादकौ
राधावल्लभत्रिपाठी
कुसुमभूरिया दत्ता

सागरिकासमितिः
संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

अनुक्रमः

१	व्याकरणशास्त्राय महर्षिपतञ्जलेरवदानम्	बालकृष्णशर्मा	०६
२	महती सूक्ष्मेक्षिका वर्तते सूत्रकारस्य	किरण आर्या	१६
३	महाभाष्यस्थलौकिकतत्त्वानां केषाञ्चन विहङ्गवीक्षणम्	प्रियव्रतमिश्रः	२३
४	'जसः शी' सूत्रे नागेशस्य भाष्यसम्मताशयः	सतीशकुमारः	२८
५	ऋग्यजुःसामाथर्वतत्त्वानि	रामनारायणशास्त्री	३४
६	श्रीराधाविवाहविचारः	नौनिहालगौतमः	३६
७	'गीताविज्ञानभाष्ये कर्मयोगः' तस्य प्रासङ्गिकताच	ओमप्रकाशपारीकः	४७
८	ध्वन्यालोकः प्राकृतकाव्यसाहित्यञ्च	सुमनकुमारझा	५३
९	आदिकाव्यं काव्यशास्त्रञ्च	एन.के.सुन्दरेश्वरन्	७३
१०	किरातार्जुनीयस्य काव्यशास्त्रीयं समीक्षणम्	बाबूलालमीना	९०
११	काव्येषु लोकतत्त्वस्य उपादेयता	सत्येन्दुशर्मा	१००
१२	हिन्दूधर्मेऽवतारवादः	सरस्वतीप्रसाद द्विवेदी	१०४
१३	अभिज्ञानशाकुन्तले कालिदासस्य चित्रकलाप्रयोगः तदभिव्यक्तकाव्यविचारश्च	राजकुमारमिश्रः	११०
१४	गौतमधर्मसूत्रानुसारं धर्मानुकूलाचरणे प्रमाणानि	नौनिहालगौतमः	११६
१५	श्रीगोस्वामितुलसीदासचरितमहाकाव्यस्य साहित्यिकं परिशीलनम्	सुमनकुमारझा	१२०
१६	केनोपनिषदाधारितं मानवजीवनदर्शनम्	अरविन्दकुमारः	१३२
१७	ग्रन्थसमीक्षणम्	पूर्णचन्द्र उपाध्यायः	१४०

ISSN 2229 - 5577

सागरिका

चतुश्चत्वारिंशद्वर्षे तृतीयचतुर्थाङ्कौ

(संयुक्ताङ्कः)

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावळ
ग्रंथालय
* शारदा भवनम् *
Sag-2013
44/3,4

संस्कृते त्रैमासिकी शोधपत्रिका

४४/३-४
विक्रमसंवत् २०७०

असतो मा सद्गमय

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम्

ISSN : 2229-5577

सागरिका

संस्कृतत्रैमासिकी
विक्रमसंवत् २०७०

चतुश्चत्वारिंशद्वर्षे तृतीयचतुर्थाङ्कौ
(संयुक्ताङ्कः)



४४/३-४
२०७० विक्रमाब्दे

संस्थापकः
स्व. रामजी उपाध्यायः

सम्पादकौ
राधावल्लभत्रिपाठी
कुसुमभूरिया दत्ता

सागरिकासमितिः
संस्कृतविभागः
डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

अनुक्रमः

		पृष्ठ क्रमांक
१. राजशेखरसाहित्ये धार्मिकदार्शनिकसन्दर्भाः	बालकृष्णशर्मा	९
२. अखण्डार्थविचारः	टि.नारायणन् कुट्टि	१४
३. वाक्यपदीये शब्दब्रह्मविमर्शः	तोयनिधिवैष्णवः	२६
४. शोभना (सरला) खलु पाणिनेः सूत्रकारस्य कृतिः	किरण आर्या	३०
५. वस्तुतस्तु ज्ञापकन्यायसिद्धत्वमेव परिभाषाणाम्	प्रियव्रतमिश्रः	३५
६. प्रवृत्तिनिमित्तविषये न्यायव्याकरणयोः मतविश्लेषणम्	श्रवणकुमारमणि त्रिपाठी	४१
७. पाञ्चरात्रिकं दीक्षाविधानम्	शीतलाप्रसाद पाण्डेयः	४७
८. शिक्षायां शाङ्करवादः	सुशान्तकुमारायः	५७
९. विजयते महाकविभवभूतेः संवादयोजनाचातुरी	नौनिहालगौतमः	६३
१०. वेदेषु भक्तेः विविधा आयामाः	रामहेतगौतमः	७४
११. वैदिकसाहित्यदृष्ट्या सृष्ट्युत्पत्तिः	राजपरा वनराज-भाई नारणभाई	८०
१२. कुरुक्षेत्रे सरस्वती नदी	सरस्वतीप्रसादो द्विवेदी	८४
१३. उपमा कालिदासस्य	सुमनशर्मा	९०
१४. मालविकाग्निमित्रे समाजचित्रणम्	बाबूलालमीना	९४
१५. दशकुमारचरिते लोकजीवनम्	सञ्जयकुमारः	१०५
१६. दृष्टान्तनिदर्शनयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	आशिषकुमार शास्त्री	११०
१७. शिशुपालवधमहाकाव्ये नैतिकमूल्यानि	सुमनकुमारझा	११५
१८. शिशुपालवधस्य काव्यशास्त्रीयं समीक्षणम्	आशा सिंह	१२८
१९. उत्तररामचरितेऽलङ्कारविन्यासः	राघवेन्द्रशर्मा	१३४
२०. भारतीयग्राम्यसंस्कृतौ वरिष्ठजनानां भूमिका	प्रज्ञा मिश्रा	१३९

ISSN 2229 - 5577

सागरिका

त्रैमासिकीसंस्कृतशोधपत्रिका

अङ्कः ४५/१-४, वि.सं. २०७१ (संयुक्ताङ्कः)



ISSN : 2229-5577

सागरिका

त्रैमासिकीसंस्कृतशोधपत्रिका

अङ्क ४५/१-४, विक्रमसंवत् २०७१

पञ्चचत्वारिंशद्वर्षे प्रथमद्वितीयतृतीयचतुर्थाङ्काः

(संयुक्ताङ्कः)

संस्थापक संपादकः

स्व. रामजी उपाध्यायः

प्रधानसम्पादकः

राधावल्लभत्रिपाठी

सम्पादकौ

कुसुमभूरिया दत्ता

आनन्दप्रकाशत्रिपाठी

प्रबन्धसम्पादकः

शशिकुमारसिंहः

सम्पादकमण्डलम्

नौनिहालगौतमः, सञ्जयकुमारः, रामहेतगौतमः, किरण आर्या

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

अनुक्रमः

	पृष्ठ क्रमांक
व्यक्तित्वनिर्माणे कालिदासस्य कौशलम्	९
सरस्वतीप्रसादो द्विवेदी	
महाकविभवभूतेः समाजचेतना	१४
बालकृष्णशर्मा	
लीलावत्यां शून्यपरिकर्मविचारः	२०
वृन्दा पी.एम्.	
विश्वनिर्माणे वेदान्तः	२४
विदुषा	
अवसादरोगस्योपचाराय योगदर्शनस्य भूमिका	२८
खगेन्द्रपात्रः	
वैदिकध्वनिविज्ञानेऽनुस्वारस्वरूपविमर्शः	३७
उमेशप्रसादसिंहः	
आधुनिकसंस्कृतकथासु नारी	४४
महराजदीनपाण्डेयः	
न्याय-वैशेषिकदर्शनाभिमतं पृथक्त्वपर्यालोचनम्	५३
सुधांशुकुमारषडङ्गी	
वैदिकयज्ञस्वरूपं तत्प्रासङ्गिकता चाधुनिकवैज्ञानिकयुगे	५८
धनञ्जयवासुदेवद्विवेदी	
साहित्यविद्याया वेदमूलकत्वम् साहित्यशास्त्रस्य वेदोपजीवकत्वञ्च	८३
सुमनकुमारझा	
स्वस्माच्छ्रेयान् परः	९७
सुरेन्द्रपालसिंहः	
अग्निपुराणे सांख्यसम्मतं सृष्टिक्रमः	१०३
सन्दीपकुमारः	
व्याकरणशास्त्रस्य वैशिष्ट्यं स्वरूपञ्च	१०७
हरीशकुमारवर्मा	

अलङ्कारशास्त्रे उपमालङ्कारविवेचनम् १११
जितेन्द्रतिवारी
आधुनिकसंस्कृतसाहित्ये स्त्रीणां स्थानम्- ११५
राधावल्लभ-तारापद-दृष्ट्या
सौम्यजितसेनः
सप्तान्नानि मेधयातपसाजनयत्पिता १२२
रामनारायणशास्त्री
गोपथब्राह्मणे केषांचन शब्दानां, सूक्तीनां च निदर्शनम् १३१
किरण आर्या
सूत्रार्थबोधे अनुवृत्तेर्वैशिष्ट्यम् १३६
व्यासनारायणः आर्यः
रसगङ्गाधरस्य मङ्गलश्लोकसमीक्षा १४०
मञ्जूषा चन्ने
कृष्णस्य प्रियतमा राधा एव १४७
नौनिहालः गौतमः
संस्कृतसाहित्यं प्रति गोविन्दमिश्रस्यावदानम् १५२
खगेन्द्रपात्रः
मेघदूते मानसूनविज्ञानम् १६०
संदीपकुमारयादवः
मुनिश्रीराजसुन्दरविजयेनकृत 'सुन्दरैकाक्षरकोशः' ग्रंथ समीक्षणम् १६६
पूर्णचन्द्रोपाध्यायः
धनिकस्य काव्यार्थचिन्तनम् १६८
मीरा द्विवेदी
चमत्कारसम्प्रदायः काव्यचमत्कारश्च १८३
महेशचंद्रशर्मागौतमः
एड्स रोगनिवारणे कामसूत्रस्य योगदानम् २०१
श्रीकान्तआर.बाल्तिल्लायः